भोपाल, बुधवार, 19 जून 2024 ■ ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष-12 ■ वर्ष : 11, अंक : 86 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 4.00 ** मौसम अधि. 35 न्यून.26 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

फोटो होशंगाबाद रोड के

प्रदेश के डेढ़ दर्जन जिलों में ओला-बारिश, पारा 7 डिग्री तक गिरा

राजधानी में दोपहर बाद बदला मौसम, आंधी के साथ बारिश से राहत

आज भी पूर्वी और उत्तरी मप्र के अधिकांश हिस्सों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट, साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय

प्रदेश में औसत पारा 40 डिग्री पर अब लू का असर नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित डेढ़ दर्जन से अधिक जिलों में मंगलवार को आंधी के साथ कुछ जिलों में ओले गिरे तो कहीं बारिश दर्ज हुई। इससे इन जिलों में गर्मी से राहत रही। प्रदेश में प्री मानसून गतिविधियों से पारा तेजी से गिरा। भोपाल सहित कुछ जिलों में पारा बढ़ गया, जबकि पूर्वी और पश्चिमी प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान में गिरावट रही है। ▶▶ शेष पेज 6 पर

मानसून धीमी गति से आगे बढ़ा

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार प्रदेश में प्री मानसून बारिश जारी रहेगी, जिससे तापमान में बदलाव होगा। मानसून की उत्तरी सीमा मंगलवार तक नवसारी, जलगांव, अमरावती, चंदरपुर, बीजापुर, सुकमा, मलकानिगरी, विजयनगरम आदि से होकर गुजर रही है। इसके अलावा सौराष्ट्र से लगे पूर्वी अरब सागर के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय है, जिससे प्रदेश में नमी आ रही है। इससे उम्मीद है कि दो से तीन दिन में मानसून भी ऑनसेट होने की सभी परिस्थितियां पूरी हो जाएं।

कहां कितना गिरा पारा

भोपाल, खंडवा, खरगौन, राजगढ़, जबलपुर, मंडला और मलाजखंड आदि जिलों के तापमान में बढ़त रही। सबसे अधिक बढ़त भोपाल में 4.7 डिग्री रही। शेष शहरों में 2 से 4 डिग्री तक पारा बढ़ा। बारिश के बाद दमोह के पारे में ▶▶ शेष पेज 6 पर

सीएम ने जताया शोक, चार-चार लाख की आर्थिक सहायता के निर्देश

ग्वालियर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से चार की मौत

ग्वालियर जिले की भितरवार विकासखंड के ग्राम पंचायत करहिया में आकाशीय बिजली गिरने से चार नागरिकों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागरिकों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत नागरिकों की आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजन को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला प्रशासन को मृतकों के परिजन को आरबीसी 6/4 के तहत चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता तथा घायल के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं।

inh 24x7 छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें TATA PLAY चैनल नं. 1155 airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राहुल का दावा- सत्तारूढ़ खेमे के लोग संपर्क में

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से भाजपा और नरेंद्र मोदी पर हमला बोला।

गांधी ने कहा कि 2024 के आम चुनावों के बाद लोकसभा में संख्या बहुत कमजोर होगी और 'छोटी सी गड़बड़ी भी एनडीए की सरकार को गिरा सकती है। किसी का नाम लिए बिना राहुल ने दावा किया कि एनडीए के लोग हमारे संपर्क में हैं और मोदी खेमे में असंतोष है।

रील के चक्कर में लड़की गाड़ी समेत खाई में गिरी

औरंगाबाद। महाराष्ट्र में 23 साल की एक लड़की कार के साथ रील बनवा रही थी तभी उससे गाड़ी में

बैक गियर लगा और ब्रेक लगाने की जगह उसने एक्सीलेटर पर पैर रख दिया और गाड़ी 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। लड़की की इस दुर्घटना में मौत हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। पूरा मामला महाराष्ट्र के औरंगाबाद का है।

ओलंपिक से पहले नीरज चोपड़ा ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने

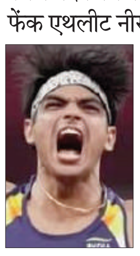

पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। फिनलैंड के टोनी केरानेन ने 84.19 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का आज डिंडोरी दौरा

भोपाल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 19 जून को डिंडोरी का दौरा करेंगे। अपने एक दिवसीय

दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ विश्व सिकल सेल दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस समारोह में मौजूद रहेंगे। इस दौरान स्वास्थ्य, आयुष, महिला और बाल विकास, आदिवासी विकास, पंचायत विभाग की प्रदर्शनी भी लगेगी।

सीएम डॉ. यादव ने कहा-विद्यालय में प्रवेश लेने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चे कल का भविष्य

मुख्यमंत्री ने शाला में नवप्रवेशी विद्यार्थियों को दुलारा, तिलक लगाया पुस्तकें भेंट की

प्रदेश के 416 विद्यालयों में पीएमश्री योजना के तहत उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी

मध्य प्रदेश के स्कूलों में विश्वस्तरीय भवन, स्मार्ट क्लास, डिजिटल टीचिंग, नि:शुल्क वाहन सुविधा सहित कई अन्य आधुनिक संसाधनों की सुविधा विद्यार्थियों को मिलेगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मंगलवार को राजधानी के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेशोत्सव मनाया गया।

स्कूल चलें हम अभियान 2024 कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज स्कूल चलें हम अभियान के तहत इस प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में आकर आनंदित हूं, विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले यह नन्हें मुन्ने बच्चे आने वाले कल का भविष्य हैं। ▶▶ शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'स्कूल चलें हम' अभियान 2024 का किया शुभारंभ, प्रदेश में सर्वसुविधायुक्त 369 सीएम राइज स्कूलों का संचालन शुरू

सुपर-100 योजना के तहत वर्ष 2024 में जेईई एडवांस में आईआईटी में प्रवेश लेने वाले शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का किया सम्मान

सुपर-100 योजना के विद्यार्थियों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुपर-100 योजना के तहत वर्ष 2024 में जेईई एडवांस में आईआईटी में प्रवेश लेने वाले शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का सम्मान किया। इनमें ग्राम सालीचौका जिला नरसिंहपुर के पवनराय, ग्राम रक्सहाकलॉ जिला रीवा के शीतल सिंह, सतना जिले ग्राम अतरार के साहिल पाल, भोपाल के रविराज विश्वकर्मा का सम्मान किया गया।

स्कूल शिक्षा स्तर पर भी एनईपी-2020 पर रहेगा फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय विद्यालयों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह विद्यालय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ सफल जीवन जीने की प्रेरणा और अनुभव प्रदान करने के भी महत्वपूर्ण केन्द्र हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश की सभी व्यवस्थाओं में सुधार हो रहा है। इसी क्रम में लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का सकारात्मक प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी में परिलक्षित होगा। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में देश में अग्रणी रहा है। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों का क्रियान्वयन प्राथमिकता के आधार पर करके मध्यप्रदेश देश में आगे रहेगा।

भगवान श्रीकृष्ण ने शाला स्तर पर ज्ञानार्जन और मित्रता का उदाहरण दिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालय संचालन के साथ-साथ विद्यालय के परिवेश के बारे में सोचना और उसे बेहतर बनाना जरूरी है। विद्यालय विद्यार्थियों को ऐसा परिवेश और मार्गदर्शन दें, जिससे वे कठिन परिस्थितियों में भी श्रेष्ठ ज्ञान और शिक्षा प्राप्त करते हुए नैतिक मूल्यों के साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हो सकें। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीकृष्ण ने गुरूकुल में ▶▶ शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह का नामांकन-पत्र दाखिल

मोदी के साथ छिंदवाड़ा की जनता जारी रहेगा 'विजय अभियान'

भाजपा अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में जीत का इतिहास कायम करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को छिंदवाड़ा में ऐतिहासिक विजय मिली है, इस विजय में अमरवाड़ा की जनता जनार्दन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। तीन बार विधायक रहे कमलेश शाह को भाजपा ने अमरवाड़ा से अपना प्रत्याशी बनाया है।

उन्होंने नामांकन भी जमा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार छिंदवाड़ा और अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने ▶▶ शेष पेज 6 पर

अमरवाड़ा के विकास के लिए भाजपा कृत संकल्पित

डॉ. यादव ने कहा कि लोकसभा के ऐतिहासिक विजय में अमरवाड़ा की जनता का बड़ा योगदान है। उनका यह योगदान अमरवाड़ा उपचुनाव में भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने अमरवाडा में कार्यकर्ता बैठक को संबोधित किया। इस मौके पर प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़, दीपक सक्सेना, छिंदवाडा सांसद विवेक बंटी साहू, जिला अध्यक्ष शेषराव यादव, अमरवाडा से पार्टी प्रत्याशी ▶▶ शेष पेज 6 पर

जनता भाजपा पर वोटों की बारिश करेगी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि आज अमरवाड़ा उपचुनाव से भाजपा प्रत्याशी शाह ने नामांकन जमा किया है। आज भगवान इंद्रदेव प्रसन्न होकर बारिश कर रहे हैं, उसी तरह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण योजनाओं के कार्यों से प्रसन्न होकर अमरवाड़ा की जनता उपचुनाव में भाजपा पर वोटों की बारिश करने जा रही है।

इंदौर में नाबालिग की मौत

बस में बैठने घर से निकली छात्रा, 14 वीं मंजिल से कूदी

इंदौर। शहर के निपानिया इलाके की एक टाउनशिप में एक नाबालिग छात्रा ने 14 वीं मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली। वह घर से स्कूल बस में बैठने के लिए रुकी थी,लेकिन बस में बैठने के बजाए पास की बिल्डिंग में चली गई और वहां से छलांग लगा दी। उसने आत्महत्या क्यों की? इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने परिजनों के बयान अभी नहीं लिए है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक छात्रा के पास कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ पिता गेट तक छोड़ने आए फिर घर चले गए, इसके बाद हुई घटना

यह अपनी तरह की पहली सुविधा

सेना ने शुरू किया स्किन बैंक सैनिकों का होगा उपचार

नई दिल्ली। सेना के रिसर्च और रेफरल अस्पताल (आर एंड आर) ने एक अत्याधुनिक त्वचा बैंक सुविधा केंद्र की शुरूआत की है। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं में यह अपनी तरह की पहली सुविधा है। इस ऐतिहासिक पहल का उद्देश्य सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को आग में जलने के कारण शरीर में गंभीर बीमारी और त्वचा से संबंधित अन्य बीमारियों के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। यह त्वचा बैंक 'स्किन ग्राफ्ट' के ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ यह देश भर में सैन्य चिकित्सा केंद्रों को संसाधन प्रदान करेगा

स्वाति मालीवाल ने लिखा पत्र

राहुल और पवार को बताया अपना दर्द, वक्त भी मांगा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने खुद पर कथित हमले को लेकर नई मुहिम छेड़ दी है। उन्होंने इंडिया गठबंधन में अपनी पार्टी की घेराबंदी शुरू कर दी है। मालीवाल ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेताओं को लेटर लिखा है। मालीवाल ने उन्हें अपना दर्द बताते हुए मुलाकात का वक्त भी मांगा है। राहुल गांधी और शरद पवार को लिखे लेटर को ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ सीएम के घर पर पीटा गया फिर मेरा चरित्र हरण करा गया

सुप्रीम कोर्ट की फटकार, एनटीए को जारी किया नोटिस

अगर किसी की ओर से 0.001% लापरवाही है तो उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए

कोर्ट ने कहा बस कल्पना कीजिए कि एक डॉक्टर ऐसे बच्चे का इलाज कर रहा है जो इस तरह से पास हो गया है और उसकी जांच की जरूरत है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट यूजी 2024 में कथित पेपर लीक और गड़बड़ी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और केंद्र पर कड़ी फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया है। देश की सर्वोच्च अदालत की बेंच ने कहा कि किसी भी ओर से थोड़ी सी भी लापरवाही होने पर पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। नीट रिजल्ट 2024 गड़बड़ी ▶▶ शेष पेज 6 पर

यह भी बोला शीर्ष कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से कहा कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के रूप में, आपको निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। यदि कोई गलती है, तो हाँ कहें, यह एक गलती है और यही वह कार्रवाई है जो हम करने जा रहे हैं। कम से कम इससे आपके प्रदर्शन में विश्वास तो पैदा होता है।

पं. प्रदीप मिश्रा का एक और विवादित बयान

हमको कुछ नहीं आता, हम तुलसीदास जी की तरह गंवार

एजेंसी ▶▶ मथुरा

सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

■ राधा रानी के बाद अब इस बयान का विरोध भी शुरू

हाल ही में राधा रानी पर विवादित टिप्पणी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि पंडित मिश्रा ने तुलसीदास जी को लेकर विवादित बयान दे दिया। जिससे वह अपने बयानों से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं।

उनका सोशल मीडिया पर एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गोस्वामी तुलसीदास के लिए गंवार शब्द का इस्तेमाल करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस बयान से संत समाज में एक बार फिर उनके प्रति आक्रोश है। 'हरिभूमि' इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। इस वीडियो में ▶▶ शेष पेज 6 पर

मैंने सबसे पहले किसान और गरीब परिवारों के लिए लिया फैसला: पीएम मोदी

किसानों के खाते में पहुंचे 2-2 हजार रुपए

एक क्लिक में 9.26 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचे 20 हजार करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार वाराणसी पहुंचे हैं। इस दौरान पीएम ने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। किसानों को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री गंगा आरती में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे।

दशाश्वमेध घाट पर पीएम मोदी के साथ उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद थीं। इससे पहले प्रधानमंत्री ने किसान सम्मेलन को संबोधित किया और किसानों को पीएम-किसान सम्मान ▶▶ शेष पेज 6 पर

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले किसानों के जीवन आसान बना रही है योजना

अब तक, 11 करोड़ से ज्यादा पात्र किसान परिवारों को पीएम-किसान योजना के अंतर्गत 3.04 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लाभ मिला है

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए किए ट्रांसफर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी कर दी। प्रधानमंत्री डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों को 20,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की 17वीं किस्त जारी की। अब तक, 11 करोड़ से ज्यादा पात्र किसान परिवारों को पीएम-किसान योजना के अंतर्गत 3.04 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ▶▶ शेष पेज 6 पर

भोपाल स्टेशन पर आवारा कुत्तों की दहशत: यात्री सहायता केंद्र को बनाया डेरा

वेटिंग हॉल से लेकर प्लेटफॉर्म तक हर वक्त 8-10 कुत्ते मौजूद यात्रियों पर लपक रहे, काटने का बना रहता है हमेशा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हरिभूमि ऑन स्पॉट

भोपाल रेलवे स्टेशन पर आवारा कुत्तों की दहशत है। स्टेशन परिसर, वेटिंग हॉल से लेकर टिकट काउंटर और सभी 6 प्लेटफॉर्म पर आवारा कुत्ते डेरा जमाए रहते हैं। कई मौकों पर ये कुत्ते यात्रियों को काटने के लिए लपकते हैं। रेलवे स्टेशन पर रोजाना 30 हजार से अधिक लोग यात्रा करते हैं। प्लेटफार्म 1 की ओर से ही लगभग 20 हजार से ज्यादा यात्री आते हैं।

श्वानों के खौफ से यात्री परेशान भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 1 की ओर से आने वाले गेट पर 4 से 10 तक आवारा कुत्तों का झुंड बैठा रहता है। इसके कारण रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को श्वान के काटने का खतरा रहता है।

यात्री सहायता केंद्र में रहते हैं श्वान

शासकीय रेल पुलिस एवं रेल सुरक्षा बल यात्री सहायता केंद्र पर कोई अधिकारी नहीं, बल्कि कुत्ते बैठे रहते हैं, जब वहां लिखे नंबर पर हरिभूमि ने फोन लगाया तो किसी से संपर्क नहीं हुआ। श्वानों का समूह अक्सर ट्रेनों के आने-जाने के समय पर यात्रियों के पास खाने-पीने के सामान की अपेक्षा में पहुंच जाते हैं। ऐसी दशा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने-उतरने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

आपस में लड़ने लगे कुत्ते

परिजनों को स्टेशन छोड़ने आया था। प्लेटफार्म 1 पर अचानक श्वान आपस में लड़ने लगे। ऐसे में बच्चे काफी डर गए थे। वहां से उनको दूर किया। ऐसे में स्टेशनों से श्वान काटने का खतरा बना रहता है। रेलवे को इस ओर भी ध्यान रखना चाहिए।

रोहित मिश्रा

श्वानों को शीघ्र ही पकड़ा जाएगा

रेलवे ने नगर निगम के साथ मिलकर श्वानों को पकड़ने की मुहीम चलाई है। नगर निगम की सहायता से श्वानों को पकड़ा जाएगा। शीघ्र ही भोपाल स्टेशन से सभी श्वानों को पकड़ लिया जाएगा।

नवल अग्रवाल, एसीएम एवं प्रभारी प्रवक्ता भोपाल मंडल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न योजनाओं को लेकर की चर्चा

नवप्रवेशितों को आज मिलेंगी फ्री किताबें, माता-पिता से करेंगे बात, मंत्री उदय प्रताप अभिभावकों को बांटेंगे पत्रक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में मंगलवार को सरकारी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया गया। इसकी शुरुआत सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। स्कूल चलें हम अभियान की शुरुआत करने के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न योजनाओं के भविष्य की शिक्षा उन्नयन को लेकर चर्चा की। इसी अभियान के तहत दूसरे दिन बुधवार को सभी विद्यालयों में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाएगा।

इसी दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा अभिभावकों को संबोधित पत्र का वितरण किया जाएगा। इन बैठकों में अभिभावकों के साथ शालेय गतिविधियों पर चर्चा होगी। इसमें प्रमुखतः कक्षावार विषयखंड, शैक्षणिक कैलेंडर, अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया, अभिभावक-शिक्षक बैठक, सह शैक्षणिक गतिविधियों, शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी दी जाएगी। इन किताबों का वितरण निःशुल्क किया जाएगा। गुरुवार को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें विशेष व्यक्ति विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।

गुरुवार को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें विशेष व्यक्ति विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे

कल होगा भविष्य से भेंट कार्यक्रम

स्कूल चलें हम अभियान को जनआंदोलन में बदलने की दृष्टि से राजधानी सहित प्रदेश के सभी शासकीय स्कूलों में जनसमुदाय की सहभागिता में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध प्रभावशाली, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्ति, स्थानीय विशिष्ट व्यक्ति आदि प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंटकर विद्यार्थियों से अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें बेहतर भविष्य गढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

इच्छुक व्यक्ति भी ले सकेंगे हिस्सा

भविष्य से भेंट कार्यक्रम में समाज के अन्य इच्छुक व्यक्ति जैसे जन प्रतिनिधि, मीडिया पर्सन, अभिनेता, कलाकार, खिलाड़ी, सामाजिक संगठनों से जुड़े व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता, उन्नत किसान, उद्योगपति, व्यवसायी अथवा अधिकारी भी अपनी पंसद के किसी एक स्कूल में जाकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और सहयोग कर सकेंगे।

एजुकेशन पोर्टल की वेबसाइट से होगा पंजीयन, दे सकेंगे गिफ्ट

जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एजुकेशन पोर्टल की वेबसाइट के लिंक पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर अपनी सुविधा से किसी एक स्कूल का चयन करना होगा। कार्यक्रम के दौरान शालाओं में आमंत्रित व्यक्ति विद्यार्थियों को स्कूल उपयोग की वस्तुएं भी गिफ्ट कर सकेंगे।

शाला खुटियापुरा में भी अभियान की शुरुआत

स्कूल चलो अभियान का मंगलवार से शुभारंभ किया गया। शासकीय माध्यमिक शाला खुटियापुरा में अभियान की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और छात्रों को तिलक लगाकर की गई। विद्यालय के पूर्व छात्र और वरिष्ठ समाजसेवी दीपक दुबे ने विद्यार्थियों को उपहार दिए। दुबे ने उपस्थित बच्चों को प्रेरित भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित जन शिक्षक अमित गुजराती ने संबोधित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य भारत सिंह, शिक्षिका बिंदु श्रीवास्तव, अनीता रैकवार एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। दीपक दुबे ने बच्चों को ठंडा पानी पीने के लिए वाटर कैन विद्यालय को भेंट किया।

आरक्षक से लेकर एएसआई तक को नवीन आपराधिक कानून का दिया गया प्रशिक्षण

भोपाल। आगामी 1 जुलाई से लागू हो रहे भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम एवं नवीन अपराधिक अधिनियम 2023 के संबंध में पुलिस अधिकारियों को लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राजधानी पुलिस के आरक्षक से राजपत्रित अधिकारी समेत लगभग 1500 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी क्रम में मंगलवार को नगरीय पुलिस के थानों, रक्षित केंद्र एवं विभिन्न इकाइयों में पदस्थ लगभग 100 आरक्षक, प्रधान आरक्षक एवं सहायक उप निरीक्षक के लिए सामुदायिक भवन पुलिस लाइन नेहरू नगर में एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षकों द्वारा नवीन अपराधिक अधिनियम 2023 के परिदृश्य एवं विश्लेषण के प्रावधानों के संबंध में विस्तृत व्याख्यान दिया, साथ ही धाराओं के परिवर्तन एवं समावेश तथा सजा के प्रावधानों, विभिन्न प्रपत्रों, साक्ष्य संकलन तथा अनुसंधान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में सारगर्भित प्रशिक्षण दिया गया। वहीं उन्होंने प्रशिक्षुओं के साथ अपने अनुभव भी साझा किए।

बॉन्डेड नर्सिंग बहनों की तत्काल पोस्टिंग की मांग, आंदोलन की चेतावनी

फिर सड़कों पर उतरीं नर्सिंग छात्राएं, सतपुड़ा भवन घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मंगलवार को राजधानी में एक बार फिर नर्सिंग की छात्राओं ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मंत्रालय स्थित सतपुड़ा भवन का घेराव किया। इस दौरान दर्जनों की संख्या में नर्सिंग छात्राएं छात्र नेता रवि परमार के नेतृत्व में सतपुड़ा भवन पहुंची।

यहां उन्होंने नियुक्ति की मांगों को लेकर नारेबाजी की और सतपुड़ा भवन का घेराव किया। प्रदर्शनकारी छात्राओं ने बताया कि शासकीय नर्सिंग कॉलेजों की छात्राएं हैं। उनका सिलेक्शन प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड (व्यापमं) द्वारा किया गया था। चार वर्षों का बीएससी नर्सिंग का कोर्स पूर्ण हो चुका है। छात्राओं ने कहा कि हमारा नर्सिंग का सत्र 2018 से 2022 है। व्यापमं द्वारा दी गई प्रवेश नियम के अनुसार चार वर्षीय पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद पांच (5) वर्ष की शासकीय सेवा करने के लिए वचनबद्ध रहने का बांड भराया गया था। हमारे कालेजों से रिलीविंग हुए पूर्ण एक वर्ष हो चुके हैं, हम बॉन्डेड छात्राएं हैं। एनएसयूआई नेता रवि परमार ने कहा कि छात्राओं की जल्द से जल्द पोस्टिंग कराई जाए। पोस्टिंग न होने से छात्राओं का एक वर्ष बर्बाद हो चुका है। परमार ने चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द पोस्टिंग नहीं दी जाती तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

पिपलानी से खजूरीकलां सड़क निर्माण में तेजी लाने को कहा

बावड़िया ब्रिज पर यातायात सुचारू बनाने मंत्री गौर ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बावड़ियाकलां को होशंगाबाद रोड से जोड़ने वाले बाबूलाल गौर रेलवे ओवरब्रिज पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के साथ ही अन्य निर्माण कार्य को लेकर मंगलवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर ने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने कहा कि नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस, ब्रिज कॉर्पोरेशन और एमपीईबी के अधिकारी 19 जून को मौका मुआयना कर यातायात में सुधार के लिए किए जाने वाले कार्यों का प्रतिवेदन दें। साथ ही यातायात पुलिस स्मार्ट सिटी के माध्यम से ट्रैफिक सिग्नल स्थापित कराएं। गौर ने पिपलानी से खजूरीकला निर्माणाधीन मार्ग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मार्ग में आ रहे बिजली के खम्भों की शिफ्टिंग में हो रहे विलंब पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिजली खम्भों की शिफ्टिंग एक हफ्ते में किया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में नगर निगम, राजस्व, लोक निर्माण विभाग, एमपीईबी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बैठक

अधिकारियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रस्तावित कार्य योजना से कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की ओर से प्रदेश में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने के उद्देश्य से नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग एवं भारतीय स्टेट बैंक के हाई लेवल डेलीगेशन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने बैंक अधिकारियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रस्तावित कार्य योजना से अवगत कराया। श्रीवास्तव ने सौर ऊर्जा संबंधित

परियोजनाओं के लिए समुचित वित्तीय व्यवस्था करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे यह योजना आर्थिक दृष्टि से अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सके। उन्होंने कहा कि बैंक से आसान ऋण की सुविधा हो जाने पर पीएम सूर्य घर योजना का क्रियान्वयन समाज के सभी वर्गों में सरल हो सकेगा और प्रदेश में अक्षय ऊर्जा की भागीदारी बढ़ेगी।

इस मौके पर स्टेट बैंक मुंबई से मुख्य जनरल मैनेजर जैसी पॉल, प्रदेश के प्रभारी मुख्य जनरल मैनेजर शर्मा सहित बैंक अधिकारियों की टीम ने योजना की प्रशंसा की और 7 प्रतिशत ब्याज दर पर घरेलू हितग्राहियों को सुलभ ऋण प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में ऊर्जा सचिव रघुराम राजेन्द्रन, प्रबंध संचालक मप्र ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड अमनवीर सिंह बैंस एवं ऊर्जा निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मलेरिया विभाग की टीमें घर-घर दे रहीं दस्तक

पॉश इलाकों में हर दूसरे घर में मिल रहा डेंगू का लार्वा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर में डेंगू ने दस्तक दे दी है। डेंगू फैलाने वाले एडिज इजिप्ट मच्छर पॉश कॉलोनी के हर दूसरे घर में पनाह ले रहे हैं। मलेरिया विभाग के सर्वे में इन मच्छरों के लार्वा लोगों के लिली पाउंड व लॉन में रखे कनस्तर, ड्रम आदि में मिले हैं। विभाग ने रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन बचाव के लिए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है।

ज्ञात हो कि एक जून से राजधानी में डेंगू नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि कोशिश यही है कि शुरुआत से ही डेंगू कंट्रोल में रहे। इसलिए हर क्षेत्र में डेंगू कंट्रोलिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए 50 टीमों का गठन किया गया है। नगर निगम द्वारा जो सूची उपलब्ध कराई गई है। उसके अनुसार 21 क्षेत्रों में ज्यादा गंदगी, जल भराव एवं लार्वा निकलने की संभावना है। मलेरिया विभाग की टीम ने एक से 15 जून तक रुटीन सर्वे में 250 जगहों से सैंपल लिए। इनमें से चार इमली, अरेरा कॉलोनी, साकेत नगर, शाहपुरा, नेहरू नगर, कोलार के 150 घरों में एडिज यानी डेंगू और एनोफिलिज यानि मलेरिया के लार्वा मिले।

हेल्थ बेनिफिट पैकेज में जोड़ी गई 282 नई प्रक्रियाएं

आयुष्मान कार्ड वाले मरीजों को मिलेगी बोनमैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आयुष्मान कार्डधारी दिल व दिमाग से जुड़ी बीमारियों के मरीजों के लिए राहत की खबर है। उनके इलाज में उपयोग होने वाली चार मंहगी दवाओं को योजना में शामिल किया गया। अब इन दवाओं से उन पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ खत्म हो जाएगा। यही नहीं बोनमेरो ट्रांसप्लांट समेत 282 नई प्रक्रियाएं भी योजना में शामिल की गई हैं। नए हेल्थ बेनिफिट पैकेज में कुल 1952 प्रक्रियाओं को जोड़ा गया है, जो पहले 1670 थी, जिससे गरीब मरीजों को नए और आधुनिक इलाज में परेशानी न आएं।

जोड़ी गई नई दवाएं और उनके उपयोग के तरीके

रिकॉम्बिनेंट टिशू प्लास्मिनोजेन एक्टिवेटर- यह रक्त में मौजूद थक्कों (ब्लॉकेज) को घोलने के लिए मरीज को दी जाती है। इसके एक डोज की कीमत 10 हजार के करीब होती है। टेनेक्टेप्लेस - यह भी रक्त वाहिनियों में हानिकारक खून के थक्कों को घुलाने का काम करता है। इसके एक इंजेक्शन की कीमत 30 हजार के करीब होती है।

लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन - इसका उपयोग गंभीर प्रकार के फंगल व यीस्ट संक्रमण के इलाज के लिए किया जाता है। इसके एक इंजेक्शन की कीमत दो हजार के करीब है।

आईवी इम्यूनोग्लोबिन्स - इसका उपयोग ऑटोइम्यून, संक्रामक और अन्य रोगों के इलाज के लिए किया जाता है। इसकी कीमत 14 हजार के करीब होती है।

ट्यूमर इलाज में कारगर तकनीकी जोड़ी ब्रेन ट्यूर या अन्य ट्यूमर की जांच से लेकर इलाज में उपयोग में होने वाली तकनीक को भी आयुष्मान योजना से जोड़ा गया है। इसमें अल्ट्रासाउंड और सीटी गाइडेड पर्क्यूटेनियस रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन व अल्ट्रासाउंड और सीटी गाइडेड पर्क्यूटेनियस माइक्रोवेव एब्लेशन मुख्य हैं।

यह अन्य नई सुविधाएं

प्राइमरी केयर: *प्राथमिक व सामुदायिक शासकीय चिकित्सालयों में भी आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत ग्रामीण स्तर तक उपचार संभव होगा।*

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था: *योजना के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के लिए कैसरियन हिस्टेरेक्टॉमी और फटे हुए पेट का बंद करना जैसी प्रक्रियाएं शामिल की गई हैं। जिससे जच्चा बच्चा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।*

नई पैकेज सूची : *नई पैकेज सूची में 274 पैकेज के रेट्स को बढ़ाया गया है। साथ ही 355 नई प्रक्रियाओं (प्रसीजरों) को भी जोड़ा गया है। जिसमें गंभीर सेप्सिस (सेप्टिक शॉक), पीईटी स्कैन और प्लेटलेट फेरिसिस शामिल है।*

एमसीयू के कुलगुरु प्रो. सुरेश एमआईएफएफ में होंगे मुख्य वक्ता

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) केजी सुरेश को प्रतिष्ठित मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। गणेश शंकर विद्यार्थी राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान सहित कई बड़े पुरस्कारों से सम्मानित प्रो. सुरेश को इस प्रतिष्ठित समारोह में लगातार दूसरी बार आमंत्रित किया गया है। पद्मश्री पुरस्कार विजेता शाजी एन करुण और एस नल्लामुथु सहित प्रशंसित फिल्म निर्माताओं के साथ ओटीटी प्लेटफार्म पर बोलेंगे।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 19 जून 2024

बड़े तालाब की हरियाली।

पर्यावरणविदों के अनुसार, राजधानी में सांसों की हरी-भरी डोर पर स्वार्थ की कुल्हाड़ी चली है

4 दशक में चार लाख पेड़ कट गए, हरित आवरण 35 से घटकर 9 प्रतिशत आ गया, अगर 29000 पेड़ कटते तो 3 प्रतिशत रह जाता

यहां के सबसे बड़े प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी और बीआरटीएस दोनों ही फेल हो गए और सबसे ज्यादा पेड़ों को नुकसान इन दो प्रोजेक्ट से हुआ

हरिभूमि टीम ▶▶ भोपाल

तीन दशक पहले राजधानी को जिस हरियाली के कारण पहचाना जाता था, उसमें पिछले दस साल में सबसे बड़ा ग्रहण लगा है। इस दशक में या दो तीन साल पहले से अब तक चार लाख पेड़ काटे गए और इस समय में ही राजधानी के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट बीआरटीएस और स्मार्ट सिटी आए, जिसमें भोपाल की हरियाली को सबसे बड़ा नुकसान इसी में हुआ। पर्यावरणविदों के अनुसार किए गए सर्वे का अनुमान है कि 2009 से 2019 के बीच एक दशक में भोपाल में चार लाख पेड़ काटे गए। इसके पहले शहर में हरित आवरण 35 प्रतिशत था, जो घटकर सिर्फ़ 9 प्रतिशत रह गया। पर्यावरणविदों के अनुसार अगर 29000 पेड़ और कट जाते तो यह आवरण घटकर 3 प्रतिशत ही रह जाता।

पर्यावरणविदों के अनुसार पर्यावरण आवरण तेजी से घटने का सबसे बड़ा कारण अनियोजित शहरीकरण, बढ़ती आबादी, घटते एफएआर, सूखते झील, प्रदूषण और गिरते भूजल स्तर को पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ही सबसे बड़ा कारण है। राज्य सरकार और पीडब्ल्यूडीए सीपीए बीएमसी और एमपीपीसीबी जैसी इसकी एजेंसियां इस स्थिति के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं।

पर्यावरणविदों ने सर्वे किया है, लेकिन साधारण व्यक्ति को समझने के लिए गूगलमैप ही काफी है, जिसमें आवरण घटते हुए साफ दिखाई दे रहा है

हरिभूमि पड़ताल

13 प्वाइंट पर किया गया है रिसर्च

साथ ही भोपाल पर जनसंख्या दबाव, तापमान, वायु प्रदूषण और इस अवधि के दौरान अचानक होने वाली पर्यावरणीय घटनाओं को भी अध्ययन में शामिल किया गया। यह अध्ययन 13 प्वाइंट पर किया गया, जिसमें बीआरटीएस होशंगाबाद रोड, कलियासोत डैम की ओर जाने वाली सड़क, उत्तर टीटी नगर में स्मार्ट रोड, समेत कई क्षेत्र शामिल हैं।

हरियाली आवरण कम होने में सरकारी और गैर सरकारी दोनों ही कठघरे में

राजधानी में बीते 10 साल में सरकारी और गैर सरकारी निर्माण के नाम पर चार लाख से अधिक पेड़ काट दिए गए। इनमें सरकारी प्रोजेक्ट के नाम पर 95 हजार से अधिक पेड़ों की बलि दी गई। अहम बात यह है कि जिन पेड़ों को काटकर लाखों रुपए खर्च कर शिफ्ट किया गया, आज वहां सिर्फ सूखे ठूंठ खड़े हुए हैं। स्मार्ट सिटी और बीआरटीएस के नाम पर सबसे ज्यादा हरियाली को नुकसान हुआ और दोनों ही प्रोजेक्ट फेल हो गए। अब शिवाजी नगर के 29 हजार पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने के लिए अफसर आमादा थे, लेकिन एक बड़े जनआंदोलन के बाद इस प्रोजेक्ट को वापस ले लिया गया। उनके लिए यह जानना जरूरी है कि जिन पेड़ों को छोटे से बड़ा होने में 40 साल लग जाते हैं, उनको शिफ्ट करने से वह जिंदा नहीं रह पाते। इस संबंध में शहर के पर्यावरणविदों का कहना था कि शिवाजी नगर के पेड़ों को किसी हाल में नहीं काटने दिया जाएगा और न ही पेड़ों को शिफ्ट करने की बात होगी। इसके बाद ही सरकार को यह प्राजेक्ट वापस लेना पड़ा।

सर्वे के अनुसार

पर्यावरण विशेषज्ञ सुभाष सी पांडे ने अपनी टीम के साथ अध्ययन किया था। इस सर्वे का अनुमान है कि 2009 से 2019 के बीच एक दशक में भोपाल में चार लाख पेड़ काटे गए। शहर में हरित आवरण 35 प्रतिशत से घटकर सिर्फ़ 9 रह गया। उनसे इस रिपोर्ट के बारे में पूछा गया तो उनकी रिपोर्ट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरे रिसर्च की बात तो दूर, अध्ययन में शामिल 13 रेफरल पॉइंट्स के गूगल मैप्स, जिन्हें अपनी रिपोर्ट के साथ संलग्न किया है। एक आम आदमी के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि हमने कितनी बेरहमी से पेड़ों को काटा है।

29 हजार पेड़ काटने से हो सकता था 500 करोड़ रुपए के बराबर ऑक्सीजन का घाटा

राजधानी में 29 हजार पेड़ों को काटकर विधायक विश्राम भवन बनाए जाने थे, लेकिन योजना के पहले ही लोगों ने इन पेड़ों को काटने से बचा लिया। जानकारों का मानना है कि शहर के हृदय स्थल पर कटने वाले इन 29 हजार पेड़ों को बचाकर कहीं न कहीं एक साल में 500 करोड़ रुपए के बराबर ऑक्सीजन की बचत कर ली गई है। सामान्य अध्ययन में सामने आया है कि कोलकाता में 250 पेड़ काटने के एक मामले में इससे होने वाले नुकसान का आंकलन करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अलग से एक एक्सपर्ट कमेटी का पैनल बनाया था। इस पैनल ने फरवरी 2021 में सुप्रीम कोर्ट को जो रिपोर्ट सौंपी, उसके अनुसार एक हेरिटेज पेड़ या बड़ा पेड़ (उम्र करीब 50 साल) प्रतिवर्ष एक लाख 74 हजार रुपए के बराबर ऑक्सीजन देता है। यदि यह पेड़ 100 साल तक रहता है तो एक करोड़ रुपए से अधिक राशि के बराबर प्राणवायु मिलती है। ऐसे में वैज्ञानिक तर्कों और सुप्रीम कोर्ट के आधार पर 29 हजार पेड़ों से 100 साल में करीब 29,000 करोड़ रुपए से अधिक की ऑक्सीजन वायुमंडल में कमी होने से बचा ली गई है।

यह 2019 की बात है, 2024 की नहीं

उन्होंने कहा कि याद रखें कि हम 2019 की बात कर रहे हैं और अभी 2024 है। इन वर्षों में स्थिति बद से बदतर ही हुई है। हमारा अनुमान है कि भोपाल में 2009 से 2019 के दशक में 4 लाख से ज़्यादा पेड़ काटे गए। साल 2016 में प्रकाशित टीवी रामचंद्रन के रिसर्च पेपर, गूगल इमेज, विभिन्न सांख्यिकीय पद्धतियों, जमीनी सर्वेक्षणों और अवलोकनों को शोध का आधार बनाया गया है।

225 एकड़ भूमि पर हरियाली खत्म

रिसर्च में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। गूगल इमेज की तस्वीरों से पता चलता है कि नौ स्थानों पर 225 एकड़ वन भूमि में हरियाली लगभग नष्ट हो गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि काटे गए अधिकांश पेड़ 50 साल से अधिक पुराने थे।

अन्य हिस्सों में भी कटाई
2009-2019 के दशक के दौरान शहर में कई अन्य स्थानों पर पेड़ों की कटाई हुई है, जो लगभग तीन लाख पेड़ों का आंकड़ा हो सकता है, जिससे दशक के दौरान काटे गए पेड़ों की कुल संख्या 4 लाख तक पहुंच गई है।

नया रेस्ट हाउस: विधायक रेस्ट हाउस बनाने के समय भी जब इसका काम शुरू हुआ था, तब 1139 पेड़ काट दिए गए थे। तब से अब तक 2500 से ज़्यादा पेड़ों की बलि दी जा चुकी है। जो लोग हरे-भरे मध्यप्रदेश के वादे करते हैं, उन्हीं के लिए हरियाली को उजाड़ दिया गया।

पेड़ों की कटाई की फैक्ट फाइल

- बीआरटीएस कॉरिडोर 2400
- सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट टीटी नगर 3000
- शौर्य स्मारक अरेरा हिल्स 2000
- सिंगारचोली ब्रिज और सड़क चौड़ीकरण 1800
- हबीबगंज स्टेशन 1382
- विधायक विश्रामगृह निर्माण 1149
- लेक व्यू फ्रंट प्रोजेक्ट 140
- रातीबड़-भदभदा रोड निर्माण 1800
- स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट टीटी नगर 6000
- थर्ड रेल लाइन 8000

कोलार सिक्स लेन 4105

शहरी बायोडायवर्सिटी

- 411 वर्गकिमी का शहर
- 178 जलपादपों की श्रेणियां हैं
- 106 प्रजातियां हैं फ्लोरा की
- 298 प्रकार के पंक्षी प्रजातियां है
- 104 प्रकार की बटरफ्लाई प्रजातियां है
- 43 सर्प प्रजातियां है

प्राकृतिक संपदा क्षेत्रफल में

- 21.99 वर्गकिमी प्राकृतिक वनस्पति
- 14.44 वर्गकिमी कम सघन वनस्पतियां
- 10.13 वर्गकिमी दलदली क्षेत्र
- 6.37 वर्गकिमी खुला ग्रीन स्पेस है
- 6232.59 हेक्टेयर ट्री कवर है।
- 2097 हेक्टेयर पार्क

ऐसे हुआ खर्च

- 18 करोड़ रुपए पार्क मैनेजमेंट पर
- 135 करोड़ रुपए प्लांटेशन पर
- 4.32 करोड़ रुपए भोजवेट लैंड संरक्षण पर
- 157.30 करोड़ रुपए का कुल बजट खर्च

सबसे ज्यादा पौधरोपण निगम कर रहा है: नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के अनुसार अभी हाल ही में निगम द्वारा लाखें पौधे रोपे गए और उनकी देखभाल की जा रही है। बड़े पेड़ होने तक उसकी देखभाल नगर निगम करता है। आदमपुर छावनी और एयरपोर्ट रोड पर एक साल के अंदर एक लाख से ज्यादा पौधे रोपे गए हैं। यह प्रक्रिया पूरे शहर में चल रही है।

योजनाबद्ध विकास न करने से हालात बिगड़े

पूर्व एडीएम भोपाल के जीपी माली के अनुसार शहर में भूजल स्तर तेजी से नीचे गिर रहा है। नर्मदा का पानी कम पड़ रहा है। गर्मी अधिक पड़ने लगी है। इसका सबसे बड़ा कारण है नियमों का न तो पालन किया जा रहा है और न ही विकास कार्य को लेकर बनने वाले प्रोजेक्ट के लिए सही स्थान का चयन किया जाता है। भोपाल में एक तरफ एकांत पार्क और स्वर्ण जयंती पार्क भी बने हैं और दूसरी तरफ हर रोड पर ग्रीन क्षेत्र छोड़ा गया है। प्रोजेक्ट को अगर नियमानुसार बनाया जाए तो पेड़ वहां नहीं कटेंगे।

पक्षियों की संख्या में 46 फीसदी की गिरावट

राजधानी में लगातार पेड़ों की कटाई व तालाबों में अतिक्रमण के चलते परिंदों की संख्या लगातार कम हो रही है। स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की संख्या में पिछले डेढ साल में 46 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है। अक्टूबर 2023 में हुए सर्वे में भोपाल में पक्षियों की 155 प्रजातियां पाई गईं। पक्षियों की संख्या करीब 30 हजार है, जबकि 2021-22 में 208 प्रजातियों की 53325 बर्ड्स पाई गई थीं। इस प्रकार पक्षियों की संख्या में करीब 25 हजार की कमी आ गई है। खास बात है स्थानीय और प्रवासी दोनों तरह की पक्षियों की संख्या में गिरावट आई है।

अधोसंरचना विकास के नाम पर लाख से अधिक पेड़ काटे

पर्यावरण एवं वन विभाग की एक्सपर्ट के अनुसार, राजधानी में अधोसंरचना विकास के नाम पर कुछ सालों में लाख से अधिक पेड़ काट दिए। मोबाइल कम्यूनिकेशन टावरों से फैलने वाले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन से ईको सिस्टम पर 30 से 40 फीसदी तक असर पड़ा है। पक्षियों की संख्या कम होने से मच्छर, कीड़े कम होने की जगह बढ़ने लगे हैं। इसका इंसानों पर असर होगा।

राजधानी में एक बार फिर दिखा बाघ

केरवा मदरबुल फार्म के पास टाइगर का मूवमेंट

◆ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए बाघ के घूमने के फुटेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोलार क्षेत्र में एक बार फिर बाघ दिखने से लोगों में दहशत का माहौल है। केरवा रोड स्थित मदरबुल फार्म के पास टाइगर का मूवमेंट देखने को मिल रहा है। वह मॉडर्न डेयरी के शेड तक आ गया, लेकिन कर्मचारियों को देखते ही भाग निकला। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में बाघ के घूमने की घटना कैद हो गई है। टाइगर के मूवमेंट से फार्म में रहने वाले कर्मचारी और आसपास के रहवासी दहशत में है। फिलहाल वन विभाग की टीम पहाड़ी पर सर्चिंग कर रही है।

सुबह 4.19 बजे मदरबुल फार्म में घूमते हुए देखा गया। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से भी टाइगर के आने की पुष्टि हो गई। वन विभाग ने सर्चिंग के साथ ही वहां के कर्मचारियों व स्थानीय लोगों को अलर्ट रहने के लिए कहा है। मप्र राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के एमडी डॉ. एचबीएस भदौरिया ने बताया कि टाइगर का अभी भी मूवमेंट है। कर्मचारी नजर रखे हुए हैं।

मदरबुल में पहले भी आ चुके हैं बाघ-बाघिन

मदरबुल फार्म फारेस्ट एरिया के पास है। आसपास के इलाकों में टाइगर का मूवमेंट रहता है। ऐसे में वे फार्म में भी आ जाते हैं। 6 महीने पहले सूअर का शिकार करते हुए एक बाघिन पहुंच गई थी। इसके अलावा स्ट्रीट डॉग का शिकार करने के लिए एक बाघ 8 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल कूद कर आया था।

नहीं बनी बात, आज भी नहीं चलेंगी 150 सिटी बसें

बस ऑपरेटर मां एसोसिएट के एमडी जबलपुर से भोपाल आए, समस्या हल नहीं हो पाई

पिछले पांच दिन से डिपो में खड़ी हैं सिटी बसें और डेढ़ लाख लोग सड़क पर कर रहे हैं इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल में पिछले 5 दिन से करीब 150 सिटी बसें नहीं चल रही है। करीब डेढ़ लाख लोग सड़कों पर खड़े होकर इन सिटी बसों का इंतजार कर रहे हैं। इस संबंध में मंगलवार को इन बसों का संचालन कर रहे ऑपरेटर मां एसोसिएट्स कंपनी के मालिक को बीसीएलएल ने तलब किया, लेकिन चर्चा के बाद कोई बात नहीं बन पाई। इस कारण बुधवार सुबह भी बसें नहीं चलेंगी। जबकि दोपहर को होने वाली मीटिंग के बाद ही कोई निर्णय हो सकेगा। नगर निगम कमिश्नर ने ऑपरेटर के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी और भोपाल तलब किया। इसके बाद ऑपरेटर कंपनी का मालिक जबलपुर से बातचीत के लिए भोपाल आया। ड्राइवर-कंडक्टर का आरोप है कि उनका पीएफ जमा नहीं होगा, तब तक हड़ताल समाप्त नहीं करेंगे। वहीं लोगों का कहना है कि नगर निगम को इस संबंध में सख्त कार्रवाई कर ऑपरेटर को बाहर कर देना चाहिए।

नगर निगम अफसरों से फाइल गायब मामले में होगी पूछताछ

भोपाल। जिंदा मजदूरों को मृत बताकर नगर निगम के जोनल अधिकारी और वार्ड प्रभारियां द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामले में 13 जून को लोकायुक्त ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसमें फिलहाल आठ जोनल अधिकारी सहित 17 अधिकारी-कर्मचारियों पर मामला दर्ज हुआ है, जबकि अब तक पड़ताल में मिले तथ्यों के आधार पर जांच का दायरा बढ़ता नजर आ रहा है। 14 अफसरों को पूछताछ के लिए लोकायुक्त ने नोटिस जारी किया है। लोकायुक्त पुलिस ने मंगलवार को नगर निगम के 14 अफसरों को गायब हुई 95 फाइलों के संबंध में नोटिस जारी कर दिया है।

बीडीए के प्रोजेक्ट को लेकर भोपाल कमिश्नर ने ली जानकारी

बीडीए की बिक्री योग्य प्रॉपर्टी की दरें तय, अधूरे प्रोजेक्ट पर 'मंथन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल विकास प्राधिकरण के शहर में चल रहे प्रोजेक्ट पर भोपाल कमिश्नर ने मंगलवार को करीब डेढ़ घंटा मंथन किया। इसमें बिक्री योग्य प्रॉपर्टी की दरें तय की गई और भविष्य में आने वाले और अधूरे प्रोजेक्ट के बारे में भी चर्चा की गई। इसमें विशेष रूप से नए प्रोजेक्ट और उसकी प्लानिंग के बारे में भी समझा।

भोपाल कमिश्नर डॉ. शर्मा ने कहा कि बीडीए अपनी विभिन्न संपत्तियों के विक्रय आदि के लिए सभी संबंधित विभागों से जरूरी मंजूरी लें। साथ ही इन्हें प्रचारित करें। ताकि आमजनों को लाभ मिल सके। बैठक में प्राधिकरण की विभिन्न संपत्तियां, जिनमें भूखंड भवन प्रकोष्ठ भी शामिल हैं, उनके आवंटन, मूल्यांकन, व्ययन आदि के संबंध में निर्णय लिया गया।

राजा भोज योजना, इंद्रपुरी योजना पर हुई चर्चा

प्राधिकरण की मिसरोद चरण 2 योजना 3 भूखंड, राजा भोज योजना, इंद्रपुरी योजना, स्वामी विवेकानंद परिसर 10 भवन, कटारा हिल्स आवासीय योजना, गौरीशंकर कौशल आवासीय योजना, बर्रई चरण दो, झरनेश्वर कॉम्पलेक्स योजना 6 प्रकोष्ठ, 45 मीटर मिसरोद, बर्रई, जाटखेड़ी योजना, एमजी रुसिया नगर योजना 3 भवन, आदि योजनाओं के संबंध में प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया। विभिन्न भूमियों के पट्टे नवीनीकरण का प्रस्ताव रखा गया। बैठक का संचालन प्राधिकरण के सीईओ जैन ने किया। इस मौके पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, बीडीए सीईओ प्रदीप जैन, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, डीएफओ आलोक पाठक समेत अधिकारी भी मौजूद थे।

शहर में प्री-मानसून बौछारों के बाद शाम को गर्मी से मिली राहत, आज भी ऐसा ही रहेगा मौसम का मिजाज

40 किमी की रफ्तार के अंधड़ के बाद पारा 10 डिग्री गिरा कहीं झमाझम, कहीं रिमझिम के बीच बिजली रही गुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में मंगलवार को भी बौछारों और तेज हवाओं का दौर दोपहर बाद चला। तीन बजे के बाद मौसम बदला और करीब 40 से 50 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं। घने बादलों का डेरा रहा, इससे धूप गायब हो गई।

शहर के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हो गई, जबकि कुछ हिस्सों में बौछारें और रिमझिम का दौर चला। दिन का पारा दोपहर में दो से तीन बजे के बीच 39 डिग्री के करीब था, जो शाम 7 बजे 29 डिग्री से नीचे पहुंच गया।

पेड़ों की डालियां टूट कर बिजली लाइनों पर गिरी

शहर के कुछ हिस्सों में तेज बौछारों से नालियों से पानी बह निकला। आंधी में कई जगह पेड़ों की डालियां टूट कर बिजली लाइनों पर गिर गईं, जिससे बिजली सप्लाई बंद हो गई। जो करीब दो से तीन घंटे में बहाल हो सकी। होशंगाबाद रोड़, कोलार, एमपी नगर के कुछ हिस्से के अलावा भेल, पिपलानी सहित कई इलाकों में तेज गरज चमक के साथ बारिश हुई। इन इलाकों में शाम तक बिजली सप्लाई शुरू हो गई। भेल इलाके में कुछ जगह पेड़ों की डालियां टूटकर बिजली लाइनों पर गिरने से भी बिजली बंद होने की सूचना है।

रात 8.30 बजे तक साढ़े 4 मिमी बारिश

शहर में बारिश का यह सिलसिला देर शाम से रात तक चलता रहा। शाम 5:30 बजे से रात 8.30 बजे तक बैरागढ़ में 4.4 मिमी बारिश दर्ज हो गई।

इंस्टाग्राम पर कम कीमत के मोबाइल का एड दिखाकर करते थे ठगी की वारदात, 5 साइबर जालसाज गिरफ्तार

साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल ने दिल्ली एवं निवाड़ी से आरोपियों को पकड़ा, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यदि आप भी इंस्टाग्राम पर कोई मोबाइल कंपनी या अन्य किसी प्रोडक्ट का विज्ञापन देख रहे हैं तो सतर्क हो जाएं। आपके साथ भी धोखाधड़ी की वारदात हो सकती है। राजधानी में इंस्टाग्राम पर आईफोन बेचने का विज्ञापन लगाकर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल ने दिल्ली एवं निवाड़ी से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह इंस्टाग्राम पर विज्ञापन के माध्यम से आई-फोन की कीमत कम दिखाकर अलग-अलग लोगों के साथ ठगी करता था।

बैंक खाते और सीसीटीवी से आरोपियों की पहचान

साइबर क्राइम जिला भोपाल की टीम ने उपयोग किए गए वॉट्स एप नंबर एवं इंस्टाग्राम आईडी के वास्तविक उपयोगकर्ता की तकनीकी जानकारी प्राप्त की। मैदानी स्तर पर टीम के सदस्यों द्वारा वास्तविक आरोपी की पहचान की गई एवं लोगों के साथ धोखाधड़ी में उपयोग किए गए, बैंक खाते एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की गई, जिसके बाद गिरोह के मुख्य आरोपी आशीष यादव को दिल्ली एवं अन्य आरोपियों को निवाड़ी से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से 7 मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड, बैंक पासबुक एवं 10 विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड जब्त किए हैं।

यह है पूरा मामला

आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर कम कीमत पर आई-फोन बेचने का विज्ञापन देने के लिए एक पेज बनाया था, जिसके बाद यह गिरोह संपर्क के लिए वॉट्सएप नंबर दिया जाता है। इसके बाद यह आरोपी लोगों के साथ ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों ने सैकड़ों लोगों के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। विगत 13 मई को हिना खान (परिवर्तित नाम) निवासी भोपाल के द्वारा साइबर क्राइम भोपाल में लिखित शिकायत की। उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम पर एड देखकर उन्होंने मोबाइल बुकिंग के पैसे ट्रांसफर किए। इसके बाद वाट्स एप पर कॉल कर अलग-अलग माध्यम से 1 लाख 88 हजार 999 रुपए की धोखाधड़ी की गई। शिकायत के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया।

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

आरोपी आशीष यादव कम कीमत पर महंगे मोबाइल देने की डील फाइनल करता है, और उन्हें 5,999 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस के जमा करने को बोलता है। रजिस्ट्रेशन फीस जमा करने के बाद आरोपी आशीष यादव उन्हें स्वयं द्वारा तैयार किया गया फर्जी बिल वॉट्सएप के माध्यम से भेज देता है।

आरोपियों की अलग अलग भूमिका

मुख्य आरोपी आशीष यादव इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देने के अलावा, ग्राहकों से वाट्सएप के माध्यम से संपर्क करना एवं धोखाधड़ी के लिए फर्जी बिल तैयार करवाता था। वहीं अंकित नामदेव निवासी झांसी वह स्वयं के नाम पर फर्जी खाते खुलवाता था। अंकित कुमार निवासी झांसी फर्जी खाते खरीदकर आरोपी आशीष यादव को बेचना एवं खातों से पैसे नगद निकालकर कमीशन काटकर अन्य खातों में जमा करने का काम करता था। साथ ही अन्य आरोपी अभिषेक यादव निवासी निवाड़ी खुद के नाम पर फर्जी खाते खुलवाता था। फर्जी खाते खरीदकर आरोपी आशीष यादव को बेचना एवं खातों में ठगी का पैसा आने पर खातों से पैसे नगद निकालकर कमीशन काटकर अन्य खातों में जमा करता था।

बाइक का संतुलन बिगड़ने से महिला गिरी, मौत

भोपाल। सूखीसेवनिया इलाके में बाइक सवार महिला अपने पति के साथ बंगरसिया जा रही थी, रास्ते में बाइक का संतुलन बिगड़ा तो वह सड़क पर गिर गई। उनको सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सोमवार देर रात उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूखीसेवनिया पुलिस के मुताबिक शाहपुर गुनगा निवासी 27 वर्षीय आशा मीणा गृहणी थी और उनके पति निजी काम करते हैं। 16 जून को सुबह आशा मीणा अपने पति के साथ बाइक से बंगरसिया मिसरोद पिता के घर जा रही थी। कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब था। रास्ते में चौकसे ढाबे के पास बाइक संतुलन बिगड़ा तो बाइक पर पीछे बैठीं आशा मीणा गिर गईं, उनके सिर में गंभीर चोट लगी। उनको निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी

पति के साथ बंगरसिया जा रही थी, रास्ते में हुआ हादसा

खबर संक्षेप

धान के पौधे तैयार, बारिश होते ही शुरू होगी रोपाई

मंडीदीप। औद्योगिक नगर में बारिश के सीजन में रोपी जाने वाली धान की फसल के लिए खेतों में धान के पौधे तैयार हैं। अब किसानों को बारिश का इंतजार है, जैसे ही बारिश शुरू होगी धान की रोपाई शुरू हो जाएगी। अभी किसानों ने धान की फसल के लिए खेतों के क्यारियां तैयार कर लिया है। इस बार तहसील में बड़े रकबे में धान रोपाई की जाएगी, क्योंकि लगातार तहसील में धान की पैदावार बढ़ती जा रही है। विगत 3 साल से तहसील में धान का रकबा लगातार बढ़ता जा रहा है।

वरिष्ठ समाजसेवी गोशिंदे का मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज। वरिष्ठ समाजसेवी मनीष गोशिंदे का जन्मदिन हर्षोल्लाह से मनाया। उनके जन्मदिन पर राजेश दीक्षित, डॉ. कैलाश विनय, अशोक सेठी, विनय जैन, महेंद्र दुबे, जीतू नंदवंशी, विकास श्रीवास्तव, सुदामा तिवारी, राकेश तिवारी आदि ने बधाई दी।

आज आधे उपनगर की बंद रहेगी बिजली

संतनगर। उपनगर बैरागढ़ में बिजली मेंटनेंस को लेकर 19 जून बुधवार को लगभग आधे शहर की बिजली बंद रहेगी। 11केवी निर्मल नर्सरी और वन ट्री हिल्स फीडर मेंटनेंस कार्य के लिए सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेंगे, जिसके कारण गिदवानी पार्क, निरंकारी मंडल रोड, चंचल चौराहा, आदर्श मार्ग, मिनी मार्केट, इलाहाबाद बैंक रोड, संत हिरदाराम कॉम्प्लेक्स, मल्टी लेवल पार्किंग के अलावा वन ट्री हिल्स, ए वार्ड, एच वार्ड, जी वार्ड, माझी नगर, साधु वासवानी स्कूल आदि में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

दो दर्जन कॉलोनियों में आज नहीं रहेगी बिजली

भोपाल। बुधवार को शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली लाइनों के मेंटनेंस के कारण 2 से 4 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इस दौरान सुबह 8 से 13 बजे तक अमृतपुरी, गोपाल नगर, निर्मल नगर, कोकता विलेज, ट्रांसपोर्ट नगर, लालवानी डेरी, प्रधान मंत्री अवास योजना मल्टी, लक्ष्मण नगर, निर्मल नर्सरी, शारदा नगर, एफ वार्ड, वन ट्री हिल्स एवं आसपास क्षेत्र में 4 घंटे बिजली नहीं रहेगी। वहीं, सुबह 9 से एक बजे तक विद्या नगर सुरेंद्र पैलेस, नायारण नगर एवं आस पास क्षेत्र में तीन घंटे की कटौती होगी। होशांगाबाद रोड, सागर रॉयल, नंदन पैलेस, चिनार फाच्यून एवं आसपास इलाके में सुबह 10 से 12 बजे तक बिजली नहीं रहेगी। बताया जा रहा है कि मेंटेनेंस कार्य के कारण बिजली बंद रहेगी।

शुभांक

शुभांकः	2749		
दिनः	480	25	140
रातः	278	76	268

मामा की बेटी के अंतिम संस्कार में जा रहे थे दोनों

बाइक सवार दंपती को टैंकर ने कुचला, दोनों की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोलार में मंगलवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे मंदाकिनी कॉलोनी के सामने बाइक सवार एक दंपती को पानी के ट्रैक्टर-टैंकर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय बाइक सवार दंपती अपने मामा की बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस ने शव को हमीदिया अस्पताल की मरचुरी में रखवा दिया गया है। उसका बुधवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है।

कोलार थाने के एएसआइ राजेंद्र केन ने बताया कि ललिता नगर कोलार निवासी राजेश मांझी (55) पत्नी मनीषा मांझी (50) घर से अपने मामा की बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए चांदबड़ बजरिया जा रहे थे। वे अभी मंदाकिनी कॉलोनी के पास ही पहुंचे थे कि बगल से निकले एक पानी के ट्रैक्टर-टैंकर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दंपती सड़क पर गिर गए। इसमें बाइक चला रहे राजेश मांझी हेलमेट पहने थे, लेकिन ट्रैक्टर का पहिया उनके सिर के ऊपर से निकल गया, इससे उनका हेलमेट चकनाचूर हो गया और उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं पत्नी नीषा मांझी भी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद उनकी भी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपित ट्रैक्टर चालक ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों की भीड़ ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

खास बातें

- सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा, जांच शुरू
- कोलार के मंदाकिनी कॉलोनी के सामने हुआ हादसा, दुर्घटना स्थल हुई दोनों की मौत

मंत्रालय में नौकरी करते थे राजेश

एएसआई राजेंद्र सिंह केन ने बताया कि दंपति के कुछ स्वजनों का बाहर से आने का इंतजार किया जा रहा है। उनके भोपाल पहुंचने पर बुधवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव सौंपे जाएंगे। राजेश मांझी मंत्रालय में नौकरी करते थे। वह पहले टीटीनगर के बाणगंगा में रहते थे, ललितनगर में उनके भाई का परिवार भी रहता है।

बाइक सवार मां-बेटे को ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर, हादसे में महिला की मौत

भोपाल। बिलखिरिया के अजनाल नदी के पुल पर बाइक सवार मां- बेटे को पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार महिला की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर महिला के शव का हमीदिया अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। बिलखिरिया थाना पुलिस के एसआइ बेनीप्रसाद ने बताया कि ग्राम बावलिया गैरातगंज जिला रायसेन निवासी 55 वर्षीय शमीमा बी गृहणी हैं। वह कुछ दिनों से बीमार थी और बार बच्चों को अस्पताल में डाक्टर के पास ले जाने के लिए कहती थी। मंगलवार सुबह शमीम बी को बाइक से उनका बेटा लेकर हमीदिया अस्पताल ला रहा था, एलएनसीटी कालेज के पास अजनल नदी के पुल के एक आगे एक ब्रेकर है। उस पर शमीमा बी के बेटे ने बाइक की रफ्तार कम की, उसी समय पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक आया और उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मारी। इसे मां और बेटे दोनों सड़क पर गिर गए। शमीमा बी के सिर से ट्रक का पहिया निकल गया। इससे उनकी मौके पर मौत हो गई। जबकि बेटे को मामूली चोट लगी है। बाद में लोगों ने इस हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को हमीदिया अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को किया गिरफ्तार

बाइक सिखाने के बहाने ले गया फिर नाबालिग से किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित कस्बे में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाला आरोपी उसे बाइक सिखाने का कहकर अपने साथ ले गया था और सुनसान क्षेत्र में ले जाकर उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक 12 वर्षीय नाबालिग बैरसिया इलाके के कस्बे में रहती हैं। उसके पड़ोस में रहने वाले आरोपी से उसकी पहचान थी। आरोपी का पीड़िता के घर आना-जाना भी था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर आरोपी उसे अपने साथ बाइक पर ले गया था। पीड़िता उसकी बातों में आकर बाइक से चली गई। इसके बाद आरोपी उसे सुनसान में गया और डरा धमका कर दुष्कर्म किया। बच्ची ने उसका विरोध किया तो वह जातिसूचक शब्द कहते हुए धमकाने लगा। आरोपी ने कहा था कि किसी को बताया तो जान से खत्म कर देगा। आरोपी ने घिनौना कृत्य करने के बाद नाबालिग को घर के पास छोड़ दिया था। पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिजन को दी। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रोहित नगर फेस टू में निर्माणाधीन मल्टी में हुआ हादसा

खेलते-खेलते चौथी मंजिल से गिरा 4 साल का मासूम, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर फेस टू में सोमवार दोपहर एक निर्माणाधीन मकान की चौथी मंजिल से गिरकर चार साल के मासूम की मौत हो गई। मजदूर एक दिन पहले ही दमोह से भोपाल काम की तलाश में पहुंचा था। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया। वहीं शव का पीएम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक मुकेश रैकवार मूलतः दमोह के रहने वाला है और मजदूरी का काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि शाहपुरा में एक परिचित परिवार के साथ रहकर काम करते हैं। उन्होंने बताया था कि भोपाल में काम के साथ रहने की भी व्यवस्था हो जाएगी। इसी आधार पर वो अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ सोमवार को ही दमोह से भोपाल पहुंचा था। वह रोहित नगर फेस टू में निमार्णाधीन मकान में काम करने वाले मजदूर से बातचीत करने लगा। दोपहर करीब डेढ़ बजे के आसपास पत्नी ममता और 4 साल का बालक अमन रैकवार निमार्णाधीन मल्टी देखने के लिए पहुंच गए। चौथी मंजिल पर पहुंचने के बाद अमन छत किनारे पहुंचा और नीचे झांकते समय गिर गया। जब तक मां की नजर पड़ती वह नीचे गिर चुका था। उसे सिर में गंभीर चोट आई थी। परिजन उसे पास ही स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिजन सदमे में है।

खास बातें

- मजदूर एक दिन पहले ही दमोह से भोपाल काम की तलाश में पहुंचा था
- चौथी मंजिल की छत पर मां के साथ पहुंचा अमन, छत के किनारे से नीचे झांकते समय गिर गया

विधायक पटवा ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ विधायक सुरेंद्र पटवा ने रातापानी जलाशय आमचा डैम, नगरी डैम, बरबटपुर डैम, दाहोदपुर डैम, सनोटी इकलमा के स्टाफ डैम एवं अमोद तालाब, नयापुरा जलाशय, नए स्टाफ डैम की जानकारी ली। वहीं बरसात में आने वाली परेशानियों पर बारिश पूर्व तैयारी की भी समीक्षा की। इस अवसर पर विधायक पटवा ने कहा कि बारिश बाद सभी जलाशयों और नहरों की साफ-सफाई करना चाहिए, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए हर खेत को पानी मिल सके।

दौंड-मनमाड़ खंड में चल रहा दोहरीकरण कार्य

भोपाल मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनें निरस्त, कई के बदले मार्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य रेलवे के पुणे मंडल के दौंड-मनमाड खंड में पूणतांबा-कन्हेगांव स्टेशन पर रेल लाइन दोहरीकरण कार्य के लिए प्री-नॉन इंटरलॉकिंग एवं नॉन इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य के कारण भोपाल मंडल से गुजरने वाली कई यात्री गाड़ियों को निरस्त एवं मार्ग परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।

निरस्त गाड़ियां

गाड़ी संख्या 01922 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे स्पेशल 19 एवं 26 जून को निरस्त रहेगी। 01921 पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल 20 एवं 27 जून को निरस्त रहेगी। 02132 जबलपुर-पुणे स्पेशल 23 जून को निरस्त रहेगी। 02131 पुणे-जबलपुर स्पेशल 24 जून को निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तित गाड़ियां

11078, जम्मूतवी-पुणे एक्सप्रेस झेलम एक्सप्रेस 27 एवं 28 जून को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग वाया मनमाड-इगतपुरी-कल्याण-पनवेल-पुणे के रास्ते गंतव्य को जाएगी। 12780, निजामुद्दीन-वास्को-डी-गामा गोवा एक्सप्रेस 28 एवं 29 जून को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर परिवर्तित मार्ग वाया मनमाड-इगतपुरी-कल्याण-पनवेल-पुणे के रास्ते गंतव्य को जाएगी।

संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को किया जाता है पाठ

प्रथम दिन हनुमान चालीसा पाठ के साथ सिंधी मातृभाषा के उत्थान का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का किया जाता है। इसी कड़ी में नए सत्र के पहले दिन मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.आशा चांद, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए उपस्थित हुए और एक हजार बच्चों के साथ अनुशासन में स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके साथ ही सिंधी मातृभाष के उत्थान का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर संस्था के सचिव चेलानी ने कहा कि हमारे विद्यालय में प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित आशा चांद ने सभी बच्चों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया एवं कहा कि मैं दुबई में रहती हूं, लेकिन हमारा कार्य क्षेत्र भारत में भी है। हम सिंधी भाषा को आगे बढ़ाने के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन करते है एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीया स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आरके मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, प्राधानाचार्या मृदुला गौतम एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

विधायक पटवा ने छात्र-छात्राओं को पुस्तक वितरण कर किया संवाद

सरकारी स्कूलों में मनाया प्रवेश उत्सव, पहले दिन स्कूल पहुंचे छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

औद्योगिक नगर में स्कूल चले हम अभियान सत्र 2024-25 के अंतर्गत सभी सरकारी स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाया गया। पहले दिन जो छात्र-छात्राएं स्कूल पहुंचे शिक्षकों द्वारा तिलक लगाकर और माला पहनकर उनका स्वागत किया। मुख्य आयोजन शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा व नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल रहीं।

इस मौके पर भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, एसडीएम चन्द्रशेखर श्रीवास्तव, नपा उपाध्यक्ष पुष्पा साहू, पूर्व नपा अध्यक्ष पूर्णीमा जैन व अरविन्द जैन मौजूद रहे। विधायक पटवार ने छात्र-छात्राओं का पुस्तक वितरण किया और तिलक लगाकर

स्वागत किया। इस दौरान विधायक सुरेन्द्र पटवा ने छात्राओं से जनसवांद करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को अनुशासित रहते हुए विद्या अर्जित करना चाहिए। नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की बधाई दी। शैक्षणिक स्तर में सुधार को लेकर किए जाने वाले प्रयासों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

प्रथम दिन विद्यालय प्रवेश पर प्राचार्य ने तिलक लगाकर किया स्वागत

संतनगर। नवयुवक सभा द्वारा संचालित अन्नदराम टी. शाहनी कन्या उमा विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में मंगलवार को नया सत्र प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों का स्वागत विद्यालय के प्रवेश द्वार पर प्राचार्य ज्योति चौहान व शिक्षकों ने तिलक लगाकर व आरती उतार कर किया। इसके बाद सभी विध्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा व आरती की। प्रार्थना के बाद प्राचार्या ज्योति चौहान ने बच्चों से ग्रीष्मकालीन अवकाश में किए गए कार्यों के बारे में पूछा। इसके बाद विद्यार्थियों को टॉफियां बांटी। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित कला लक्ष्मणदास वेंसिमल गनवानी फाउंडेशन स्कूल एवं केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल करोंद में विद्यार्थियों के पुनः आगमन होने पर सभी विद्यार्थियों का हृदय से स्वागत किया गया।

भोजपुर में आचार्य आर्जव सागर महाराज के प्रवचन

जो कार्य मर्यादा में रहकर किए जाते हैं, वह धर्म हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

औद्योगिक नगर के समीपस्थ अतिशय क्षेत्र भोजपुर में आचार्य आर्जव सागर महाराज ने प्रवचन के दौरान जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति कभी भी मर्यादा का उल्लंघन नहीं करती। सागर अपनी मर्यादा में रहता है, सूर्य और चंद्रमा भी अपनी मर्यादा में रहते हुए सदैव गतिमान रहते हुए जगत को प्रकाशित करते हैं, लेकिन जब-जब मनुष्य प्रकृति से खिलवाड़ करता है, प्रकृति का दोहन करता है, पर्यावरण को दूषित करता है, तब प्रकृति सब कुछ तहस-नहस कर देती है। मुनिश्री

ने कहा कि आज सामाजिक परिवेश में भी मनुष्यों ने अपनी मर्यादाएं खो दी हैं। जैसे प्रकृति हमें मर्यादा सिखाती है वैसे ही धर्म हमें मर्यादा सिखाता है। धर्म का दूसरा नाम ही मर्यादा है, जो कार्य मर्यादा में रहकर किए जाते हैं, वह धर्म ही हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सिकलसेल रोग के प्रसार को आगामी पीढ़ी में जाने से रोकने के लिए प्रयास

उप राष्ट्रपति धनखड़ विश्व सिकलसेल दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ विश्व सिकलसेल दिवस-2024 के मौके पर बुधवार को सुबह 11 बजे शासकीय चन्द्र विजय महाविद्यालय डिण्डौरी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मौजूद रहेंगे। सिकलसेल रोग के प्रसार को आगामी पीढ़ी में जाने से रोकने के लिए गर्भवती महिलाओं की प्रि-नेटल डायग्नोसिस 'संकल्प इंडिया' के सहयोग से की जा रही है।

सिकलसेल एनीमिया की रोकथाम एवं उपचार के लिए 15 नवम्बर 2021 जनजातीय गौरव दिवस को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। मिशन में अलीराजपुर एवं झाबुआ जिलें में पायलट प्रोजेक्ट के तहत कुल 9 लाख 17 हजार जनसंख्या की स्क्रीनिंग की गई। द्वितीय चरण में प्रधानमंत्री मोदी ने एक जुलाई 2023 को राष्ट्रीय स्तर पर 'सिकल सेल उन्मूलन मिशन'- 2047 का शुभांरभ शहडोल ज़िले से किया था। इस 'राष्ट्रीय सिकलसेल उन्मूलन मिशन' में देश के 17 राज्य शामिल हैं।

आदिवासी बाहुल्य 89 ब्लाकों में की जाएगी स्क्रीनिंग

मिशन में मप्र के आदिवासी बाहुल्य जिलों के 89 ब्लाक में लगभग एक करोड़ 11 लाख नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जानी है। द्वितीय चरण में अब तक 49 लाख 17 हज़ार जनसंख्या की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इसमें से एक लाख 20 हज़ार 493 सिकलवाहक एवं 18 हज़ार 182 सिकल रोगी चिन्हित किए गए हैं।

प्रत्येक जिला चिकित्सालय में जांच की व्यवस्था

सिकलसेल रोगियों की जांच एवं उपचार सुविधाओं के सुदृढीकरण के लिए प्रत्येक जिला चिकित्सालय में एचपीएलसी मशीन से पुष्टीकरण जांच की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य जांच जैसे-सीबीसी, टोटल आयरन, सिरम फेरीटिन आदि जांचों की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। सिकलसेल एनीमिया की पुष्टिकरण जांच पीओसी किट से स्क्रीनिंग स्थल पर त्वरित जांच परिणाम प्राप्त कर सिकल रोगी का प्रबंधन किया जा रहा है।

22 लाख 96 हज़ार जेनेटिक कार्ड किए जा चुके हैं वितरित

आदिवासी बाहुल्य इलाकों में सिकलसेल एनीमिया की व्यापकता अधिक है। सिकलसेल एनीमिया आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में एक अहम स्वास्थ्य समस्या है। बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग के जरिए रोगी की पहचान कर जेनेटिक काउंसलिंग एवं प्रबंधन करना अत्यंत आवश्यक है। मप्र में अब तक 22 लाख 96 हज़ार जेनेटिक कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। स्क्रीनिंग में चिन्हित सिकलसेल रोगियों को उपचार, औषधि एवं सम्पूर्ण प्रबंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं निरंतर निगरानी के लिए ट्रीटमेंट एवं फॉलोअप बुकलेट तैयार की गई है।

ब्लड-ट्रांसफ्यूजन के लिए प्रदेश के ब्लड सेंटरों का किया गया है सुदृढ़ीकरण

पुष्टिकरण जांच में पॉजिटिव पाए गए सिकल रोगियों का जिला स्तर पर संचालित एकीकृत उपचार केन्द्र में प्रबंधन एवं उपचार किया जा रहा है। समस्त रोगियों को हाइडॉक्सीयूरिया, फोलिकि एसिड दवाइयों का वितरण तथा जरूरत के अनुसार निःशुल्क रक्ताधान दिया जा रहा है। सिकल सेल रोगियों को सुरक्षित ब्लड-ट्रांसफ्यूजन के लिए प्रदेश के ब्लड सेंटरों का भी सुदृढीकरण किया गया है। सिकलसेल स्क्रीनिंग की रिपोर्टिंग एवं डाटा ट्रैकिंग के लिए मोबाइल एप एवं नेशनल सिकलसेल पोर्टल विकसित किया गया है।

नवजात शिशुओं की जांच के लिए एम्स भोपाल में लैब

नवजात शिशुओं में जन्म के 72 घंटे के अंदर विशेष जांच के लिए एम्स भोपाल में लैब स्थापित कर आदिवासी बाहुल्य जिलों से भेजे गए सैम्पलों की जांच प्रारंभ की गई है। सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग तथा प्रबंधन के प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग आईसीएमआर एनआईआरटीएच, जबलपुर से दिया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के समस्त 89 आदिवासी बाहुल्य विकासखण्डों में पदस्थ प्रबंधकीय एंव चिकित्सकीय स्टाफ के साथ-साथ मैदानी कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया गया है।

खबर संक्षेप

बर्ड फ्लू पर राष्ट्रीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज से

भोपाल। बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 19 एवं 20 जून को सुबह 9.30 बजे से होटल कोर्टयार्ड मैरियट भोपाल में किया गया है। कार्यशाला में बर्ड फ्लू से संबंधित वैज्ञानिक परिचर्चा की जाएगी। साथ ही अन्य नई बीमारियों और जुनेटिक डिजीज के परिपेक्ष में भी वन हेल्थ के विषय पर गहन चर्चा की जाएगी। कार्यशाला का आयोजन वर्ल्ड बैंक और पशुपालन एवं डेयरी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

कर्मचारी मंच सीएम से संवाद के माध्यम से विस सत्र में रखेंगे मांगें

भोपाल। प्रदेश के नियमित और अनियमित कर्मचारियों की प्रमुख मांगों को प्रदेश के मुख्यमंत्री के समक्ष संवाद के माध्यम से 1 जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में रखा जाएगा। यह निर्णय मप्र कर्मचारी मंच की बैठक में लिया गया। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि चार प्रतिशत महंगाई भत्ता, पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने, स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने समेत 11 सूत्रीय मांगों को संवाद और पत्राचार के माध्यम से राज्य सरकार के समक्ष कर्मचारी मंच रखेगा।

अमरवाड़ा विधानसभा के लिए तीसरे दिन तीन नाम निर्देशन पत्र जमा

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 123 अमरवाड़ा (अजजा) में उपचुनाव के लिए 14 जून से नामांकन-पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है। नामांकन पत्र जमा करने के तीसरे दिन 18 जून को 2 अभ्यर्थियों की ओर से 3 नामांकन पत्र जमा किए गए। 14 जून से अब तक तीन अभ्यर्थियों ने चार नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने बताया कि नामांकन पत्र भरने की अंतिम तारीख 21 जून है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 24 जून को की जाएगी। नाम वापसी की अंतिम तारीख 26 जून है। मतदान 10 जुलाई को होगा। राजन ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए अभ्यर्थियों के शपथ पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक से ली जा सकती हैं।

इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय और ताइवान के विश्वविद्यालयों के बीच हुआ एमओयू

सीएम बोले, सेमी-कंडक्टर व चिप-डिजाइन क्षेत्र में स्टूडेंट्स शोधकर्ताओं और निवेशकों के लिए प्रगति के खुलेंगे नए द्वार

- मुख्यमंत्री ने किया टिकाऊ भविष्य के लिए पर्यावरण प्रबंधन विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की संगोष्ठी में वर्चुअली शामिल हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व में सेमी-कंडक्टर और चिप-डिजाइन क्षेत्र के सिरमौर ताइवान के साथ देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर की ओर से शैक्षणिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों के लिए किए जा रहे एमओयू से मप्र के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और निवेशकों के लिए प्रगति के नए द्वार खुलेंगे। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने ताइवान के छह अलग-अलग विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार की हरसंभव कोशिश होगी कि ताइवान के साथ प्रदेश के संबंध प्रगाढ़ हों और शासन स्तर पर एमओयू क्रियान्वयन में कोई कठिनाई नहीं आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की ओर से टिकाऊ भविष्य के लिए पर्यावरण प्रबंधन विषय पर इंदौर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ कार्यक्रम को समत्व भवन भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की वर्चुअल उपस्थिति में इन्दौर में आई-शु यूनिवर्सिटी ताइवान तथा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद तथा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया।

जैसे हम स्वयं की चिंता करते हैं वैसे ही ब्रह्मांड की चिंता करें: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टिकाऊ भविष्य के लिए पर्यावरण प्रबंधन विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वर्तमान परिदृश्य में बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी संस्कृति पर्यावरण के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए हमें प्रेरित करती है, हमारे वेद यह शिक्षा देते हैं कि जैसे हम स्वयं की चिंता करते हैं वैसे ही ब्रह्मांड की चिंता करें। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर नवाचार करने में अग्रणी रहा है इस उद्यमशीलता के लिए विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है। पर्यावरण की दृष्टि से मध्य प्रदेश पर्याप्त संपन्न है। विश्व के सम्मुख मौजूद पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने के लिए केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकार भी हर स्तर पर प्रयास कर रही है। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण और जन-जन में पर्यावरण की प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के अनेक बिंदु समाहित हैं।

इंदौर में लगाए जाएंगे 51 लाख पौधे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के क्रम में राज्य सरकार ने साढ़े 5 करोड़ पौधे लगाने का प्रण किया है। इस अभियान में इंदौर में भी 51 लाख पौधे लगाए जाएंगे। प्रदेश में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए एक पखवाड़े तक चलाया गया अभियान पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा और प्रदेशवासियों की सक्रिय सहभागिता सराहनीय रही। इन्दौर में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. इन्दर सिंह परमार, इन्दौर सांसद शंकर लालवानी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. रेणु जैन, आई-शु यूनिवर्सिटी ताइवान के प्रेसिडेंट डॉ. कुआंग तथा अन्य अधिकारी व विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीआईपी मार्ग पर काफिला रुकवा कर किया आचार्य विनम्र सागर का स्वागत

- जैन मुनियों से आशीर्वाद प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को वीआईपी मार्ग भोपाल में आचार्य विनम्र सागर के भोपाल आगमन पर उनका स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य जैन मुनियों से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। छिंदवाड़ा प्रवास से लौटते हुए राजकीय विमानतल से मुख्यमंत्री निवास जाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नजर वीआईपी मार्ग से पैदल यात्रा कर जा रहे जैन मुनियों के दल पर पड़ी और उन्होंने वाहनों का काफिला रुकवा कर सभी का स्वागत किया। आचार्य जी ललितपुर (उत्तर प्रदेश) से जैन मुनियों के दल के साथ पधारे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल आगमन पर जैन मुनि और उनके सहयोगियों का स्वागत किया।

छिंदवाड़ा में भाजपा का विजय रथ जारी रहेगा: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरवाड़ा में मीडिया से चर्चा में कहा कि आजादी के बाद ये पहली बार मौका आया है कि छिंदवाड़ा लोकसभा चुनाव में एक लाख से ज्यादा वोटों से भाजपा विजई हुई है। इसके लिए छिंदवाड़ा की जनता का आभार मानता हूं। उस जीत में भी अमरवाड़ा क्षेत्र की बड़ी भूमिका थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अमरवाड़ा के सभी बन्धुओं को धन्यवाद देता हूं। अमरवाड़ा विधानसभा से प्रत्याशी कमलेश शाह और हम इस क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। हम विकास के सभी कामों को पूरा करेंगे। उम्मीद कर रहे हैं कि भाजपा का विजय रथ जारी रहेगा। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, सांसद विवेक बंटी साहू, आदि मौजूद रहे।

दो जगह लगाए गए शिविर

राजधानी में 400 बुजुर्गों ने किया योग, आहार की जानकारी ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सिलसिले में राजधानी में मंगलवार को होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय में और एम्स ने अपना घर वृद्धाश्रम में शिविर लगाया। जिसमें चार सौ से ज्यादा बुजुर्ग शामिल हुए। नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि सरकारी होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय में मंगलवार को योग शिविर में ढाई सौ से ज्यादा वृद्धजन सुबह आठ बजे एकत्र हुए। इस दौरान उन्हें योग के साथ अब किस तरह के आहर लेने चाहिए, यह भी बताया गया। अपना घर वृद्धाश्रम में एम्स के आयुष विभाग द्वारा आसन, प्राणायाम और निर्देशित ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने इस दौरान बताया कि उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों का घनत्व कम होता जाता है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। जोड़ भी सख्त हो जाते हैं और खासकर गठिया संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए स्वतंत्र रूप से हिलना-डुलना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में योग का नियमित अभ्यास इस नुकसान को रोक सकता है।

पटवारी ने कहा- क्षिप्रा नदी का पानी आचमन लायक भी नहीं

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उज्जैन की क्षिप्रा नदी के पानी की शुद्धता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन में क्षिप्रा नदी का पानी अब आचमन लायक भी नहीं है। इस पानी में ऐसे तत्व हैं, जो इंसानों के साथ जलीय जीव-जंतुओं के लिए भी हानिकारक हैं। पटवारी ने कहा कि दत्त आश्रम और राम घाट के पानी की जांच रिपोर्ट चौंकाने वाली आई है, जिसमें वैज्ञानिकों का कहना है कि इस पानी में लगातार स्नान से स्किन कैंसर होने का खतरा है।

पटवारी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि आपने जो दावा किया है, उसके अनुसार ही क्षिप्रा को शुद्ध कराएं।

नगर निगम की लैबोरेटरी से कराई गई जांच

पटवारी ने कहा कि पानी सैंपल की जांच भी भोपाल नगर निगम की वाटर टेस्टिंग लैबोरेटरी से करवाई गई है, ताकि सवाल उठने के बाद किसी को यह कहने का मौका न मिले। लोकसभा चुनाव के दौरान उज्जैन से कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने क्षिप्रा में डुबकी लगाकर आरोप लगाए थे कि इस पवित्र नदी का पानी गंदा है, सफाई पर प्रदेश सरकार का ध्यान नहीं है।

25 को राजकोट में होगा आंदोलन, शामिल होंगे प्रदेश के सेवादल पदाधिकारी

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष योगेश यादव ने बताया कि राजकोट (गुजरात) में हुए भीषण अग्निकाण्ड में लीपापोती एवं पक्षपातपूर्ण जांच के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल की ओर से एक विशाल प्रदर्शन 25 जून को राजकोट में आयोजित हो रहा है । इस प्रदर्शन एवं धरने में मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के विभिन्न जिलों के अध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारी सम्मिलित होंगे।

21 को पहुंचेंगे

यादव ने बताया कि सेवादल के सभी साथी 21 जून की सुबह राजकोट पंहुच रहे हैं। इस दिन से चार दिवसीय आंदोलन प्रशिक्षण शिविर आयोजित है, जिसमें सेवादल के साथियों को ट्रेनिंग दी जाएगी कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के विरोध में आंदोलन की क्या रूपरेखा रहेगी। शिविर में अव्यवस्था, भ्रष्टाचार के विरोध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्टेशन समेत 3 हजार स्थानों पर पिलाई जाएगी पोलियो दवा

भोपाल। पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 23 जून, रविवार को किया जाएगा। इस दौरान जिले में लगभग साढ़े तीन लाख बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर दवा पिलाने पर विशेष जोर रहेगा। इसके लिए 3000 से अधिक बूथ बनाए गए हैं। निर्माणाधीन इमारतों, ईंट भट्टे, क्रेशर पर काम करने वाले मजदूरों के बच्चों व घुमंतू आबादी के बच्चों को दवा पिलाने के लिए मोबाइल टीम बनाई गई है। जिले से बाहर जाने वाले और आने वाले 5 साल तक के हर बच्चे को दवा पिलाने के लिए रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड व नाकों पर टीम तैनात रहेगी।

भोपाल शहर तथा आसपास के क्षेत्रों में चिन्हित स्थान पर पौधों का विक्रय होगा

हरित चलित वाहन से फलदार, शोभादार छायादार व औषधीय पौधे प्रदाय किए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल की ओर से प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मानसून सीजन में भोपाल तथा आसपास के क्षेत्रों में आम जन-मानस को पौधारोपण के लिए हरित चलित वाहन से भोपाल शहर तथा शहर से लगे क्षेत्रों में चिन्हित स्थान पर पौधों का विक्रय किया जाएगा।

सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल के वन संरक्षक ने बताया कि पौधों का विक्रय सोमवार को नीलबड़, रातिबड़, नेहरू नगर, कोटरा, भदभदा, अशोका गार्डन, सेमरा, प्रभात पेट्रोल पम्प रायसेन रोड एवं आसपास के क्षेत्रों में, मंगलवार को करोंद, बड़वाई, ईंटखेड़ी, अरवलिया, कर्राखेड़ा, गुलमोहर, शाहपुरा, त्रिलंगा, चूनाभट्टी एवं आसपास के क्षेत्रों में, बुधवार को आनंद नगर, कल्पना नगर, गोविंदपुरा, खजूरीकला, बागसेवनिया, कटरा हिल्स, 11 मील चौराहा, मण्डीदीप एवं आसपास के क्षेत्र, गुरुवार को गांधी नगर, कोहेफिजा, लालघाटी, शांति नगर, मिसरोद, रापड़िया, जमुनिया, बंगरसिया एवं आसपास के क्षेत्र और शुक्रवार को कोलार, मंदाकिनी, चीचली बैरागढ़, गेहूंखेड़, बगरोदा, कंकाली मंदिर, सूखी सेवनिया, बैरसिया एवं आसपास के क्षेत्र में इस मानसून सीजन में अपने घर-आँगन, रिक्त भूमि पर पौधों का रोपण करें तथा उनकी देखभाल कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित कर पर्यावरण संवर्धन में अपना पूर्ण योगदान दें।

यहां से भी खरीद सकते हैं पौधे

वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त भोपाल ने बताया कि सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक चिन्हित स्थानों पर विक्रय के लिए हरित चलित वाहन में पौधे उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि अहमदपुर एवं भदभदा रोपणियों से भी पौधे क्रय किए जा सकते हैं। पौधे विक्रय की दर 14 रुपए प्रति पौधा निर्धारित है। इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए मोबाइल नम्बर-9424796469 पर सुबह 11 से शाम 4 बजे तक सम्पर्क किया जा सकता है।

अब वीसी के जरिए मौके पर ही किया जाएगा बिजली कर्मियों की शिकायतों का समाधान

- मक्षे विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक रघुराज एम.राजेन्द्रन ने दिए निर्देश
- तीसरे और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की हर माह के अंतिम सोमवार को की जाएगी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तीसरे और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हर महीने के अंतिम सोमवार को की जाएगी। यह व्यवस्था इसलिए की गई है कि किसी भी कर्मचारी को कंपनी मुख्यालय में आने की आवश्यकता नहीं है और उनकी समस्याओं का निराकरण उनके कर्तव्य स्थल पर ही हो जाए। वह सिटी कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम में उपस्थित हों, और वहीं से कंपनी मुख्यालय में प्रबंध संचालक और मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग के अधिकारी उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। यह जानकारी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक रघुराज एम.राजेन्द्रन ने दी है।

कर्मचारियों के प्रति कंपनी संवेदनशील

प्रबंध संचालक ने कहा है कि कर्मचारियों और उनकी व्यक्तिगत शिकायतों के प्रति कंपनी संवेदनशील है। इस प्रकार की शिकायतों का निराकरण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रतिमाह किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों की शिकायतें शून्य हो जाएंगी और कर्मचारियों में कार्य के प्रति स्वस्थ वातावरण निर्मित होगा। प्रबंध संचालक ने कर्मचारियों से कहा कि आपकी हर समस्या का निदान किया जाएगा। मानवीय दृष्टिकोण तथा प्राकृतिक न्याय और शासकीय नियमों के तहत शिकायतों का निराकरण तत्काल सुनिश्चित करने की कारगर व्यवस्था की जाएगी। यहां ध्यान रहे कि इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की उच्च वेतनमान, निलंबन अवधि के वेतन, मेडिकल बिल, विभागीय जांच, लंबित विभागीय कार्यवाही के प्रकरण, कारण बताओ नोटिस आदि शिकायतों का निराकरण किया जाएगा।

पेज एक का शेष

राजधानी में दोपहर बाद...

दिन का पारा 2 से 7 डिग्री तक गिरने से गर्मी पर अंकुश रहा। तापमान में कमी आने से प्रदेश में लू का असर नहीं रहा। भोपाल में पारा फिर से 5 डिग्री बढ़कर 39 डिग्री पर पहुंच गया। इससे दिन में गर्मी और उमस ने परेशान किया। दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश के बाद गर्मी से कुछ राहत महसूस की गई। कुछ जगह तेज बौछारों से सड़कों पर पानी बह निकला। मौसम केंद्र के अनुसार बुधवार को भी प्रदेश में प्री मानसून गतिविधियां ऐसी ही रहेंगी। करीब दो दर्जन जिलों में तेज हवाएं, बारिश और कहीं कहीं ओले गिरेंगे। मानसून ऑनसेट के लिए अभी दो से तीन दिन और लग सकते हैं।

आज यहां ओले-बारिश: बुधवार तक विदिशा, सीहोर, खरगौन, बड़वानी, देवास, शिवपुरी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरिसंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, टीकमगढ़, पांढुर्ना आदि जिलों में कुछ जगह ओले और अधिकांश स्थानों पर आंधी के साथ बारिश होगी।

कहां कितना...

सर्वाधिक 6.5 डिग्री की गिरावट रही। सतना में 6 डिग्री पारा गिरा। खजुराहो, टीकमगढ़, उमरिया, बैतूल और पचमढ़ी आदि जिलों में 2 से 4 डिग्री तक की कमी द र्ज हुई। प्रदेश में औसत पारा 40 डिग्री रहा। सर्वाधिक तापमान ग्वालियर में 44.2 डिग्री रहा।

मुख्यमंत्री ने शाला में...

राज्य सरकार ने प्रदेश में सर्वसुविधायुक्त 369 सीएम राइज स्कूलों का संचालन आरंभ कर दिया है। इन स्कूलों में विश्व स्तरीय भवन, स्मार्ट क्लास, डिजिटल टीचिंग, निःशुल्क वाहन सुविधा सहित कई अन्य आधुनिक संसाधनों की सुविधा विद्यार्थियों को मिलेगी। अन्य विद्यालयों में भी किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश के 416 विद्यालयों में पीएमश्री योजना के तहत उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इन सुविधाओं का अन्य शालाओं में भी विस्तार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाला में नवप्रवेशी विद्यार्थियों को दुलार कर, तिलक लगाकर व पुस्तकें भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्यार्थी महापुरूषों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के पथ पर अग्रसर होंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

सभी स्कूलों में जन गण मन का गायन होना चाहिए: कार्यक्रम के दौरान जनजातीय कल्याण मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा कि पहले से 12वीं तक के सभी स्कूलों में जन गण मन का गायन होना चाहिए। साथ ही मदरसों में भी राष्ट्रगान होना चाहिए। कहा कि शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगियों परीक्षाओं की तैयार के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई सुपर-100 योजना का विस्तार सभी संभागों तक किया जाना आवश्यक है।

निजी स्कूलों की तरह होगी पढ़ाई: स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षा अभियान का प्रवेश उत्सव तीन दिनों तक चलेगा। 20 तारीख को पालकों के साथ चर्चा की जाएगी। जिस तरह से प्राइवेट स्कूल काम करते हैं वैसे ही सरकारी स्कूल में पढ़ाई हो इसके लिए सरकार ने सीएम राइज स्कूल शुरू किए हैं। टीचर बेहतर तरीके से शिक्षण कार्य करें जिस तरह सरकार काम कर रही है।

यह रहे उपस्थित:: कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा उदय प्रताप सिंह, खेल एवं युवा कल्याण सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्संख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व प्रोटेम विधानसभा स्पीकर रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी तथा अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

भगवान श्रीकृष्ण ने...

अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर विभिन्न विद्याओं और कलाओं में दक्षता अर्जित की, विद्यालय के मित्र सुदामा के साथ ही दुनिया के सामने मित्रता का भी श्रेष्ठतम उदाहरण प्रस्तुत किया।

मोदी के साथ...

अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह का नामांकन-पत्र दाखिल कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास व्यक्त करते हुए लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय दिलाई है। अब विजय अभियान उपचुनाव में भी जारी रहेगा। शर्मा ने कहा कि भाजपा अमरवाड़ा उपचुनाव में ऐतिहासिक मतों से जीतकर इतिहास कायम करेगी। तीनों नेताओं ने कार्यकर्ता बैठक को भी संबोधित किया।

अमरवाड़ा के विकास...

कमलेश शाह, सुश्री मोनिका शाह बट्टी एवं पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस में बैठने घर से...

है। पुलिस के अनुसार छात्रा का नाम अंजलि पिता अमोल है। वह एंडवास स्कूल में कक्षा सातवीं में पढ़ती थी और पढ़ाई में तेज थी। उसके पिता निजी कंपनी में काम करते। वह सुबह स्कूल जाने के लिए तैयार हुई थी। पिता उसे नीचे गेट तक छोड़ने आए थे।

पिता के लौटने के बाद अंजलि फिर लौटी और दूसरी बिल्डिंग की तरफ लौटी और लिफ्ट से 14 वीं मंजिल पर जा पहुंची। वहां से उसने छलांग लगा दी। गार्ड ने उसे गिरते हुए देखा तो परिजनों को सूचना दी। परिसर के सीसीटीवी कैमरों में वह दूसरी बिल्डिंग की तरफ जाते हुए दिखाई दी। अंजिल के पिता एक कंपनी में काम करते है। अंजलि का एक बड़ा भाई भी है। अंजलि का परिवार मूलतः पुणे का है। इसी क्षेत्र में दो माह पहले भी एक छात्रा ने मल्टी से कूदकर अपनी जान दे दी थी।

सेना ने शुरू किया...

संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में काम करेगा। इस तरह यह देश भर में सैन्य चिकित्सा केंद्रों को महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करेगा। इस सुविधा केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को सबसे उन्नत 'स्किन रिप्लेसमेंट' उपचार सुविधा प्रदान करना है। इस स्किन बैंक में प्लास्टिक सर्जन, टिश्यू इंजीनियर और विशेष तकनीशियनों सहित उच्च प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवरों की एक टीम काम करेगी। सेना के चिकित्सा सेवा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अरिंदम चटर्जी ने स्किन बैंक के शुभारंभ को सैन्यकर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा केन्द्र न केवल देखभाल की गुणवत्ता को बढ़ाएगा, बल्कि गंभीर चोटों से प्रभावित लोगों की सहायता करने की क्षमता को भी मजबूत करेगा।

राहुल और पवार को ...

मालीवाल ने अपने एक्स अकाउंट से सार्वजनिक भी किया है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में अपने कामकाज का जिक्र करते हुए उन्होंने अपने साथ हुई घटना के बारे में उन्हें बताया है। मालीवाल ने कहा कि पिछले 18 सालों से मैंने जमीन पर काम किया है और 9 सालों में महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई की है। बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके, महिला आयोग को एक बहुत ऊंचे मकाम पर खड़ा किया। पर बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे मुख्यमंत्री के घर पर बुरी तरह पीटा गया, फिर मेरा चरित्र हरण करा गया। मालीवाल ने बताया कि उन्होंने इंडिया गठबंधन के सभी बड़े नेताओं को पत्र लिखा है और मिलने का समय मांगा है।

अगर किसी की ओर...

मामले पर अगली सुनवाई 8 जुलाई को होनी है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एनटीए को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर किसी की ओर से 0.001% लापरवाही है तो उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि हम उन बच्चों के प्रयासों को नहीं भूल सकते जिन्होंने परीक्षा की तैयारी की है।

याचिकाओं को प्रतिकूल मुकदमे के रूप में न लें: सर्वोच्च अदालत ने कहा कि बस कल्पना कीजिए कि एक डॉक्टर ऐसे बच्चे का इलाज कर रहा है जो इस तरह से पास हो गया है और उसकी जांच की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से यह भी कहा कि वे नीट यूजी के खिलाफ दायर याचिकाओं को प्रतिकूल मुकदमे के रूप में न लें। शीर्ष अदालत ने दोनों संस्थाओं को यह भी निर्देश दिया कि अगर परीक्षा आयोजित करने में कोई गलती हुई है तो उसे स्वीकार करें और सुधारें।

इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है सुप्रीम कोर्ट: सर्वोच्च न्यायालय कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पेपर लीक, ग्रेस मार्क्स देने और उच्च स्कोर करने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि सहित कई आरोप लगाए गए हैं। नीट यूजी रिजल्ट 2024 गड़बड़ी मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि प्रभावित छात्रों को जल्द ही उनके संशोधित अंकों के बारे में सूचित किया जाएगा, जिसमें पहले दिए गए ग्रेस मार्क्स शामिल नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई, 2024 को होनी है।

हमको कुछ नहीं...

उन्होंने सभी पंडित वर्ग के पूजनीय और वंदनीय गोस्वामी तुलसीदास को गंवार शब्द कहा है। वह वीडियो में बोल रहे हैं कि 'हमको कुछ नहीं आता, हम तुलसीदास जी की तरह बिलकुल गंवार हैं।

तुलसीदास जी पर विवादित बयान के मामले में मथुरा के धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा है कि पंडित प्रदीप मिश्रा की बुद्धि भ्रष्ट हो चुकी है। वह इन दिनों सभी ब्रजवासियों के निशाने पर हैं। साथ ही सभी सनातनी उनके विरोध में हैं। सौरभ गौड़ ने कहा कि जिन गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस और हनुमान चालीसा जैसे महान ग्रंथ और रचनाएं की हो। उन्हें गंवार कहना कितना उचित है?

प्रेमानंद महाराज ने जताई थी नाराजगी: बता दें कि राधा रानी पर दिए विवादित वक्तव्य के बाद मथुरा के प्रसिद्ध रसिक संत प्रेमानंद महाराज ने भी प्रदीप मिश्रा पर तल्ख टिप्पणी की थी। प्रेमानंद महाराज ने कहा था कि प्रदीप मिश्रा राधा तत्व को जानते ही नहीं हैं, इसके बाद पंडित प्रदीप मिश्रा ने अपनी कथा के दौरान सफाई भी दी थी कि उन्होंने राधा रानी पर जो-जो कहा है वह सब शास्त्रों के आधार पर है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा था कि वह प्रेमानंद महाराज के चरणों की धूल के बराबर हैं। इस विवाद में ब्रज वासियों ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रदीप मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग भी की थी।

एक क्लिक में 9.26...

निधि की 17वीं किस्त ट्रान्सफर की। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने किसान, नौजवान, नारीशक्ति और गरीब को विकसित भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत मैंने इन्हीं के सशक्तिकरण से की है। सरकार बनते ही सबसे बड़ा किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा फैसला लिया गया है। देश में गरीब परिवारों के लिए 3 करोड़ नए घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मान निधि को आगे बढ़ाना हो... ये फैसले करोड़ों-करोड़ों लोगों की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि बाब विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से, काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। अब तो मां गंगा ने भी जैसे मुझे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में 18वीं लोकसभा के लिए हुआ ये चुनाव भारत के लोकतंत्र की विशालता को, भारत के लोकतंत्र के सामर्थ्य को, भारत के लोकतंत्र की व्यापकता को, भारत के लोकतंत्र के जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत करता है। काशी के लोगों ने तो सिर्फ सांसद नहीं बल्कि तीसरी बार प्रधानमंत्री भी चुना है इसलिए आप लोगों को डबल बधाई। इस चुनाव में देश के लोगों ने अभूतपूर्व जनादेश दिया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ...

मोड के माध्यम से देश भर के किसानों के परिवारों के बैंक खातों में हर चार महीने में तीन समान किस्तों में 6,000 रुपए प्रति वर्ष का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया गया है तो वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा किसानों को आर्थिक सुरक्षा की गारंटी दी गई है।

करोड़ों किसान लाभान्वित: शिवराज: केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा अब तक पीएम किसान सम्मान निधि से करोड़ों किसान लाभान्वित हुए हैं, यह योजना किसानों के जीवन को आसान व कृषि को प्रोत्साहित करने की दिशा में ऐतिहासिक साबित हुई है।

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644, 9300009644

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय (अल्पसंख्यक संस्थान)
बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध
DIRECT ADMISSION
ऑन लाईन प्रक्रिया से मुक्त सीधे प्रवेश
U.G. COURSE: B.A. I B.C.A. I B.B.A. B.P.E.S. I B.Sc. B.Lib. I B.Com (Plain / Computer/Hon's)
P.G. COURSE: M.A. I M.Sc. I M.Com. I P.G.D.Y.S. P.G.D.C.A. I B.Ed.
पता : डी-1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल
Mob.: 9827208070, 9425346230, 9893194695, 9981291288, 7828186626
E-mail : principal@gandhiprcollege.com; Visit us at : gandhiprcollege.com

An institute of Arts & Design
नर्मदा कॉलेज ऑफ फाईन आर्ट्स (राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला वि.वि. ग्वालियर से संबद्ध)
▸ बी.एफ.ए. (- 4 वर्षीय)
▸ एम.ए. (फाईन आर्ट, भरतनाट्यम - 2 वर्षीय)
▸ ए.एफ.ए. (मास्टर ऑफ फाईन आर्ट्स - 2 वर्षीय)
▸ बी. डिजाईन (बैचलर ऑफ फैशन डिजाईनिंग - 4 वर्षीय)
▸ बी. डिजाईन (बैचलर ऑफ इंटीरियर डिजाईनिंग - 4 वर्षीय)
अन्य सर्टिफिकेट कोर्सेस - भरतनाट्यम, ज्वैलरी डिजाईन, कत्थक एम्ब्राइडरी (कढ़ाई), फैशन डिजाईन, गारमेन्ट्स कंस्ट्रक्शन, पेपर मैसी माण्डना, पेंटिग-मधुबनी,तंजोर, मीनाकारी, बॉटिका
म.प्र. का एक मात्र फाईन आर्ट्स स्कूल
नर्मदा फाईन आर्ट्स हायर सेकेण्डरी स्कूल, भोपाल (मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त)
कक्षा 10वीं के बाद फाईन आर्ट्स विषय से 11वीं और 12वीं
ललित कला | हिन्दी | इंग्लिश
हेड आफिस - 14, लैण्डमार्क, रोहित नगर, फेस-1, भोपाल
मो. : 9425183888, 9425025576, 7691901666, फोन : 0755-2431251
E-mail : ncfabhopal@gmail.com, Web : www.ncfabhopal.com

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्प्लेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

कृत्रिंग अंग (पैर)
कैलिपर, एवं शारिरिक सहायक उपकरण बनायें जाते है।
संपर्क करें- मो.9826350154,6266402502
अजंता रिहैबिलिटेशन सेंटर 5/4 संजय कॉम्प्लेक्स माता मंदिर न्यू मार्केट के पास भोपाल (म.प्र.)

बढ़ी हुई फास्टिंग, पोस्ट मील शुगर और HbA1c को ना समझें डायबिटीज
Appropri-ate® DIET THERAPY CENTRE The Diet Solution™...
सही जानकारी के लिए सम्पर्क करें 8359000058

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

राशिफल

मेष: मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष: अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन: मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क: आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह: शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या: मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर: वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ: मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन: शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

नाम परिवर्तन

मै राजेश अमरुते आर्मी नंबर 6392881L हवलदार था, जो की मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी (पत्नी) कविता, एंड मेरे बच्चों का नाम योगेश कुमार अमरुते, रचित कुमार (बेटे) , गलत दर्ज हो गया है अन्य डॉक्यूमेंट एवं शपथ पत्र के आधार से सही नाम कविता अमरुते, योगेश अमरुते, रचित अमरुते है इसी नाम से जाना व पहचाना जाए

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि पूर्व में मेरा नाम MANOJ KUMAR SURANA था। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर MANOJ SURANA हो गया है। अतः अब मुझे मेरे इसी नए नाम MANOJ SURANA से ही जाना व पहचाना जाए। ADDRESS : 288, Shakti Nagar, Sector -2, near Habibganj naka, Bhopal (M.P.) - 462024

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम HASINA था। जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर HASINA KHATRI हो गया है। अतः भविष्य में अब मुझे मेरे नए नाम HASINA KHATRI W/O ABDUL SATTAR KHATRI से जाना व पहचाना जाए। ADDRESS : 85, Shivganj No.2, Sendhwa, Madina Masjid ke Samne, Khalwadi Mohalla, Sendhwa, PO: Sendhwa, DIST- Barwani, (M.P.) - 451666

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम ABDUL SATTAR YAKUB JI था। जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर ABDUL SATTAR KHATRI हो गया है। अतः भविष्य में अब मुझे मेरे नए नाम ABDUL SATTAR KHATRI से जाना व पहचाना जाए। ADDRESS : Sendhwa, Madina Masjid ke Samne, Sendhwa, PO: Sendhwa, DIST- Barwani, (M.P.) - 451666

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। - व्यावस्थापक

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

शब्द पहेली - 5546

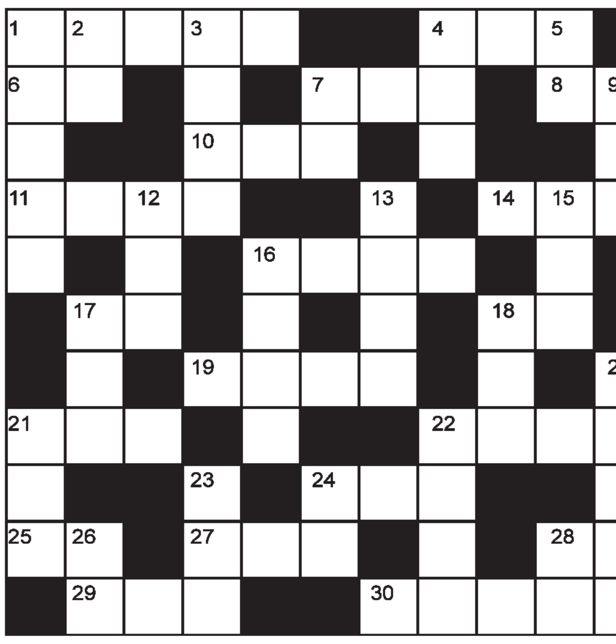

बाएँ से दाए
1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल,धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल,जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण,पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 5545 का हल

सूडोकु नवताल- 5557

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5556 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

खबर संक्षेप

गोदावरी ने दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई। गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड ने बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी भारत में इथेनॉल आधारित रसायनों के प्रमुख निर्माताओं में से एक है।31 मार्च, 2024 तक, कंपनी के पास स्थापित क्षमता के मामले में भारत में सबसे बड़ी एकीकृत बायो-रिफाइनरी है और स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया भर में 3 मिथाइल-3 पेंटेन-2-वन की सबसे बड़ी निर्माता भी है।

हायर ने फिंनिक्स के साथ किया विस्तार

नई दिल्ली। लगातार15सालों से नंबर1ग्लोबल मेजर अप्लायंसेज ब्राण्ड हायर अप्लायंसेज इंडिया अपनी डायरेक्ट कूल रेंज में इनोवेशन की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लेकर आए हैं प्रीमियम ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर्स की सीरीज फिनिक्स। यह डायरेक्ट कूल ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर की सबसे व्याप करें जलाने वाला उद्योग जगत का एकमात्र ब्राण्ड है, नई सीरीज स्लीक एवं प्रीमियम ग्लास डिजाइन के साथ किसी भी किचन के लुक को आकर्षक बना देगी। नए रेफ्रीजरेटर185 लीटर और 190 लीटर में आते हैं ।

फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई। फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड ने 19 जून इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है। कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 92 रुपए प्रति शेयर प्राइस पर 13.69 करोड़ रुपए एकत्र करने का है। कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. इश्यू साइज 10 रुपए प्रत्येक सम भाव पर 14,88,000 इक्विटी शेयर्स तक है। आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। इश्यू 21 जून, 2024 को बंद होगा।

फेडरेशन ऑफ मप्र चेंबर्स का प्रतिनिधिमंडल उपमुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री से मिला

संरक्षण और प्रोत्साहन देने के लिए संपत्ति कर में दिया जाए प्रदेश औद्योगिक इकाईयों को छूट

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭भोपाल

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष डॉ.आरएस गोस्वामी के नेतृत्व में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल एवं नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात कर प्रदेश में उद्योगों पर लगाए जाने वाले संपत्ति कर एवं फायर एनओसी के संबंध में अपनी मांग रखी।

फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ.आरएस गोस्वामी ने कहाकि प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित औद्योगिक इकाईयों को दोहरे करारोपण का भार सहना होता है। एक तरफ उन्हें लीज रेंट भी देना होता है इसके साथ ही संपत्ति कर भी देना होता है। जबकि इन औद्योगिक क्षेत्रों का स्वत्व राज्य शासन में निहित है। इन औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों को निर्धारित शर्ता पर 30 वर्ष की अवधि के लिए लीज दी गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार कर चुकी है औद्योगिक इकाईयों के बकाया वसूली को अपात्र

इस संदर्भ में फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का नोटिफिकेशन भी संलग्न किया। जिसमें छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य की समस्त नगरीय क्षेत्र में उद्योग विभाग, सीएसआईडीसी द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित औद्योगिक इकाईयों को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देने के लिए संपत्ति कर देयता से पूर्ण छूट प्रदान की है एवं पूर्व के बकाया वसूली को भी अपास्त किया है।

समाप्त किया जाए एक हजार रू.की दर से लगने वाले दंड को

इसके साथ ही फेडरेशन ने 2 माह की समयावधि के भीतर फायर प्लान तैयार ना करने वाले भवन स्वामी, संचालक पर 500 प्रतिदिन एवं एक वर्ष पश्चात 1000 रूपए की दर से लगने वाले (लेवी) दंड को समाप्त करने की मांग की। फेडरेशन द्वारा यह भी मांग की गई की ग्वालियर क्षेत्र में जिन उद्योगों का अधिक गार्बेज जमा हो गया है उनका जमा किया गार्बेज शुल्क का समायोजन करना चाहिए। फेडरेशन के प्रतिनिधि मंडल में डॉ.आर.एस. गोस्वामी, योगेश ताम्रकार, अखिलेश राठी, दीपक शर्मा, विजय गौर,वीरेंद्र कुमार पोरवाल, हिमांशु खरे, योगेश गोयल, अशोक पटेल, दीपक अग्रवाल,मन्विंदर सिंह, अरूण पवांर एवं फेडरेशन के सचिव प्रवीण आचार्य शामिल थे।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन से सरकार को हुई बंपर 4.62 लाख करोड़ रुपए की कमाई

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 जून तक सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 4.62 लाख करोड़ रुपए से अधिक हुआ है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने यह जानकारी दी है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन सरकार के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इन टैक्स का इस्तेमाल सार्वजनिक सेवाओं, बुनियादी ढांचे और विकास कार्यक्रमों को फंड करने के लिए किया जाता है। प्रत्यक्ष कर सरकार को आर्थिक मंदी के दौरान अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए जरूरी धन मुहैया करते हैं।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 22.19 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अग्रिम टैक्स संग्रह 27.34 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाते हुए 1,48,823 करोड़ रुपए रहा। मंत्रालय ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में कुल 53,322 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है। अप्रैल-जून के लिए प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह 5.16 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4.23 लाख करोड़ रुपए था, जो 22.19 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है। केंद्र ने इस वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह से 21.99 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा है।

उद्योग, ट्रांसपोर्टर और पंप संचालकों की मांग

आगामी बजट में पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरें में लाए सरकार

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭भोपाल

आमजन से लेकर उद्योग जगत तक सरकार से मांग कर रहा है कि डीजल और पेट्रोल को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) के दायरे में लाया जाए। अगर ऐसा होगा तो सभी को आसमान छू रहे इसके भाव से राहत मिल सकती है। उद्यमियों का कहना है कि यदि डीजल और पेट्रोल को जीएसटी के सबसे उच्च स्लैब 28 प्रतिशत के दायरे में लाया जाए तो भी यह काफी सस्ता लोगों को उपलब्ध होगा। उद्यमियों का कहना है कि औद्योगिक इकाइयों को डीजल के दाम में तेजी से काफी दिक्कत हो रही है।

कई कामों में होता है डीजल का इस्तेमाल

मंडीदीप इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष **राजीव अग्रवाल** का कहना है कि औद्योगिक इकाइयों में डीजल का इस्तेमाल कई कामों में होता है। वहीं यदि किसी कारण से बिजली नहीं है तो भी डीजल जेनरेटर चलाना पड़ता है। गर्मी के दिनों में बिजली नहीं होने की समस्या सबसे अधिक रहती है। इससे उत्पादन लागत काफी बढ़ जाता है।

ईंधन में वृद्धि होने की संभावना दिखाई दे रही है

ट्रांसपोर्टर **ठाकुरलाल राजपूत** का कहना है कि ईंधन में वृद्धि होने की संभावना दिखाई दे रही है। ऐसी स्थिति में ट्रांसपोर्टर सेक्टर को काफी परेशानी होगी। इसे दूर करने के लिए डीजल-पेट्रोल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए।

पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि से हर व्यक्ति प्रभावित

मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष **अजय सिंह** के अनुसार डीजल और पेट्रोल को आगामी जुलाई में पेश होने वाले बजट में जीएसटी के दायरे में लाने की घोषणा हो। क्योंकि पेट्रोल और डीजल के दाम वृद्धि से हर व्यक्ति प्रभावित होता है। डीजल के महंगा होने से खाद्यान्नों के भाव में भी तेजी आती है। पेट्रोल डीजल पर केंद्र सरकार उत्पादन शुल्क और राज्य वैट वसूलते हैं। इसी कारण इनका भाव अधिक होता है। अब इसे जीएसटी के दायरे में लाने की जरूरत है।

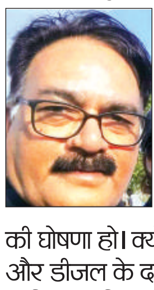

सेंसेक्स-निफ्टी नए रिकॉर्ड बनाकर हुए बंद

निवेशकों ने एक दिन में 2.42 लाख करोड़ रु. कमाए

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

सेंसेक्स और निफ्टी की रिकॉर्डतोड़ तेजी 18 जून को भी जारी रही। दोनों दोनों इंडेक्स अपने अबतक के नए उच्चतम स्तर पर बंद हुए। इसके चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति आज दिनभर में करीब 2.42 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। ब्रॉडर मार्केट में भी तेजी रही। बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.43 फीसदी और 0.96 फीसदी की तेजी के बंद हुए। कारोबार के अंत में, बीएसई सेंसेक्स 334.20 अंक या 0.43% की तेजी के साथ 77,301.14 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 77,366.77 का अपना नया ऑलटाइम छुआ था। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला इंडेक्स निफ्टी 92.30 अंक या 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ 23,557.90 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान इसने 23,579.05 अंक के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 18 जून को बढ़कर 437.30 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार 14 जून को 434.88 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 2.42 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.42 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है।

ड्यूरलैक्स टॉप का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई। सॉलिड सरफेस मैटेरियल्स के निर्माण में सुविज्ञता रखने वाली, ड्यूरलैक्स टॉप सरफेस लिमिटेड ने 19 जून 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है। कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत अपर बैंड पर 40.80 करोड़ एकत्र करने का है। कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे। फ्रेश इश्यू साइज 10 प्रत्येक के 42,00,000 इक्विटी शेयर्स और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस)18,00,000 इक्विटी शेयर्स हैं। आईपीओ की शुद्ध धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 18 जून, 2024 को खुलेगी और अन्य सभी श्रेणियां के अभिदान के लिए इश्यू 19 जून, 2024 को खुलेगा और 21 जून, 2024 को बंद होगा।

बिजनेस न्यूज

एलएनसीटी में अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा की हुई बैठक

भोपाल। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा राष्ट्रीय स्तर पर अपना 89 वां स्थापना दिवस एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन 3 और 4 अगस्त 2024 को कोलार रोड स्थित एलएनसीटी विवि, (जेके अस्पताल) परिसर में आयोजित करने जा रहा है। महासभा द्वारा इस आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने को लेकर गत दिवस एक महत्वपूर्ण बैठक सीएमई हॉल, जेके अस्पताल परिसर में आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्षजयनारायण चौकसे, पूनम चौकसे, प्रमुख संयोजक- एडवोकेट एमएल राय, कलचुरि कल्पना राय, राजाराम शिवहरे, राजन सेवाइवार, अर्जुन जायसवाल, ओपी चौकसे, बालमुकुंद चौकसे (आनंद नगर), घनश्याम चौकसे (करोंद), हरीश मालवीय, कौशल राय, हरिराम राय, विपिन चौकसे (आनंद नगर), डॉ. अनुपम चौकसे, डॉ. अशोक कुमार राय, सहित बडी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे ने सभी नवगठित समितियों के प्रभारी, सह प्रभारियों एवं सदस्यों से अपने दायित्वों के अनुरुप कार्यों का निर्वहन करने की अपील की है।

महिंद्रा ने लांच किया 6आरओ पैडी वॉकर ट्रांसप्लांटर

भोपाल। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर ने मध्यप्रदेश में महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर नामक एक नया 6 रो धान ट्रांसप्लांटर लांच किया है। मध्यप्रदेश में 4आरओ वॉक बिहाइंड ट्रांसप्लांटर (एमपी461) और 4आरओ राइड-ऑन (प्लांटिंग मास्टर पैडी 4आरओ) की सफल शुरुआत के बाद, नया महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर चावल की रोपाई तकनीक के क्षेत्र में महिंद्रा की मौजूदगी को और बढ़ाएगा, जहाँ कंपनी पहले से ही बाजार में अग्रणी है। धान एक प्रमुख फसल है और मध्यप्रदेश अपने विश्व स्तरीय चावल के लिए प्रसिद्ध हैं।

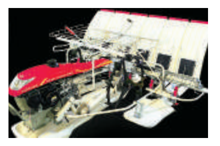

यूनियन बैंक ने आयोजित किया रिटेलथॉन 2024

भोपाल। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने रिटेलथॉन 2024 में सुप्रतिष्ठित और मजबूत विरासत का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संजय रुद्र, कार्यपालक निदेशक के द्वारा अभिजीत बसाक, अंचल प्रमुख, मुंबई और अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ किया गया। इस प्रदर्शनी में रियल इस्टेट, ऑटोमोटिव और शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख भागीदारों ने अपने पेशकश के विषय में बताया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने ग्राहकों के घर और शिक्षा की आकांक्षाओं के अनुकूल तत्काल स्वीकृति को सरल करते हुए 2050 से अधिक ग्राहकों को वित्तीय समाधान पेश किए।

एआईएफआई ने किया अश्वनी को सरचिटणीस नियुक्त

पुणे। एसोसिएशन ऑफ इंडियन फोर्जिंग इंडस्ट्री (एआईएफआई) ने अश्वनी जोत्शी को अपना नया सरचिटणीस नियुक्त करने की घोषणा की है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया में तीन दशकों से अधिक के शानदार कॅरियर के साथ जोत्शी एआईएफआई में अनुभव का खजाना और नेतृत्व का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं। एआईएफआई के नए सरचिटणीस के रूप में जोत्शी ने एसोसिएशन के प्रभाव और पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से कई तत्काल पहलों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है।

टाटा प्ले ने पेश किया एनीमे लोकल सेवा

मुंबई। टाटा प्ले की सेवाओं में एक नई पेशकश एनीमे लोकल शामिल हुई है। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा भारत में दर्शकों को सर्वश्रेष्ठ जापानी एनीमेशन देखने को मिलेगा। यह विज्ञापन रहित सेवा टाटा प्ले के सभी दर्शकों को तीन अलग-अलग भाषाओं हिंदी, तमिल और मलयालम में उपलब्ध होगी। गतिशील रहते हुए भी आसानी से देखने के लिए यह सेवा टाटा प्ले मोबाइल ऐप पर भी उपलब्ध होगी। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा दर्शक केवल 2 रुपए प्रति दिन के शुल्क में रोमांचक और हृदयस्पर्शी एनिमेटेड कहानियाँ देख सकेंगे।

ओप्पो ने पेश किया रेडी फोन एफ27 प्रो प्लस 5जी पेश

नई दिल्ली। ओप्पो इंडिया ने एफ27 प्रो प्लस 5जी पेश किया है। यह देश का पहला आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटेड सुपर रग्ड, मॉनसून रेडी स्मार्टफोन है। एफ27 प्रो प्लस दो रंगों - डस्क पिंक और मिडनाईट नैवी में मिलेगा और 128जीबी स्टोरेज के लिए इसका मूल्य 27,999 रुपए एवं 256जीबी वैरिएंट के लिए 29,999 रुपये होगा। सैवियो डीसूजा, डायरेक्टर, प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस ओप्पो इंडिया ने कहाकि ओप्पो एफ27 प्रो प्लस 5 जी उन ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप है, ओप्पो एफ27 प्रो प्लस 5 जी 20 जून से मिलना शुरू होगा। इसके 128जीबी मॉडल का मूल्य 27,999 रुपए और 256जीबी मॉडल का मूल्य 29,999 रुपए है।

डिंडीगुल फार्म का आईपीओ कल खुलेगा

मुंबई । डिंडीगुल फार्म प्रोडक्ट लिमिटेड का आईपीओ 20 जून को खुलेगा और 24 जून को बंद होगा। कंपनी 64,50,000 इक्विटी शेयर जारी करेगी, जिसका प्राइस बैंड 10 रुपए अंकित मूल्य पर 51-54 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। कंपनी 50,000 लीटर दूध सीधे किसानों से और लगभग 30,000-1,00,000 लीटर दूध खुले बाजार या तीसरे पक्ष के आपूर्तिकर्ताओं से खरीदती है। कंपनी ने 150 से अधिक ग्रामीण संग्रह केंद्रों का एक नेटवर्क बनाया है, जिसकी 4000 से अधिक किसानों और 50 से अधिक डेयरी फार्मों तक सीधी पहुंच है।

इटर्निया ने खोला नया शोरूम

भोपाल। हिंडाल्को के एक डिविजन, इटर्निया ने शहर में अपने नए शोरूम का उद्घाटन किया। इटर्निया भारत का एकमात्र ऐसा ब्राण्ड है जोकि ड्यूरेनियम से बनी खिड़कियां उपलब्ध कराता है। यह एक पेटेंटेड एल्युमिनियम एलॉय है जिसका आविष्कार हिंडाल्को ने किया है। मध्यप्रदेश के भोपाल में स्थित इस एक्सक्लूसिव शोरूम में इटर्निया की प्रीमियम वीवा प्रमाणित खिड़कियां प्रदर्शित की गई हैं जोकि घरों के अंदर आवाज, प्रदूषण, पानी की लीकेज और तूफानी हवाओं को आने से रोकता है। यह स्टोर मुख्य रूप से भोपाल के लोगों को प्रीमियम सिस्टम एल्युमिनियम विंडो समाधान उपलब्ध कराने के लिए खोला गया है। यह नया स्टोर इटर्निया की महत्वाकांक्षी विस्तार योजना का हिस्सा है और इससे देशभर में इसकी उपस्थिति मजबूत होगी। मध्यप्रदेश में यह इटर्निया का दूसरा स्टोर है। इससे पहले अप्रैल महीने में कंपनी इंदौर में अपना पहला स्टोर खोला था। भोपाल में ब्रांड का प्रवेश करना बाजार में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने और ग्राहकों की बढ़ती मांगों को पूरा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस रिटेल स्टोर में ग्राहकों की जरूरतों और क्लाइंट की पसंद को पूरा करने के लिए उत्पादों की एक विशाल रेंज पेश की गई है।

ब्लिस वेलनेस ने न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में बनाई पहचान

नई दिल्ली। निरंतर बदलते न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट के क्षेत्र में भारत इनोवेशन में सबसे आगे है और कई अत्याधुनिक ट्रेंड्स को बढ़ावा दे रहा है जो इस इंडस्ट्री को एक नया आकार दे रहे हैं। पर्सनलाइज्ड न्यूट्रीशन से लेकर फंक्शनल फ़ूड और बायोएक्टिव कंपाउंड्स तक, ऐसे कई लेटेस्ट इनोवेशन हैं जिन्होंने जो न्यूट्रास्यूटिकल सेक्टर में क्रांति ला रही हैं। हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स के लिए प्रसिद्ध न्यूट्रास्युटिकल ब्रांड ब्लिस वेलनेस की को-फाउंडर हिरनी देसाई के अनुसार भारत न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में इनोवेशन और विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र बन रहा है।

श्रेष्ठ फिनवेस्ट करेगी रिन्यूएबल एनर्जी और क्लीन वॉटर में 250 मिलियन का निवेश

नई दिल्ली। फाइनेंशियल सॉल्यूशंस में लीडिंग श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड और फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी इनीशिएटिव को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक फैसिलिटी एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करके हाथ मिलाया है। उक्त एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने से श्रेष्ठा के लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट के उद्देश्य से रिन्यूएबल एनर्जी और क्लीन वॉटर से जुड़ी परियोजनाओं में ऋण देने की राह आसान हो गई है। कंपनी ने आगे कहा कि अपनी ताकत और संसाधनों को मिलाकर, हमारा लक्ष्य विभिन्न प्रकार की रिन्यूएबल एनर्जी और पानी से जुड़ी परियोजनाओं को मजबूत फाइनेंशियल सपोर्ट देना, सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देना और ग्रीन एनवायरनमेंट और सस्टेनेबल प्रोजेक्ट्स की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाना है।

कार्यालय म.प्र.माध्यस्थम अधिकरण, विन्ध्याचल भवन भोपाल

क्रमांक 628 / दो-12-7/स्था./2018 भोपाल, दिनांक 14.06.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

म.प्र. माध्यस्थम अधिकरण भोपाल में कार्यालय की साफ-सफाई का ठेका मासिक दर पर दिये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-
निविदा के लिये निविदा प्रपत्र रू. 500 नगद जमाकर कार्यालयीन समय में (अवकाशों को छोड़कर) प्राप्त किये जा सकते हैं। सीलबंद निविदायें दिनांक 04.07.2024 को अपरान्ह 4:00 बजे तक जमा की जा सकती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 05.07.2024 को अपरान्ह 4:00 बजे कार्यालय में गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। प्राप्त निविदायें उसके किसी भाग को स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार अधिकरण के माननीय अध्यक्ष के पास सुरक्षित होगा।

(अरविन्द कुमार गोयल)
रजिस्ट्रार
म.प्र. माध्यस्थम अधिकरण, भोपाल

जी - 12004/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यालय सक्षम प्राधिकृत अधिकारी एवं उपवनमण्डलाधिकारी बाड़ी (मु.सु.पुर)

क्रमांक / 692 बाडी/दिनांक/8/04/2024

नोटिस भारतीय वन अधिनियम 1927 धारा 26 (1) क, 41 के तहत

विज्ञप्ति

श्री टी. वेकटाचारी आत्मज स्वर्गीय तिरूमलाचारी निवासी ई-7345 अरेरा कलोनी मित्र मंडल सोसायटी भोपाल (म.प्र.) को सूचित किया जाता है कि वन अपराध प्रकरण कमांक 45476/08 दिनांक 01.02.2024 में जप्त वाहन अल्टो कार का रजि. नंबर **MP04/HC-8658** का इंजन नंबर 1097406 की इस न्यायालय में राजसात की कार्यवाही प्रचालित है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप समाचार प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस के अंदर इस न्यायालय में उपस्थित होकर जप्त वाहन के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तथा अपने पक्ष समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करें, निर्धारित समयावधि में उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर वाहन राजसात संबंधी आदेश पारित कर दिया जावेगा। बाद में कोई तर्क मान्य नही होगा।

(रूहीं हक स.व.सं.)
सक्षम प्राधिकृत अधिकारी
बाड़ी (मु0सुल्तानपुर) जि. रायसेन

जी - 11987/24 देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग

राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग भोपाल (मिसरोद) -462047
ई-मेल- eepwdnhbhopal@gmail.com फोन नम्बर-0755-2488956

सूचना क्रमांक 01/वा.ले.लि./टेण्डर/24-25 **निविदा सूचना** भोपाल दिनांक 14/06/2024

म.प्र. राज्यपाल की ओर से पंजीकृत टेक्सी परमिट वाहनों को मुख्य अभियंता रा.रा. परिक्षेत्र भोपाल एवं कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग रा.रा.मार्ग संभाग भोपाल के अन्तर्गत निम्न प्रकार के वाहन शासकीय कार्यालय उपयोग/ निर्माण कार्यो के निरीक्षण हेतु मासिक दर पर वाहन किराये पर लिये जाने हेतु आन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई.टेण्डर आई.डी.नम्बर	स.क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन संख्या	शर्त	मॉडल वर्ष	वाहन जहाँ उपयोग में लिया जाना है।
2024_PWDRB_351147_1	01	इनोवा क्रिस्टा (सेकण्ड टॉप या उससे ऊपर)	01	चालक सहित बिना डीजल	माह जनवरी 2021 या बाद में क्रय एवं टेक्सी कोटे में पंजीकृत	01 इनोवा क्रिस्टा समस्त मध्य प्रदेश में उपयोग हेतु प्रदाय होगी।
	02	स्कार्पियो या समकक्ष (सेकण्ड टॉप या उससे ऊपर)	03			परिक्षेत्रीय कार्यालय एवं मुख्य अभियंता के निर्देशानुसार परिक्षेत्र के अंतर्गत सोपें जाने वाले कार्यो हेतु।
	03	स्कार्पियो या समकक्ष (सेकण्ड टॉप या उससे ऊपर)	01			संभागीय कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कार्यो के पर्यवेक्षण हेतु
	04	बोलेरो या समकक्ष	03			उपसंभाग अंतर्गत निर्माण कार्यो के पर्यवेक्षण हेतु।

निविदा आमंत्रण की सम्पूर्ण शर्ते एवं अन्य जानकारी http://mptenders.gov.in पर दिनांक 14.06.2024 समय प्रात : 10:30 से दिनांक 28.06.2024 तक समय सायं 05:30 तक क्रय/ऑन लाईन प्रस्तुत की जा सकती है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा।

जी - 12016/24 देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

(विजय सिंह) कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि.रा.रा. संभाग भोपाल

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला - सीहोर (म.प्र.)

{Ph.No.: 07562-224141, E-mail.: deo.mpedshe@mp.gov.in}

विज्ञप्ति सीहोर, दिनांक 13/06/2024

- ..राजसात वाहनों के निवर्तन हेतु निविदा आमंत्रण सूचना ..-

सर्वसाधारण की जानकारी एवं मोटर आपरेटर्स की विशेष जानकारी के लिए यह सूचना प्रकाशित की जाती है कि जिला सीहोर में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के अंतर्गत मदिरा के अवैध परिवहन में जप्तशुदा एवं धारा 47 (क) (2) अंतर्गत राजसात वाहनों के निवर्तन हेतु सीलबंद निविदाएं कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी जिला सीहोर (म.प्र.) पर आमंत्रित की जाती हैं। राजसात किए गए वाहन निम्न सारणी अनुसार उनके सम्मुख दर्शाए स्थान पर अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेंगे। निविदा की शर्तो एवं निविदा फार्म क्रय/प्राप्त किए जाने तथा अन्य जानकारी अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रत्येक कार्य दिवस में दिनांक 27.06.2024 को समय दोपहर 12:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला सीहोर से प्राप्त की जा सकती है। राजसात वाहन के निवर्तन हेतु निविदा की पूर्ण पूर्ति के पश्चात् इच्छुक व्यक्ति द्वारा सीलबंद निविदाएं दिनांक 27.06.2024 को दोपहर 01:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी जिला सीहोर में जमा की जाना अनिवार्य होगा। निर्धारित दिनांक एवं समय पश्चात् प्राप्त होने वाली निविदाएं ग्राह्य नहीं की जावेगी। प्राप्त निविदाएं 27.06.2024 को दोपहर 03:00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष, जिला सीहोर में उपस्थित निविदादाताओं / अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष कलेक्टर द्वारा गठित समिति द्वारा खोली जावेंगी। परंतु निविदादाताओं की अनुपस्थिति निविदा खोलने की प्रकिया में बाधक नहीं होगी। ऑफसेट प्राईज के समतुल्य अथवा अधिक राशि का ऑफर प्राप्त होने पर वाहन का निवर्तन उच्चतम टेण्डरदाता के पक्ष में किया जावेगा। ऑफसेट प्राईज से कम राशि के प्राप्त उच्चतम ऑफर को होल्ड कर नियमानुसार विचारण कर समिति द्वारा निर्णय लिया जावेगा। वाहन का प्रकार एवं उसका ऑफसेट प्राईज निम्नानुसार है:-

क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन का पंजीयन क्रमांक	ऑफसेट प्राईज	वाहन के रखे होने/अवलोकन किए जाने का स्थान
1.	2.	3.	4.	5.
1.	कार	MP-22-CA-1852	90,000/-	थाना श्यामपुर
2.	मारूति ओमनी वेन	MP-04-BA-9567	78,400/-	पुलिस थाना सिददीकगंज
3.	इंडिका कार	MP-04-CR-3574	1,00,000/-	पुलिस थाना शाहगंज
4.	टवेरा	MP-04-T-8678	1,25,000/-	पुलिस थाना शाहगंज
5.	टाटा सफारी कार	MP-04-TA-3771	1,30,000/-	पुलिस थाना अहमदपुर
6.	आइशर ट्रक	MP-09-GF-3714	2,00,000/-	पुलिस थाना आष्टा
7.	कार	MP-04-CA-4916	90,000/-	पुलिस थाना दोराहा
8.	टाटा सफारी कार	MP-04-CB-8111	4,05,000/-	पुलिस थाना शाहगंज
9.	मारूति 800 कार	MP-04-HC-0485	75,000/-	पुलिस थाना शाहगंज
10.	टी.वी.एस. मो. सायकल	MP-05-MN-1932	22,000/-	थाना रेहटी
11.	वाश वेगन पोलो कार	MP-04-CH-5668	2,28,000/-	थाना शाहगंज
12.	अल्टो कार	MP-43-C-0860	80,000/-	थाना बुदनी
13.	शाईन मो. सायकल	MP-09-MM-5603	65,000/-	थाना मण्डी
14.	सी.टी. 100 बिना नम्बर मोटर सायकल	इंजन न.-DUMBMG13698 चोसिस न. -DUFBMH42852	5500/-	थाना इछावर
15.	इनोवा कार	MP-48-C-0999	6,00,000/-	थाना शाहगंज
16.	इका स्पोर्टस कार	MP-07-CE-9623	7,00,000/-	थाना शाहगंज

1. निविदा खोलने वाले हॉल में निविदादाता अथवा उसका वैध प्रतिनिधि के द्वारा धारित निविदा प्रपत्र क्रय करने के चालान की छायाप्रति ही गेटपास माना जावेगा। 2. वाहन के निविदा आवेदन पत्र के साथ वाहनों की निर्धारित आफँसेट प्राईज की 10 प्रतिशत राशि (धरोहर) किसी राष्ट्रीयकृत बैंक, अधिसूचित बैंक, अधिसूचित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से बैंक ड्राफट एवं बैंक केश आर्डर जिला आबकारी अधिकारी जिला सीहोर के नाम जमा किया जाना अनिवार्य हैं। 3. वाहन जिस हाल में है, जहां खड़ा है, उसी हालत में सौंपा जाएगा तथा वाहन पर किसी भी शासकीय / अशासकीय देयताओं का भार सफल टेण्डरदाता पर होगा। 4. निर्धारित समयसीमा के पश्चात प्राप्त निविदा मान्य नहीं होगी। 5. निविदा की शर्ते, नियम एवं निविदा फार्म रूपए 300/- प्रोसेसिंग शुल्क मद 0039 स्टेट एक्साइस 800 अन्य प्राप्तियों के मद में सायबर कोषालय के माध्यम से चालान जमा कर अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में निविदा 27.06.2024 तक दोपहर 12:00 बजे कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी सीहोर (म.प्र.) से प्राप्त किए जा सकते हैं। 6. नियत दिनांक तक उपरोक्त वाहनों में से किसी भी वाहन के अधिहरण को स्थगित / निरस्त करने संबंधी किसी भी सक्षम न्यायालय का आदेश प्राप्त होने पर उस वाहन को नीलामी से पृथक रखने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को रहेगा। 7. अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदा के कार्यक्रम में परिवर्तन का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को रहेगा।

जी - 11967/24 सड़क सुरक्षा नियमों को अगर अपनाओगे, खुद के साथ-साथ दूसरों की भी बचाओगे।

कलेक्टर
जिला- सीहोर (म.प्र.)

चिंतन

रोजमर्रा की चीजों की बढ़ती महंगाई पर लगाम जरूरी

बेशक शेयर बाजार नित नए रिकार्ड बना रहे हों, जीएसटी कलेक्शन नई ऊंचाई छू रहा हो, प्रत्यक्ष कर संग्रह का आंकड़ा चार लाख करोड़ को पार कर गया हो, जीडीपी ग्रोथ के अनुमान सात फीसदी से ऊपर लगाए जा रहे हों, रिजर्व बैंक नीतिगत दरें नहीं बढ़ा या घटा रहे हों, लेकिन अर्थव्यवस्था की दूसरी तस्वीर पीड़ा देने वाली है। आम आदमी को प्रभावित करने वाली महंगाई प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश में इस वक्त गेहूं का भंडार 16 वर्ष में सबसे कम है, सरकार ने 29 फीसदी कम खरीद की है। गेहूं एक साल में 8% महंगा हुआ है। पिछले 15 दिन में ही कीमतें 7% बढ़ चुकी हैं, जो अगले 15 दिन में 7% और बढ़ सकती हैं। आंकड़ों में बेशक महंगाई नियंत्रित लग रही हो, लेकिन लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों की हर वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। दूध, गेहूं आटा, चावल, ब्रेड, बटर, पनीर, दही, लस्सी, पैक्ड फूड, आइसक्रीम, चॉकलेट, चायपत्ती, कॉफी, साबुन, हेयर ऑयल, टूथपेस्ट, खाद्य तेल, दाल, गुड़, सब्जी, फल, बोतलबंद पानी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, नूडल्स आदि सभी के भाव दो से बीस प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। गरीब, नियो मिडिल क्लास, निम्न मध्यवर्ग, नौकरीपेशा मिडिल क्लास आदि के लिए दैनिक जीवनयापन मुश्किल से मुश्किल होता जा रहा है। इन सभी आयवर्ग में देश में करोड़ों लोग हैं। देश की खाने-पीने से जुड़ी कंपनियां मनमाने ढंग से अपने उत्पादों के दाम बढ़ा रही हैं, इसको लेकर सरकार की ओर से चेक एंड बैलेंस नहीं हैं। इतना ही नहीं हाल के दिनों में इलेक्ट्रानिक गजट से लेकर लैपटॉप, टीवी, कंप्यूटर, फ्रीज, एसी, कूलर, पंखा आदि के दाम भी दस से बीस प्रतिशत बढ़ गए हैं, सभी प्रकार के वाहन महंगे हैं, पेट्रोल और डीजल के दाम पहले से लागत से बहुत अधिक हैं, सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां मुनाफा काट रही हैं, टॉल टैक्स की दरें ज्यादा हैं, रेल किराये से लेकर बस किराये तक बढ़ते गए हैं। आम आदमी हर तरफ से महंगाई के चक्रव्यूह में हैं। सरकार की मूल्य नियंत्रण प्रणाली या तो सीमित है या निष्प्रभावी है। देश में चीजों की कमी नहीं है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला के दायरे में आने वाले हर चीज इंटरलिंक्ड है। इसलिए महंगाई को नियंत्रित करने के लिए व्यापक दृष्टिकोण की जरूरत है। सरकार रिजर्व बैंक के भरोसे है कि वह महंगाई को नियंत्रित कर रहा है। रिजर्व बैंक के पास केवल मौद्रिक नीति हथियार है। रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति के जरिये रेपो रेटों को नियंत्रित रखता है, महंगाई अधिक होती है, तो रेपो रेट बढ़ा दिए जाते हैं, महंगाई कम होती है तो रेपो रेट घटा दिए जाते हैं। रिजर्व बैंक अपने इस कदम से केवल पूंजी बाजार में लिक्विडिटी को नियंत्रित करता है। रिजर्व बैंक का मौद्रिक उपाय महंगाई नियंत्रण के लिए किए जाने वाले कई उपायों में से एक है। इससे महंगाई पूरी तरह नियंत्रित नहीं का जा सकती है। महंगाई नियंत्रण के लिए सरकार को अनेक मोर्चे पर काम करना होगा। कंपनियों की प्राइसिंग पद्धत्ति, आपूर्ति सिस्टम में सुधार, जमाखोरी व कालाबाजी पर रोक, कंपनियों द्वारा दाम बढ़ाने के मनमाने तरीके पर लगाम आदि काम करने होंगे। देश में सेबी या इरडा या ट्राई की तरह प्राइसिंग सिस्टम व कंट्रोलिंग नियामक का गठन करना होगा, जो मूल्य नियंत्रण के लिए मूल्य निर्धारण से लेकर आपूर्ति तंत्र तक के लिए काम करेगा। पीएम मोदी की नई राजग सरकार को महंगाई नियंत्रण के लिए आउट ऑफ बॉक्स जाकर नया मैकेनिज्म बनाना चाहिए। यह महंगाई ही थी, जो लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी भाजपा को नुकसान पहुंचाई है।

ज्वलंत मुद्दा
योगेश कुमार गोयल

> पानी को लेकर कुछ समय पूर्व सामने आई वैश्विक संकट की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला यह तथ्य सामने आया था कि जल संरक्षण के प्रयासों को गति देने के बजाय दुनियाभर में पानी को बेतहाशा बहाया गया है। ऐसे में 'जल है तो कल है' जैसे नारे केवल किताबों तक ही सीमित दिखते हैं। केवल यह समझने से ही काम नहीं चलेगा कि पानी की एक-एक बूंद बेशकीमती है, बल्कि इसे सहेजने के लिए भी देश के हर नागरिक को संजीदा होना पड़ेगा। देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून दस्तक दे चुका है, जो इस महीने के अंत तक उत्तर भारत में भी पहुंच जाएगा। विकराल होती समस्या के मद्देनजर बेहद जरूरी है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने के लिए तैयारी कर लें।

जल संकट को दूर करने के उपाय हों

एक ओर जहां भीषण गर्मी के कारण देश के अनेक हिस्सों में प्राकृतिक जलस्त्रोतों के सूखने के कारण वहां जल संकट गंभीर हो रहा है, वहीं इन दिनों आरोप-प्रत्यारोपों और सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जल संकट का मामला भी सुर्खियों में है। गर्मी के मौसम में हर साल की यही कहानी है। कहीं जलस्त्रोतों के सूखने के कारण लोग पानी की समस्या से जूझते हैं तो कहीं विभिन्न राज्यों के बीच जल बंटवारे को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी नदी के जल बंटवारे का मुद्दा समय-समय पर तूल पकड़ता है, वहीं 1966 में हरियाणा के अस्तित्व आने के बाद से ही हरियाणा और पंजाब के बीच भी सतलुज नदी के जल बंटवारे का विवाद गर्माता रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देश पानी के अभूतपूर्व संकट से जूझ रहे हैं।

पानी को लेकर कुछ समय पूर्व सामने आई वैश्विक संकट की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला यह तथ्य सामने आया था कि जल संरक्षण के प्रयासों को गति देने के बजाय दुनियाभर में पानी को बेतहाशा बहाया गया है। ऐसे में 'जल है तो कल है' जैसे नारे केवल किताबों तक ही सीमित दिखते हैं। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट की इस रिपोर्ट में आशंका व्यक्त की गई थी कि यदि पानी नहीं बचाया गया तो दुनियाभर में आने वाले वर्षों में जीडीपी के नुकसान के साथ वैश्विक खाद्य सुरक्षा संकट तक का खतरा बन सकता है। दरअसल पानी न केवल ऊर्जा और कृषि उत्पादन के लिए आवश्यक घटक है बल्कि औद्योगिक उत्पादन भी पूरी तरह से पानी पर ही निर्भर करता है, ऐसे में जल संकट बढ़ने का सीधा सा अर्थ है विकास के पायदान पर तेजी से नीचे गिरना। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में चेताते हुए बताया गया था कि दुनिया की करीब एक चौथाई आबादी वाले 25 देशों में जल संकट तेजी से बढ़ रहा है और यदि ऐसा ही चलता रहा तो वर्ष 2050 तक इन देशों की जीडीपी को आधे से ज्यादा नुकसान हो जाएगा। चिंता की बात यह है कि जिन 25 देशों का इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया, उनमें भारत भी सूची में 24वें स्थान पर शामिल था। पानी को लेकर वैश्विक संकट की यह रिपोर्ट यह दर्शाने के लिए पर्याप्त है कि जल संरक्षण को लेकर किसी की कोई दूरगामी तैयारी नजर नहीं आती। जल संकट को यदि भारत के ही संदर्भ में देखें तो गहराते जल संकट की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि इस साल गर्मी की शुरूआत से पहले ही बेंगलुरु में पानी के लिए कई दिनों तक हाहाकार मचा रहा था, जहां स्थिति अब तक सामान्य नहीं हो पाई है। देश में मानसून काल में अरबों-खरबों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है, जबकि दूसरी ओर बारिश के मौसम में अब हर साल कई राज्यों में पानी से भारी तबाही की तस्वीरें लगातार सामने आती रहती हैं, ऐसे में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नियम-कायदे किताबों से निकलकर धरातल पर आते प्रतीत नहीं होते। देश में जल संकट गहराते जाने की प्रमुख वजह है भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर। एक ओर जहां ग्रामीण इलाकों में सिंचाई के लिए भूजल का दोहन

हो रहा है तो दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में उद्योगों में बड़े पैमाने पर भूजल का दोहन किया जा रहा है। हमारे यहां स्थिति इतनी विकट है कि गर्मी के मौसम की शुरूआत के साथ ही कई जगहों पर लोगों के बीच पानी को लेकर मारपीट की नौबत आ जाती है, लेकिन बारिश के मौसम में इसी पानी से तबाही की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। हालांकि जलशक्ति मंत्रालय के आंकड़ों से यह अवश्य पता चलता है कि देश में भूजल दोहन में विगत पांच वर्षों के मुकाबले कुछ सुधार हुआ है और यह 63 से 60 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है, लेकिन पांच वर्षों के अंतराल में भूजल दोहन में महज तीन फीसद की ही कमी आने को संतोषजनक नहीं माना जा सकता। विशेषज्ञों के मुताबिक आगामी 25-25 वर्षों की जरूरत के लिए नदी जोड़ो योजनाएं तो स्वीकृत की गई हैं,लेकिन इसके साथ ही पुरानी जल संरचनाओं को सहेजने तथा नई विकसित करने की ओर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि तर्क दिया जा सकता है कि देश की बढ़ती आबादी के हिसाब से पानी की जरूरत भी बढ़ती गई है और 1960 के बाद से अभी तक पानी की मांग दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है, लेकिन जल संकट की मूल समस्या पानी की मांग का बढ़ना नहीं बल्कि जल संरक्षण की बड़े स्तर पर अनदेखी है। जलशक्ति मंत्रालय की ही रिपोर्ट बताती है कि देश के कुछ राज्यों में अभी भी भूजल का जमकर दोहन हो रहा है, जिनमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा इत्यादि सबसे आगे हैं। एक ओर पानी के बंटवारे को लेकर विभिन्न राज्यों के बीच आपसी विवाद और दूसरी ओर भूमिगत जल का गिरता स्तर, ये परिस्थितियां देश में जल संकट की समस्या को और विकराल बनाने के लिए काफी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय दुनियाभर में करीब 3 बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग यह समस्या झेल रहे हैं। पानी की समस्या एशिया में और खासतौर से भारत में तो काफी गंभीर रूप धारण कर रही है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्त्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन फीसदी पानी ही स्वच्छ है और उसमें से भी लगभग दो फीसदी पानी पहाड़ों और ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि बाकी एक फीसदी पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। शेष पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी नहीं है।

स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। हालांकि पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक भूजल के अलावा नदियों, जलाशयों और वर्षा से जितना पानी उपलब्ध है, वह हमारी न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की जरूरतों के लिए भी पर्याप्त है लेकिन बढ़ते शहरीकरण ने जलाशयों और छोटी नदियों को निगल लिया है। ऐसे में प्रभावी रूप से भूजल का दोहन कम करने के साथ-साथ प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण जरूरी है। गहराते जल संकट से बचाव का यही एकमात्र रास्ता नजर आता है। बहरहाल, केवल यह समझने से ही काम नहीं चलेगा कि पानी की एक-एक बूंद बेशकीमती है, बल्कि इसे सहेजने के लिए भी देश के हर नागरिक को संजीदा होना पड़ेगा। देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून दस्तक दे चुका है, जो इस महीने के अंत तक उत्तर भारत में भी पहुंच जाएगा। ऐसे में जल संकट की विकराल होती समस्या के मद्देनजर बेहद जरूरी है कि पानी की एक बूंद-बूंद सहेजने के लिए अभी से पूरी तैयारी कर लें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष

डॉ. ए. आर. दल्ला

सिकलसेल:रोशनी की तलाश

सिकलसेल एनीमिया एक ऐसी अनुवांशिक बीमारी है, जिससे विश्व के पांच प्रतिशत लोग प्रभावित हैं। सिकलसेल रोग के कारण विश्व में 5000 बच्चे प्रतिदिन पैदा होते हैं और इसमें से 60 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु 5 वर्षों के पहले हो जाती है। सदियों तक इस बीमारी की पहचान नहीं हो सकी। वर्ष 1910 में डॉक्टर मेसन एवं जेम्स हेरिक ने पहली बार अपने माइक्रोस्कोप में लाल रक्त के गोलाकार हीमोग्लोबिन को हसिये के अर्धचंद्रार विकृत रूप में इसे देखा इस विकृति में हीमोग्लोबिन के लाल रक्त कण नुकीले और कठोर होकर शरीर की सुक्ष्म रक्तवाहिनों में फंसकर रक्त प्रवाह बाधित कर देते हैं। परिणामस्वरूप फेफड़े, तिल्ली, लिवर, किडनी, और मस्तिष्क जैसे अंगो को प्रभावित कर अल्प आयु में ही मृत्यु का कारण भी बनते हैं। बहुत दिनों तक इस रोग के निदान पर प्रगति नहीं हुई। पहले यह रोग अश्वेत अफ्रीकन लोगों का रोग माना जाता था। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से मालूम हुआ कि यह विकृति भारत, अरब, और मेडिटरेनियन के ऐसे देशों में व्याप्त है जहां घने जंगल है और मलेरिया का प्रकोप है। कालांतर में प्रवासित लोगों के माध्यम से यह रोग यूरोप और अमेरिका तक पहुंचा। वर्ष 1952 में भारत में इसका संज्ञान लिया गया। देखा गया कि यह रोग मध्य भारत के गुजरात, विदर्भ, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, और आंध्रप्रदेश की एक पट्टी में देखा गया,जहां आदिवासी और पिछड़े लोग बहुतायत से रहते हैं। इस क्षेत्र में 15 से 30 प्रतिशत लोग सिकल रोग के वाहक हैं। अनुमान है कि विश्व के आधे सिकल वाहक भारत में रहते हैं। अंततः वर्ष 2008 में संयुक्त राष्ट्र ने इसका संज्ञान लिया और घोषणा की कि सिकलसेल ऐसी घातक अनुवांशिक बीमारी है। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने अपने प्रस्ताव में कहा कि विश्व के सभी प्रभावित देश अपने स्वास्थ्य कार्यक्रम में इस रोग को स्थान दें। इस पृष्ठभूमि में संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिवर्ष 19 जून को विश्व सिकल दिवस मनाने की घोषणा की। इस वर्ष 2024 के विश्व सिकल दिवस पर सभी प्रभावित देशों को एकजुट होकर जनजागरण अभियान चलाने का थीम दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के साथ ही इस रोग का संज्ञान लिया जा चुका था। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2004 से 'प्रोजेक्ट सिकल छत्तीसगढ़' प्रारंभ हुआ, रायपुर में मालेकुलर और जेनेटिक लैब की स्थापना हुई। वर्ष 2008 में रायपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सिकल कांग्रेस में, विश्व का ध्यान आकर्षित करने हेतु एक प्रस्ताव पारित कर भारत के महामहिम को भी सौंपा गया। रायपुर में देश के पहले सिकलसेल नियंत्रण संस्थान की स्थापना हुई। भारत में राष्ट्रीय स्तर सिकल कार्यों को प्रगति तब मिली जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका संज्ञान लिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होने अपने पहले जापान दौरे में ही याकोहोमा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों को सिकल रोग के उन्मूलन के अनुसंधान पर विशेष कार्य प्रारंभ करने का आग्रह किया। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री ने सिकलसेल की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश के शहडोल में एक विशेष सिकलसेल नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया। प्रारंभिक तौर पर यह भारत के 17 प्रभावित राज्यों के 275 जिलों के आदिवासी इलाकों में सिकलरोग के सर्वेक्षण, रोकथाम एवं जनजागरण का मिशन मोड में कार्य करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक सिकल व्याधि के उन्मूलन का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। इस अवसर पर प्रभावित जिलों के डॉक्टर, नर्सों और शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक विशेष मॉडल का विमोचन भी किया गया। सिकल पीड़ित विवाह योग्य युवकों के लिए जेनेटिक काउंसलिंग के लिये एक डिजिटल कार्ड भी बनाया गया है। अफ्रीका के सिकल रोग की तुलना में भारतीय सिकल रोगग्रस्त शिशुओं में फीटल हीमोग्लोबिन की मात्रा अधिक है, इसके चलते भारत के सिकलग्रस्त बच्चों में दर्द की तीव्रता और मृत्युदर कम देखी गई है। इस तथ्य के आधार पर अब फीटल हीमोग्लोबिन को एडल्ट हीमोग्लोबिन में परिवर्तित करने की जेनेटिक इंजीनियरिंग पर कार्य हो रहा है। इसके अन्वेषण करने के लिए नवजात बच्चों का रक्त परीक्षण किया जाना आवश्यक है। हायड्रोक्सी यूरिया और कुछ नई दवाओं के चलते सिकलिंग की प्रक्रिया में कमी आई है। जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से जीन रिप्लेसमेंट पर कार्य हो रहे हैं। अब फिटल हीमोग्लोबिन को एडल्ट हीमोग्लोबिन में परिवर्तित कर सिकलसेल रोगी को दिया जा सकेगा। आने वाले समय में प्रयोगशाला में नए जीन का निर्माण कर बोनमैरो के विकृत जीन के बदले स्वस्थ जीन को प्रतिस्थापित किया जाने पर भी शोध चालू है। समय बदल रहा है। आने वाला समय, नई रोशनी लेकर आएगा। भविष्य में हम सिकल गाथा की पूर्ण समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

(लेखक छत्तीसगढ़ प्रोजेक्ट सिकल के पूर्व अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम दोषों को खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वहस्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। श्रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

मानवता भीतर के संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुऐ रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहां मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लड़के ने इनकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपये देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपये देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहा, साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टी.एन. शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

सटाका

आज की पाती

बढ़ती जाएगी मरुस्थल और सूखे की समस्या

17 जून को विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1995 से हर वर्ष 17 जून को मरुस्थलीय और सूखे से निपटने के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस वर्ष इस दिवस का थीम है : धरती के लिए एकजुट : हमारी विरासत, हमारा भविष्य। आज लगभग सारी दुनिया में प्रकृति का दोहन हो रहा है, प्रदूषण बढ़ रहा है और पर्यावरण बिगड़ता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन हुआ है। इन सभी कारणों के कारण सारी दुनिया के मरुस्थलीय और सूखे की चपेट में आने की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ गई है। इसके लिए सारी दुनिया चिंता में है। *– सरोज साहू, बलौदाबाजार*

ट्रेंड

साई की अहम भूमिका

देश-विदेश में होने वाले विभिन्न प्रकार के खेल आयोजनों में भारतीय खेल प्राधिकरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इसको और अधिक सुदृढ़ करने पर हम कार्य करेंगे। साई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और इसकी कार्यप्रणाली के विषय पर चर्चा की।
-मनसुख मंडाविया, केंद्रीय मंत्री

यथार्थ बोध परम लक्ष्य

जीवन का परम लक्ष्य यथार्थ बोध ही है। सत्संग का आश्रय लेकर अपने अस्तित्व को अनुभूत करने का प्रयत्न करना चाहिए। हम अंतर्मुखी हों। शरीर, मन, बुद्धि की सीमाओं से पृथक होकर आत्मा की दिव्यता का अनुभव हमारी प्राथमिकता बने।
-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

संगठित भ्रष्टाचार

नीट परीक्षा में 24 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ पर भी नरेंद्र मोदी हमेशा की तरह मौन धारण किए हुए हैं। गिरफ्तारियों से साफ है कि परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से संगठित भ्रष्टाचार हुआ है और ये भाजपा शासित राज्य पेपर लीक का एपिसेंटर बन चुके हैं।
-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

बच्चों का भविष्य बर्बाद हुआ

मोदी सरकार का घोटाला है नीट। इससे बच्चों का भविष्य बर्बाद हुआ है। 720 नंबर 67 बच्चे टॉप कर गए एक साथ, क्या ये संभव है? जब 14 जून को परिणाम आने थे तो 4 जून को जब चुनावी नतीजे आने थे तब परिणाम क्यों घोषित किए?
-संजय सिंह, आप नेता

करंट अफेयर

एआई यहूदी नरसंहार पर दे सकता है झूठी जानकारी

संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने चेताया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में होते जा रहे विकास के परिणामस्वरूप यहूदी नरसंहार (होलोकॉस्ट) की घटना से इनकार के मामलों में नया उछाल आ सकता है।

यूनेस्को द्वारा मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के निष्कर्ष में कहा गया है कि एआई के परिणामस्वरूप यहूदी नरसंहार के बारे में ऑनलाइन झूठे और भ्रामक दावे किए जा सकते हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसा या तो 'प्रोग्राम' में खामियों के कारण होगा या फिर नफरत करने वाले समूह और 'होलोकॉस्ट' से इनकार करने वाले लोग जानबूझकर एआई 'प्रोग्राम' का उपयोग ऐसी सामग्री उत्पन्न करने के लिए करेंगे जो नाजियों द्वारा यहूदियों और अन्य समूहों की हत्या पर गलत तरीके से सवाल उठाएगी। सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह है कि एआई का उपयोग 'होलोकॉस्ट' के तथाकथित डीपफेक बनाने के लिए किया जा सकता है। ऐसा यह बताने के लिए किया जा सकता है कि 'होलोकॉस्ट' जैसा कुछ हुआ ही नहीं था या फिर यह अतिरंजित था। इससे यहूदी विरोधी भावना बढ़ सकती है और 20वीं सदी के इतिहास के एक महत्वपूर्ण क्षण से जुड़ी समझ में कमी आ सकती है।

ऑफ बीट

हाइड्रोजन पर जीवित रह सकते प्राचीन जीव

ब्रह्मांड में सभी पदार्थों का तीन-चौथाई हिस्सा हाइड्रोजन से बना है। भयंकर भूवैज्ञानिक और ज्वालामुखी गतिविधि के कारण युवा पृथ्वी भी हाइड्रोजन से

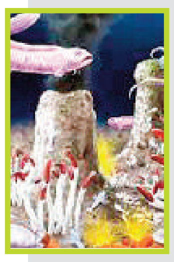

समृद्ध थी। जिस तरह तारे परमाणु प्रतिक्रियाओं के माध्यम से गर्मी और प्रकाश उत्पन्न करने के लिए हाइड्रोजन को जलाते हैं, उसी तरह रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से इस सरल अणु से ऊर्जा निकालकर जीवन का उदय हुआ। इनमें से कुछ प्रारंभिक जीवन रूप आर्किया थे : जीवन का एक रहस्यमय तीसरा रूप जिसे केवल 1970 के दशक में खोजा गया। (अन्य दो रूप बैक्टीरिया और यूकेरियोट्स हैं, वह समूह जिसमें सभी जानवर, पौधे और कवक शामिल हैं।) हमने यह समझने के लिए आर्किया की हजारों प्रजातियों का अध्ययन किया है कि वे हमारे लगातार बदलते ग्रह पर अरबों वर्षों तक कैसे पनपी हैं। उनके आनुवंशिक ब्लूप्रिंट में हमें हाइड्रोजन गैस से ऊर्जा प्राप्त करने के लिए विशेष एंजाइम (जिन्हें हाइड्रोजनेसिस कहा जाता है) के उत्पादन के संकेत मिले, जो उन्हें पृथ्वी पर कुछ सबसे कठिन वातावरणों में जीवित रहने में मदद देता है। हमारा नवीनतम शोध सैल और नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुआ है।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

पीएम मोदी शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में करेंगे योग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल योग दिवस के मौके पर श्रीनगर में होने वाले आयोजन में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम डल झील के पास ही स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि इस बार योग दिवस की थीम है, 'योग स्वयं और समाज के लिए। जाधव ने कहा कि इस थीम का अर्थ है कि कैसे हम योग से खुद की आतंरिक शक्ति बढ़ा सकते हैं और समाज का भी कल्याण इससे संभव है। मंत्री ने कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक औक आध्यात्मिक विकास होता है। इसके अलावा समाज में भी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।

थीम 'योग स्वयं और समाज के लिए'

योग दिवस के मौके पर श्रीनगर में करेंगे शिरकत

आयुष मंत्री जाधव ने बताया योग का महत्व

पीएम मोदी का जम्मू कश्मीर दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20-21 जून को जम्मू कश्मीर के दौरे पर जा रहे हैं। वे 21 जून को श्रीनगर में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को 'योग महोत्सव 2024' के रूप में मनाया जाएगा। इसका विषय 'महिला सशक्तीकरण के लिए योग' रखा गया है।

ग्राम प्रधानों को पत्र भेजा

गांवों में हर व्यक्ति तक योग दिवस का संदेश पहुंचाएं

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने देश के सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखा है। उन्होंने अपील की है कि गांवों में हर व्यक्ति तक योग दिवस का संदेश पहुंचाया जाए और उन्हें हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। यही नहीं इस दौरान उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए ब्रेल लिपि में एक पुस्तक भी रिलीज की, जो योग पर आधारित है। यह पुस्तक बच्चों को योग सीखने और उसका अभ्यास करने में मदद करेगी। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने योग दिवस के प्रस्ताव को माना था और तब से ही हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी 'मन की बात' फिर करेंगे शुरू

30 जून को देशवासियों के साथ विचार साझा करेंगे

योग दिवस के अलावा पीएम मोदी इस सप्ताह के रविवार से दोबारा 'मन की बात' कार्यक्रम शुरू करने वाले हैं। आगामी 30 जून को एक बार फिर आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों के साथ विचार साझा करेंगे। मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर खुद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपको यह बताते हुए प्रसन्न्ता हो रही है कि चुनाव के कारण कुछ महीने के अंतराल के बाद 'मन की बात' की एक बार फिर से वापस हो रही है। इस महीने का कार्यक्रम 30 जून को होगा। आप सब इस कार्यक्रम के लिए 'माईगोव ओपन फोरम' या 'नमो एप' पर अपने विचार साझा करें। आप 1800117800 पर अपने संदेश रिकार्ड भी कर सकते हैं।

चुनाव से पहले बंद हुआ था कार्यक्रम

पीएम मोदी ने 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद देशवासियों के साथ संवाद के लिए आकाशवाणी पर मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' शुरू किया था। उनके दूसरे कार्यकाल में भी यह कार्यक्रम हर महीने प्रसारित किया गया। मार्च में आम चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू होने पर यह कार्यक्रम बंद हो गया था।

खबर संक्षेप

विधायक किरण और बेटी ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस विधायक किरण चौधरी ने बेटी और पूर्व सांसद श्रुति चौधरी के साथ इस्तीफा दे दिया है। ये भाजपा का दामन थाम सकती हैं। श्रुति चौधरी पूर्व सांसद भी हैं। चर्चा है कि किरण चौधरी बुधवार को दिल्ली पहुंचकर भाजपा का दामन थाम सकती हैं। किरण चौधरी वर्तमान हरियाणा की तोशाम सीट से विधायक हैं।

रेड्डी भी ईवीएम पर भड़के मतपत्रों से हो चुनाव

अमरावती। वाईएसआरसीपी के सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी नेचुनावों में ईवीएम की जगह मतपत्रों का इस्तेमाल पर जोर दिया। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद रेड्डी ने दावा किया कि हर उन्नत लोकतंत्र में मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए हमें भी उसी ओर बढ़ना चाहिए।

मुंबई में बीच सड़क पर एक्स-गर्लफ्रेंड का मर्डर

मुंबई। 20 साल के युवक की ओर से अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड आरती यादव की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मुंबई के पास एक बिजी रोड पर इस घटना को अंजाम दिया गया। सनकी आशिक ने रिंच से युवती पर तब तक हमला किया जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। लोग मौजूद थे मगर चुपचाप यह नजारा ही देखते रहे। आरोपी की पहचान रोहित यादव बताया है।

बालासोर में झड़प के बाद लगा कर्फ्यू, इंटरनेट बंद

बालासोर। ओडिशा के बालासोर में दो समूहों के बीच झड़प के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया। प्रशासन ने कुछ संवेदनशील इलाकों में इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी और लोगों से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि 17 की मध्यरात्रि से 18 जून की मध्यरात्रि तक कर्फ्यू लगा रहा। सीएम मोहन चरण माझी ने तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया था।

कांवड़िए-पुलिसवाले भिड़े अफसर ने मांगी माफी

हरिद्वार। हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों के दल और पुलिसकर्मियों के बीच टकराव हो गया? कांवड़ियों ने मौके पर जमकर हंगामा काटा बवाल इतना बढ़ गया कि कांवड़ भी खंडित हो गई और पुलिस को वापस हर की पैड़ी से जल भरकर वापस कांवड़ियों को सौंपनी पड़ी। कनखल एसएचओ और दो पुलिसकर्मियों को माफी भी मांगनी पड़ी।

अभी 30 हजार सहायता समूह को प्रमाण पत्र दिए गए

कृषि सखी के रूप में खेती को मिलेगी ताकत, मैं रात-दिन ऐसे ही श्रम करूंगा

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

पीएम ने कहा कि हमने आशा कार्यकर्ता के रूप में बहनों का काम देखा। डिजिटल इंडिया बनाने में बहनों की भूमिका अच्छी है। अब हम कृषि सखी के रूप में खेती को नई ताकत मिलते हुए देखेंगे।

आज 30,000 से अभी सहायता समूह को कृषि सखी के रूप में प्रमाण पत्र दिए गए। अभी 12 राज्यों में यह योजना शुरू हुई है। इसे पूरे देश में हजारों समूह को इससे जोड़ा जाएगा। यह अभियान 3करोड़ लखपति दीदी बनाने में भी मदद करेगा और राज्य सरकार को मौका मिला पूरे समर्पण भाव से काम किया है। उन्होंने कहा कि ये बहुत बड़ी विजय है और बहुत बड़ा विश्वास है। आपका ये विश्वास मेरी बहुत बड़ी पूंजी है। आपका ये विश्वास मुझे लगातार आपकी सेवा के लिए, देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मैं दिन-रात ऐसे ही मेहनत करूंगा। आपके सपनों और संकल्पों को पूरा करने के लिए हर प्रयास करूंगा।

12 राज्यों में योजना

पीएम मोदी ने वाराणसी में किया किसानों के साथ संवाद

गंगा आरती में शामिल हुए पीएम

पीएम मोदी दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल हुए। उन्होंने मां गंगा की पूजा करने के बाद आरती उतारी। घाट पर हर-हर महादेव और मां गंगा के उद्घोष होते रहे। राधे-राधे और अक्षतम केशवम, गोविंद बोले हरि गोपाल बोलो के धुन से पूरा दशाश्वमेध घाट गूंज उठा। घाट पर विशेष फूलों से सजावट की गई थी, पूरे घाट दीपों से जगमग नजर आया। आरती के बाद मोदी काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। यहां विधिवत पूजन- अर्चन कर पीएम मोदी ने बाबा का आशीर्वाद लिया।

करोड़ों किसान हमारे साथ जुड़े

काशी के साथ-साथ काशी से ही देश के गांव के लोग जुड़े करोड़ों किसान हमारे साथ जुड़े हुए हैं और यह सारे हमारे किसान माताएं भाई-बहन की शोभा बढ़ा रहे हैं। मैं अपनी काशी से हिंदुस्तान के कोने-कोने में गांव-गांव में आज टेक्नोलॉजी से जुड़े हुए सभी किसान भाई बहनों का देश के नागरिकों का अभिवादन करता हूं। आज 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की तरफ भी बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। उन्हें सम्मान और आय के नए साधन दोनों सुनिश्चित करेंगे। मैं अपने सभी किसान परिवारों को, माता बहनों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

देशभर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ घर बनाए

मैंने नौजवान, नारी शक्ति और गरीब सभी को भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत मैंने सरकार बनते ही सबसे पहले फैसला किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा फैसला लिया। देश भर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ में घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मान निधि को आगे बढ़ाना हो यह फैसला करोड़ों लोगों की मदद करेंगे।

विदेशों में पहुंच रहे यहां के निर्मित उत्पाद

पीएम ने कहा कि किसान आत्मनिर्भर बन रहा है और कृषि निर्यात में अग्रणी बना है। बनारस का लंगड़ा आम, जौनपुर की मूली, गाजीपुर की भिंडी। ऐसे अनेक उत्पाद आज विदेशी मार्केट में पहुंच रहे हैं। वन जिला वन प्रोडक्ट और जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब बनने से एक्सपर्ट बढ़ रहा है और उत्पादन भी एक्सपोर्ट क्वालिटी का होने लगा। अब हमें ग्लोबल मार्केट में देश को नई ऊंचाई पर ले जाना और मेरा तो सपना है कि दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर भारत का कोई ना कोई खजाना डिफेक्ट वाले मंत्र को बढ़ावा देना। मोटे अनाज श्री अन्य का उत्पादन हो, औषधीय गुण वाली फसल हो या फिर प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना। पीएम किसान समृद्धि के माध्यम से किसानों के लिए एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम विकसित किया जा रहा है। यहां इतनी बड़ी संख्या में हमारी माताएं उपस्थित हैं, इनके बिना खेती की कल्पना भी नहीं संभव है। अब खेती को नई दिशा देने में भी माता बहनों की भूमिका का विस्तार किया जा रहा है।

प्रियंका को वॉकओवर नहीं मिलेगा

सीबीआई (एम) फिर से यहां उम्मीदवार उतारेगी

एजेंसी ▶▶ वायनाड

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने मंगलवार को कहा कि वह वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाद्रा के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारेगी।

भाकपा के प्रदेश सचिव बिनॉय विश्वम ने संवाददाताओं से कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में शामिल भाकपा के पास वायनाड लोकसभा सीट है और उसका उम्मीदवार उपचुनाव में चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसमें संदेह क्या है? सीपीईएम और एलडीएफ ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो भारतीय जनता पार्टी के अनुकूल हो। हम निश्चित रूप से वहां अपना उम्मीदवार उतारेंगे। प्रियंका वाद्रा की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर विश्वम ने कहा कि कांग्रेस को किसी भी क्षेत्र में अपना उम्मीदवार चुनने की पूरी स्वतंत्रता है।

तो राहुल को यहां लड़ना ही नहीं था

विश्वम ने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस पार्टी की योजना वायनाड सीट खाली करने की थी, तो उन्हें राहुल गांधी जैसे एक प्रमुख नेता को दक्षिण में लाने की कोई आवश्यकता नहीं थी। पार्टी की वरिष्ठ नेता एनी राजा ने हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में वायनाड से राहुल के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि राहुल ने यह सीट 364422 मतों से जीती थी।

वाड्रा बोले- मेरी बात तो बाद की बात...

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने मंगलवार को अपनी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड से चुनाव मैदान में उतारने के पार्टी के कदम पर प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं भाजपा को सबक सिखाने के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद दूंगा। उन्होंने धर्म के आधार पर राजनीति की मुझे खुशी है कि प्रियंका गांधी वायनाड से लड़ने जा रही हैं। उन्हें संसद में होना चाहिए, इसलिए नहीं कि वह प्रचार कर रही हैं बल्कि मैं चाहता हूं कि वह मुझसे पहले संसद में हों। उन्होंने कहा कि मैं खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि लोग उन्हें अच्छा जनादेश देंगे। वाड्रा ने कहा कि हमारा ध्यान देश के मुद्दों पर लोगों के लिए लड़ना था। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि राहुल और प्रियंका ने काफी मेहनत की है। उन्होंने हर जगह यात्रा की और आज हमारे पास एक मजबूत विपक्ष है। राहुल और प्रियंका ने यह सब अपने पिता और दादी से सीखा है।

चांदनी चौक में मंदिर में सैकड़ों बकरों ने विवेक को घेर लिया

15 लाख रु जुटाए, 124 बकरों को खरीदकर कुर्बानी से बचाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जामा मस्जिद से करीब 500 मीटर की दूरी पर चांदनी चौक में एक मंदिर के आंगन में सैकड़ों बकरों ने विवेक जैन को घेर लिया। पेशे से सीए ने ईद-उल-अजहा के मौके पर 124 बकरों को कटने से बचाने के लिए करीब 15 लाख रुपएजुटाए थे। वह उन सभी को शांत करने के लिए स्पीकर से एक मंत्र को बोल रहा था।

यह एक जैन मंत्र था। यह सब बकरे डरे हुए थे और उनको लग रहा था कि उनको बलि देने के लिए इकट्ठा किया गया है। उनको नहीं पता कि उन्हें हमने नई जिंदगी दी है। ईद से पहले धरमपुर इलाके में नए जैन मंदिर में बकरे बाजारों जैसी ही चहल-पहल थी। हालांकि, यहां पर लोगों में उत्साह बकरों को कसाई के ब्लेड से बचाने के लिए था। लोग बकरों की एक झलक पाने के लिए मंदिर में जुट रहे थे। कुछ ने उनके चारे के लिए पैसे दिए तो किसी ने उनको प्यार से दुलारा।

जैन समुदाय बना चर्चा का विषय

हिंदू हो या मुस्लिम या सिख हर कोई पुरानी दिल्ली की गलियों में छिपे हुए इस मंदिर को जानता है। इसने इन बकरों को बचाने के लिए लाखों रुपए खर्च किए थे। जैन ने लोगों को बकरे के दर्शन के लिए आंगन में ले जाते हुए कहा कि हमे खुद पर काफी गर्व है। यह सब इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि देशभर से हमारे समुदाय से हमें काफी सपोर्ट मिला। हमारा धर्म हमें यही करना सिखाता है।

दिल्ली और पटना सहित 40 एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली और पटना सहित देश के 40 हवाईअड्डों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी एक ई-मेल के जरिए दी गई है। सभी एयरपोर्ट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। धमकी भरा ई-मेल मंगलवार को दिन में मिला, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों को सतर्क किया गया है। जयपुर एयरपोर्ट से भी ऐसी ही खबर है। सुरक्षा एजेंसियों को सचेत किया है।

12 करोड़ का ब्रिज उद्घाटन से पहले ध्वस्त

बिहार के अररिया में गिरा पुल

अररिया। अररिया के पड़रिया घाट (सिकटी प्रखंड क्षेत्र) पर करोड़ों की लागत से बना पुल ढह गया। पुल के उद्घाटन की लोग राह देख रहे थे। मंगलवार दोपहर करीब दो बजकर पांच मिनट में यह हादसा हुआ। 182 मीटर के पुल पुल की लागत बढ़कर 12 करोड़ हो गई थी। यह जून 2023 में तैयार हुआ। इस पर आवागमन नहीं हो रहा था।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ के कथन का भी दिया हवाला

संघ से रिश्ता तो कांग्रेस रिजेक्ट करती थी जजों की नियुक्ति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

न्यायपालिका में जोड़तोड़ से नियुक्ति के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं।

70 के दशक से पहले न्यायिक नियुक्तियों में कैंडिडेट की विचारधारा कोई खास मायने नहीं रखती थी। 1967 के बाद चीजें बदल गईं। बॉम्बे हाई कोर्ट के एडवोकेट अभिनव चंद्रचूड़ पेंगुइन से प्रकाशित अपनी किताब 'सुप्रीम व्हिस्परर्स' में लिखते हैं कि फरवरी 1967 में जब सुप्रीम कोर्ट की 11 जजों की बेंच ने 'गोलकनाथ खिलाफ स्टेट ऑफ पंजाब' केस में फैसला दिया कि संसद के पास संविधान के मूलभूत अधिकारों में बदलाव का अधिकार नहीं है, तो कांग्रेस सरकार को यह बात अखर गई।

एडवोकेट अभिनव ने अपनी किताब में लिखा

फिर नियुक्तियों का मामला लॉ मिनिस्ट्री को सौंपा

इस फैसले से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट बैंकों के राष्ट्रीयकरण और प्रिवी पर्स में भी सरकार को झटका दे चुका था। इंदिरा चिढ़ी बैठी थीं। गोलकनाथ केस के बाद न्यायिक नियुक्तियों का मामला गृह मंत्रालय से लॉ मिनिस्ट्री को सौंप दिया गया। सरकार ने अपने विचारधारा के जजों को भरना शुरू किया। इंदिरा कैबिनेट के कई मंत्रियों ने इसमें मदद की। इनमें एक मंत्री थे एस. मोहन कुमार मंगलम।

विचारधारा पता करवाने लगी सरकार

चंद्रचूड़ लिखते हैं कि इसके बाद सरकार इस बात का खास ध्यान रखने लगी कि कैंडिडेट की विचारधारा क्या है? वह किस पार्टी से जुड़ा है और किसको समर्थन करता है? 1984-1987 के बीच लॉ मिनिस्टर रहे अशोक सेन के मुताबिक उस दौर में कांग्रेस सरकार ने एक भी ऐसे जज की नियुक्ति नहीं की, जो एंटी कांग्रेसी था या कांग्रेस के खिलाफ विचार रखता था।

पूर्व सीजेआई के हवाले से लिखा

अभिनव अपनी किताब में पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया वाईवी चंद्रचूड़ के हवाले से लिखते हैं कि एक तरीके से कांग्रेस सरकार ऐसे कैंडिडेट्स को तलाशती थी, जो उसके साथ खड़े हों और समर्थन दें। सरकार किसी कैंडिडेट को नियुक्त करने से पहले उसके फैसले तो देखते ही थी,एक-एक चीज पता करवाती थी। जैसे वह किसी खास ग्रुप या किसी संगठन के कार्यक्रम में तो नहीं जाता है। खासकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से तो कोई जुड़ाव नहीं है। कांग्रेस को किसी कैंडिडेट के बारे में पता चलता कि वह विरोधी विचार वाली पार्टी से जुड़ा है, तो तुरंत उसका रिज्यूमे डस्टबिन में डाल दिया जाता।

पैर धुलवाया, फिर नाना की सफाई

कीचड़ होने से मेरा पैर गंदा हो गया था, कार्यकर्ता ने पांव धोया

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने एक पार्टी कार्यकर्ता से पैर धुलवाने के मामले पर सफाई दी है। नाना पटोले ने कहा कि मेरा नाम नाना है, लेकिन मैं नाना नहीं हूं।

हर रोज मेरे बारे में कोई भी खबर आप लोग लेते हो, लेकिन ये मैंने जान बूझकर नहीं किया है। मैं एक कार्यक्रम में गया था। कीचड़ होने से मेरा पैर गंदा हुआ। एक कार्यकर्ता ने मेरा पैर धोया, लेकिन मीडिया ने इसे बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया। वहां पालकी आई थी जिसके दर्शन के लिए मैं गया था।

पटोले ने सफाई देते हुए कहा कि मीडिया ने इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। जमीन पर कीचड़ होने से पैर गंदे हो गए थे और उन्होंने खुद को साफ करने के लिए पानी मांगा था, तभी एक अटेंडेंट ने उनकी मदद की। बताया गया कि महाराष्ट्र के अकोला जिले के वाडेगांव में नाना के पैर कीचड़ में धंस गया था।

सिक्किम में मानसूनी बारिश का कहर जारी, पर्यटक हो रहे परेशान

भूस्खलन से प्रभावित 200 पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/गंगटोक

सिक्किम के भूस्खलन प्रभावित मंगन जिले के लाचुंग में 200 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया और करीब एक हजार पर्यटक अब भी फंसे हुए हैं। पर्यटकों को चुंगथांग के रास्ते मंगन शहर तक पहुंचाया गया, जहां से परिवहन विभाग ने उन्हें वाहनों में गंगटोक ले जाने की व्यवस्था की है। बता दे कि पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम में मानसूनी बारिश कहर बरपा रही है।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने आमलोगों का जीना मुहाल कर दिया है। सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं आवश्यक चीजों की आपूर्ति भी प्रभावित होने लगी है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर में एक साथ दक्षिण-पश्चिम मानसून एक्टिव हुआ था। सालों के बाद ऐसा हुआ है, जब देश के दो अलग-अलग हिस्सों में मानसून साथ में सक्रिय हुआ है। मानसून के सक्रिय होने के बाद से पूर्वोत्तर के राज्यों में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है।

मंगन। जिले में बारिश से प्रभावित चुंगथांग में फंसे पर्यटकों को निकाला जा रहा है

मूसलाधार बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त

गंगटोक। भारी बारिश के बाद डेंटम से गेजिंग, सिक्किम की ओर जाने वाली जलमग्न सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है, जिसके कारण वाहनों को आने-जाने में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद

एक तरफ राजधानी दिल्ली समेत उत्तर और पूर्वी भारत का अधिकांश इलाका भीषण गर्मी की चपेट में है, दूसरी तरफ पूर्वोत्तर में लगातार मूसलाधार बारिश ने हालत खराब कर रखी है। लगातार तेज बारिश की वजह से सिक्किम में कई जगहों पर सड़कें पानी के तेज बहाव या फिर लैंडस्लाइड में तबाह हो चुकी हैं। ऐसे में उत्तरी सिक्किम में तकरीबन 1600 टूरिस्ट फंस गए हैं। सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद होने की वजह से ये लोग जहां-तहां फंसे हुए हैं। मौसम इस हद तक खराब है कि हवाई सेवाएं भी ठप पड़ गई हैं। ऐसे में फंसे हुए पर्यटकों को निकालाने के लिए एयर फोर्स की मदद मांगी गई है।

सिक्किम में अभी तक शुरू नहीं हो सका बचाव अभियान

खराब मौसम के चलते सिक्किम में अभी तक राहत एवं बचाव का काम में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एयर फ़ोर्स को भी मौसम ठीक होने का इंतजार है। नॉर्थ सिक्किम में तकरीबन 1600 लोगों के फंसे होने की बात कही जा रही है। सिक्किम में फंसे टूरिस्टों को रेस्क्यू करने के लिए भारतीय वायुसेना से अनुरोध किया गया था। खराब मौसम का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एरियल रेकी भी नहीं की जा सकी है। 11 जून को अचानक हुई तेज बारिश के बाद से हालात लगातार बिगड़ते चले गए। लैंडस्लाइड की वजह से सड़कें तक बह चुकी हैं।

खबर संक्षेप

गर्मी के कहर से 22 हज यात्रियों की मौत

रियाद। सऊदी अरब में होने वाली दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में से एक हज यात्रा पर इस बार भीषण गर्मी का कहर टूटा है। हज यात्रा के दौरान गर्मी के चलते इस बार कम से कम 22 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ने के चलते सऊदी अरब सरकार की हज यात्रा की तैयारियों के दावों की पोल खुल गई। हज यात्रा पर गए देश के 14 श्रद्धालुओं की लू लगने से मौत हुई है। सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गर्मी लगने के 2700 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं।

दलाई लामा से मिलने भारत आईं नैंसी पेलोसी

नई दिल्ली। अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी 2 दिन के दौरे पर भारत आई हैं। वह धर्मशाला में तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात करेंगी। मंगलवार को दोपहर करीब 12:30 बजे पेलोसी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा एयरपोर्ट पर लैंड हुईं। उनके साथ अमेरिका के 6 सांसदों का डेलिगेशन मौजूद है। नैंसी इससे पहले मई 2017 में भी दलाई लामा से मिलने भारत आई थीं। पेलोसी लंबे समय से तिब्बत की आजादी का समर्थन करती आई हैं।

नाटो प्रमुख ने चीन को दी चेतावनी

कहा- यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने पर परिणाम भुगतने होंगे

रूस की मदद करके चीन यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को दे रहा बढ़ावा

एजेंसी ▶▶ कीव

नाटो ने रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि रूस की मदद करके चीन यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है। नाटो प्रमुख ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा है कि रूस का समर्थन करने के कारण पश्चिमी देशों को चीन पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लगातार हथियारों की आपूर्ति ही इस युद्ध का अंत कर सकती है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने अगले महीने होने वाली नाटो की 75वीं वर्षगांठ शिखर सम्मेलन की आधारशिला रखने के लिए वाशिंगटन का दौरा किया।

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन

जुलाई के शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन का एक निर्णायक दीर्घकालिक संदेश भेजना है। क्योंकि राष्ट्रपति जो बाइडन को यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन पर संदेह करने वाले डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ एक कठिन पुनर्मिलन लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है। बाइडन के साथ बैठक से पहले बोलते हुए स्टोलटेनबर्ग ने चीन पर आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह रूस के रक्षा उद्योग के पुनर्निर्माण के लिए चीन एक प्रमुख निर्यात प्रोत्साहन है।

अमेरिका के खिलाफ नहीं, किसी पक्ष को सहायता नहीं: चीन

वहीं चीन का कहना है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के खिलाफ नहीं है। ना ही चीन किसी को गलत तरीके से सहायता दे रहा है।।जिंग ने स्विट्जरलैंड में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा आयोजित सप्ताहांत शिखर सम्मेलन से दूरी बनाई थी, जिसमें किसी भी शांति के लिए रूस द्वारा यूक्रेनी क्षेत्र छोड़ने की कीव की मांगों की पुष्टि की गई थी।

प्रयागराज देश में सबसे गर्म, तापमान 47.6 डिग्री, ओडिशा में 4 दिन में मानसून पहुंचेगा

9 राज्यों में हीटवेव, यूपी-बिहार में गर्मी से 107 मौतें

गर्म हवा के झोंके से हीटवेव (लू) का कहर एक बार फिर शुरू हो चुका है। विशेषकर अगले 48 घंटे तक लू का प्रकोप तेज होने की पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के उत्तरी राज्यों में गर्मी का दौर लगातार जारी है। आईएमडी ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, बिहार और झारखंड में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को प्रयागराज लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर था। यहां तापमान 47 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया है। उत्तर प्रदेश में 24 घंटे में लू से 90 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, प्रशासन इसे मानने से इनकार कर रहा है। प्रशासन का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही यह स्पष्ट होगा की मौतें गर्मी की वजह से हुई है, लेकिन डॉक्टरों का साफ कहना है कि ज्यादातर मौतें हीटवेव और हीट स्ट्रोक से हुई है। उधर, बिहार में सोमवार को लू से 17 लोगों की मौत हुई। हालांकि, इसकी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। औरंगाबाद में सोमवार को तापमान 46.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

कानपुर में गर्मी बन रही जानलेवा,1 5 की मौत

कानपुर के घाटमपुर सर्किल में बीते 36 घंटे में अलग-अलग जगहों पर 15 लोगों की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हालांकि एक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में फोटो भेजकर शव की शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है। सभी की मौत हीट स्ट्रोक से होने की आशंका जताई जा रही है।

बिहार में भीषण गर्मी का कहर

बिहार में भीषण गर्मी कहर बरपा रही है। दक्षिण बिहार के कैमूर जिले में हीटवेव से हड़कंप मचा हुआ है। जिले में 12 घंटे के भीतर 11 लोगों की गर्मी और लू की वजह से जान चली गई।

छत्तीसगढ़ में गर्मी की छुट्टियां बढ़ीं

छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी पड़ रही है। रविवार 16 जून को रायपुर और राजनांदगांव का तापमान 39 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसके चलते गर्मी की छुट्टियां 25 जून तक बढ़ा दी गई हैं। इससे पहले राज्य सरकार ने गर्मी की छुट्टियां 22 अप्रैल से 15 जून तक घोषित की थीं। वहीं, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा है कि मौसम की स्थिति देखते हुए स्कूल कब खुलेंगे, इसका फैसला कलेक्टर करेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के कई जिलों में 19 जून तक मौसम काफी गर्म और उमस भरा रहेगा।

बुधवार से दिल्ली में लोगों को राहत मिल सकती है

दिल्ली में भी गर्मी का दौर लगातार जारी है। तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। बुधवार से दिल्ली के लोगों को राहत मिल सकती है। मंगलवार सुबह यहां न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। वहीं, पंजाब के बठिंडा में 46.9 डिग्री सेल्सियस टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा पंजाब के अमृतसर, पटियाला और गुरदास में भी तापमान 45 डिग्री से ऊपर रहा।

भुज का स्मृतिवन भूकंप मेमोरियल म्यूजियम विश्व के 7 सबसे सुंदर म्यूजियम की सूची में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गांधीनगर

गुजरात के सिद्धि मुकुट में एक और मोरपंख जुड़ा है। ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में गुजरात की पहचान एवं प्रतिष्ठा फिर एक बार विश्व स्तर पर उजागर हुई हैं। यूनेस्को में हर वर्ष घोषित होने वाले आर्किटेक्चर तथा डिजाइन क्षेत्र के प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्सेइल्स अवॉर्ड के अंतर्गत भुज के स्मृतिवन भूकंप मेमोरियल म्यूजियम को विश्व के 7 सबसे सुंदर म्यूजियमों की सूची में स्थान मिला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशा निर्देश तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात की ग्लोबल छवि निरंतर मजबूत हुई है। भारत के किसी म्यूजियम को इस प्रकार से स्थानीय संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण की अभिव्यक्ति के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई हो, ऐसा पहली बार स्मृतिवन के मामले में हुआ है। यह सम्मान गुजरात को प्राप्त हुआ है। यह प्रत्येक गुजराती को अपार गौरव दिलाने वाली घटना है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्मृतिवन के निर्माण एवं प्रबंधन से जुड़ी समग्र टीम को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए अभिनंदन दिया है।

विश्व के सबसे सुंदर म्यूजियमों की सूची 2024

ए4 आर्ट म्यूजियम, चेंगडू, चीन, ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम, गिजा, मिस्र, स्मृतिवन भूकंप स्मारक, भुज, भारत, सिमोस आर्ट म्यूजियम, हिरोशिमा, जापान, पलेइस हेट लू, एपलडूर्न, नीदरलैंड्स, ओमान अक्रॉस एजेज म्यूजियम, मानाह, ओमान, पोलिश हिस्ट्री म्यूजियम, वोरसॉ, पोलैंड।

स्मृतिवन भूकंप स्मारक को प्राप्त अन्य अवॉर्ड्स

ए-डिजाइन अवॉर्ड- बेस्ट इंटरनेशनल एग्जीबिशन डिजाइन प्रोजेक्ट, एसबीआईडी इंटरनेशनल डिजाइन अवॉर्ड - पब्लिक स्पेसेस, रेड डॉट डिजाइन अवॉर्ड 2023 - ब्रैंड तथा कम्युनिकेशन डिजाइन, ग्लोबल आर्किटेक्चर डिजाइन अवॉर्ड – प्लेटिनम अवॉर्ड - कल्चरल आर्किटेक्चर, सीआईआई डिजाइन एक्सीलेंस अवॉर्ड - स्पेशल डिजाइन, लंदन डिजाइन अवॉर्ड - प्लेटिनम अवॉर्ड - इंटीरियर डिजाइन, ग्लोबल आर्किटेक्चर डिजाइन अवॉर्ड - गोल्ड अवॉर्ड- ग्रीन आर्किटेक्चर, इवेंट एपीएसी अवॉर्ड 2023- पर्यटक आकर्षण।

गुजरात के दो गांव को भी अंतरराष्ट्रीय सम्मान

इससे पहले गत वर्ष गुजरात के गरबा को भी अंतरराष्ट्रीय गौरव प्राप्त हुआ था। यूनेस्को ने 'गुजरात का गरबा' को अपनी इंटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज ऑफ ह्यूमैनिटी की सूची में 15वें एलिमेंट के रूप में शामिल किया था। इसके साथ ही, गत वर्ष यूनाइटेड नेशन्स वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन ने गुजरात के धोरडो को 'बेस्ट टूरिज्म विलेज' का सम्मान दिया था।

कुल 12,932 पीड़ित नागरिकों के नाम की तकती लगाई

प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप निर्मित हुआ स्मृतिवन भुज के भुजियो डूंगर (भुजिया पर्वत) पर 470 एकड़ क्षेत्र में स्मृतिवन फैला हुआ है। यहाँ विश्व का सबसे विशाल मियावाकी जंगल है, जिसमें 5 लाख पेड़ हैं। इसके अलावा 50 चेकडैम हैं। इन चेकडैम की दीवारों पर श्रद्धांजलि के रूप में कुल 12,932 पीड़ित नागरिकों के नाम की तकती लगाई गई है। इसके अलावा सन पॉइंट, 8 किलोमीटर का ओवरऑल पाथवे, 1.2 किलोमीटर की आंतरिक सड़क, 1 मेगावॉट क्षमता का सोलर पावर प्लांट, 3 हजार विजिटर्स के लिए पार्किंग, 300 से अधिक वर्ष पुराने किले का नवीनीकरण, 5 लाख पौधों का रोपण, समग्र क्षेत्र में इलेक्ट्रिक लाइटिंग और 11,500 वर्ग मीटर में भूकंप को समर्पित म्यूजियम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने किया था स्मृतिवन का लोकार्पण

गुजरात में 26 जनवरी, 2001 को आए विनाशकारी भूकंप ने जब कच्छ को झकझोर दिया था, उस समय भूकंप में प्राण गँवाने वाले नागरिकों के सम्मान में इस स्मृतिवन भूकंप स्मारक का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त, 2022 को इस स्मारक का लोकार्पण किया था।

इजराइल ने 2023 में किया हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात

जेरूसलम। इजराइल ने गाजा युद्ध के बीच हथियार निर्यात में नया रिकॉर्ड बनाया है।

इजराइल ने साल 2023 में 13.1 अरब डॉलर का हथियार निर्यात किया है। इनमें से आधा निर्यात एशिया को किया गया है और उसमें भारत शीर्ष कस्टमर रहा है। पिछले 5 साल में इजराइली हथियारों का निर्यात दोगुना हो गया है। यही नहीं पिछले 3 साल से इजराइली हथियारों का निर्यात लगातार रिकॉर्ड बना रहा है।

इटली के दक्षिणी तट पर दो जहाज़ों के पलटने से 11 की मौत

66 से अधिक लापता

एजेंसी ▶▶ रोम

इटली के पास समुद्र में बड़ा हादसा हो गया। यहां समुद्र में 2 जहाज डूब गए, जिसमें कम से कम 11 प्रवासियों की मौत हो गई। वहीं, अभी 66 लोग लापता हैं, जिसमें 26 बच्चे भी शामिल हैं। इटली के दक्षिणी तट पर समंदर में 2 जहाजों के डूबने की वजह से 66 लोग समुद्र में लापता हो गए, जबकि 11 लोगों की इस हादसे में मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने एक बयान में हगादसे को लेकर जानकारी दी है। वहीं, एक अन्य हादसे के बारे में जर्मन सहायता समूह 'रेस्कशिप' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पहली जहाज दुर्घटना में बचावकर्मियों को इटली के छोटे लैम्पेडुसा द्वीप के पास 10 प्रवासियों के शव मिले हैं।

18वें एमआईएफएफ में एशियाई महिला फिल्मकारों की प्रस्तुतियों का मनाया गया उत्सव

विशेष पैकेज में शामिल हैं 5 असाधारण फ़िल्में

एजेंसी ▶▶ मुंबई

18वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में एक विशेष पैकेज के साथ एशियाई महिला फिल्मकारों की प्रस्तुतियों का उत्सव मनाया गया। "एशियन वुमन फिल्ममेकर" नाम के इस पैकेज में 5 असाधारण फ़िल्में शामिल हैं जो पूरे एशिया की 6 महिला निर्देशकों की प्रतिभा को प्रदर्शित करती हैं। दरअसल यह पैकेज सिनेमा में महिलाओं की आवाज़ की शक्ति और समानता की उनकी खोज का प्रमाण है। इस विशेष समूह में डुएट, टकीला सनसेट, अमेरिकन ड्रीम और ट्राइएंगिल नामक फ़िल्में शामिल है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि 18वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) में फिल्म उद्योग में महिलाओं की क्षमता, सहनशीलता और रचनात्मकता का उत्सव मनाते हुए "एशियाई महिला फिल्मकारों" (एशियन वुमन फिल्ममेकर) शीर्षक से एक विशेष पैकेज प्रस्तुत किया गया।

प्रेरणादायक कहानियां

रेडियो और टेलीविजन में महिलाओं के अंतर्राष्ट्रीय संघ (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वुमन इन रेडियो एंड टेलीविजन) द्वारा प्रस्तुत यह अनूठा संग्रह सशक्तिकरण, सफलता की खोज और समानता जैसे विषयों पर प्रकाश डालता है। यह दर्शकों के सामने विविध और प्रेरणादायक कहानियों की श्रृंखला की पेशकश करता है। बता दें, "एशियाई महिला फिल्म निर्माता" पैकेज में पांच असाधारण फ़िल्में शामिल हैं ।

आज से शुरू होंगे सुपर-8 के इम्तिहान, ट्रॉफी के लिए महाजंग का आगाज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप 2024 में ग्रुप दौर के सभी मैच वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के बीच हुए मैच के बाद समाप्त हो गए। इस बीच सुपर-8 चरण की तस्वीर साफ हो गई है। मेजबान अमेरिका क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के बीच 19 जून को होने वाले मैच के साथ सुपर-8 की शुरुआत हो जाएगी। भारत की पहली टक्कर 20 जून को अफगानिस्तान से होगी। इस बार विश्व कप विजेता टीम को 24.5 लाख डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलने वाले हैं।

ग्रुप-1 में मौजूद है भारतीय टीम

भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने ग्रुप दौर में शीर्ष स्थान हासिल किया था। अब सुपर-8 के ग्रुप-1 में भारतीय टीम के साथ गत विजेता ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम जैसी प्रबल दावेदार शामिल है। इस ग्रुप में अफगानिस्तान और बांग्लादेश अन्य टीमें हैं।

अच्छे फार्म में चल रही अमरीकी टीम की आज द.अफ्रीका से होगी भिड़ंत

टी-20 विश्व कप 2024 के सुपर-8 मैच में अमेरिका क्रिकेट टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम से 19 जून को होगा। मेजबान अमेरिका ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर उलटफेर किया है। ऐसे में प्रोटियाज टीम पहली बार विश्व कप में हिस्सा ले रही अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेना चाहेगी। ये दोनों टीमें पहली बार किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में आमने-सामने होने वाली हैं। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला यह मैच आज एंटिगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेला जाएगा।

ऐसी हो सकती है अमेरिकी टीम

अमेरिका के सलामी बल्लेबाज शायन जहांगीर अब तक कोई अच्छी पारी नहीं खेल पाए हैं। उनके ऊपर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। गेंदबाजी में सौरभ नेत्रवलकर के प्रदर्शन पर नजरें रहने वाली हैं। वह नई गेंद से अपनी टीम के लिए विकेट लेना चाहेंगे।

इनके प्रदर्शन पर होंगी नजरें

अमेरिका के आक्रामक बल्लेबाज जोन्स ने 3 पारियों में 141.00 की औसत और 160.22 की स्ट्राइक रेट से 141 रन बनाए हैं। नोर्खिया इस समय जोरदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने 4 मैचों में 7.77 की औसत और 4.37 की इकॉनमी रेट से 9 विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नेत्रवलकर ने 3 मैचों में 5.20 की इकॉनमी रेट के साथ 4 विकेट अपने नाम किए हैं।

संभावित टीमें

अमेरिका : स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीस गौस (विकेटकीपर), आरोन जोन्स (कप्तान), नितीश कुमार, कोरी एंडरसन, हरमीत सिंह, शैडली वैन शल्कविक, जसदीप सिंह, सौरभ नेत्रवलकर और अली खान।

दक्षिण अफ्रीका : क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्करम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को येंसन, कगिसो रबाडा, एनरिक नोर्खिया, ओटनील बार्टमैन और तबरेज शम्सी।

ग्रुप-2 में मेजबान अमेरिका

ग्रुप-2 में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अमेरिका मौजूद हैं। दिलचस्प रूप से पहली बार टी-20 विश्व कप में हिस्सा ले रही अमेरिका ने अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बनाई है।

दोनों ग्रुप की शीर्ष 2 टीमें करेंगी सेमीफाइनल में प्रवेश

सुपर-8 के प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष 2 टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 27 जून को पहला सेमीफाइनल त्रिनिडाड के ब्रायन लारा स्टेडियम में होगा। इसके बाद दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला भी 27 जून को गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेला जाएगा। आखिर में खिताबी मुकाबला 29 जून को केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा।

खबर संक्षेप

ओलंपिक में नहीं खेलेंगी सबालेंका और जाबूर

बर्लिन। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका और दो बार की विंबलडन फाइनलिस्ट ओन्स जाबूर पेरिस ओलंपिक से हट गई हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि वे घास के कोर्ट पर होने वाले विंबलडन के तुरंत बाद क्लेकोर्ट पर नहीं खेलना चाहतीं। बेलारूस की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका ने कहा कि वह पेरिस ओलंपिक में खेलने के बजाय आराम करना चाहेंगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम बहुत व्यस्त है और मैंने अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर यह फैसला किया। मैं अगली प्रतियोगिताओं के लिए शारीरिक और स्वास्थ्य स्तर पर तैयार होने के लिए आराम करने को प्राथमिकता दूंगी।

अर्जुन ने स्टीफन अवग्यान मेमोरियल जीता, रेटिंग में चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आर्मेनिया के जर्मुक में स्टीफन अवग्यान मेमोरियल 2024 का खिताब जीता जबकि अभी एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है। एरिगैसी ने आठवें दौर में रूस के ग्रैंड मास्टर वोलोदार मुर्जिन को 63 चाल में हराया। इससे उनके चार जीत और इतने ही ड्रॉ के बाद छह अंक हो गए हैं। इस टूर्नामेंट में कुल 10 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस जीत से अर्जुन लाइव रेटिंग में अपने करियर के सर्वोच्च चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस टूर्नामेंट से वह अभी तक नौ अंक हासिल कर चुके हैं जिससे उनके कुल 2779.9 अंक हो गए हैं। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन तथा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना उनसे आगे हैं।

ईस्ट बंगाल ने डेविड से 3 साल का किया करार

कोलकाता। सुपर कप फुटबॉल चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी ने उभरते हुए भारतीय फारवर्ड डेविड लालहलानसांगा के साथ तीन साल के अनुबंध की घोषणा की। भारत के सबसे प्रतिभावान युवा स्ट्राइकरों में से एक डेविड पिछले साल कलकत्ता फुटबॉल लीग और डूरंड कप में शीर्ष स्कोरर थे। उन्होंने मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब की पहली आईलीग खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डेविड को बर्खास्त किए गए मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने भारत के आखिरी दो विश्व कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए टीम में शामिल किया था जो कुवैत के खिलाफ घरेलू मैदान पर और कतर के खिलाफ उसके मैदान पर हुए थे। डेविड को हालांकि मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला।

टी-20 विश्व कप : ग्रुप मैच के अंतिम मुकाबले में 104 रन से दी शिकस्त

पूरन की धमाकेदार पारी से वेस्टइंडीज की अफगानिस्तान पर शानदार जीत

एजेंसी ▶▶| ग्रॉस आइलेट

निकोलस पूरन ने छक्के जड़ने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया जिससे वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के अपने अंतिम मैच में अफगानिस्तान को 104 रन से करारी शिकस्त दी। दोनों टीम पहले ही सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी और इस मैच से ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम का निर्धारण होना था। दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 218 रन बनाए जिसमें पूरन ने 53 गेंद पर 98 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और आठ छक्के लगाए। अफगानिस्तान की टीम इसके जवाब में 16.2 ओवर में 114 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से इब्राहिम जादरान ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए ओबेद मैकॉय ने 14 रन देकर तीन ,अकील हुसैन ने 21 रन देकर दो और गुडाकेश मोती ने 28 रन देकर दो विकेट लिए।

वेस्टइंडीज ने दर्ज की जोरदार जीत

ब्रेंडन किंग (7) के जल्दी आउट होने के बाद जॉनसन चार्ल्स (43) और निकोलस पूरन (98) ने उम्दा पारी खेली। इनके अलावा शाई होप (25) और रोवमैन पॉवेल (26) ने टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। जवाब में रहमानुल्लाह गुरबाज (0) और नईब (7) जल्दी पवेलियन लौट गए। खराब शुरुआत के बाद भी अफगान टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट खोए। इस बीच इब्राहीम जादरान ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। वेस्टइंडीज से ओबेद मैककॉय ने 3 विकेट लिए।

पूरन ने पूरे किए अपने 2,000 टी-20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे

पूरन ने 53 गेंदों पर 6 चौकों और 8 छक्कों की मदद 98 रन की पारी खेली। वह पारी के आखिरी ओवर में रन आउट हुए। इस दौरान उन्होंने 2,000 टी-20 रन पूरे किए। उन्होंने 98 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2,012 रन बना लिए हैं। इस बीच उन्होंने 12 अर्धशतक लगाए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 98* रन अब उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

पूरन ने टी-20 क्रिकेट में पूरे किए अपने 500 छक्के

पूरन अब क्रिस गेल (124) को भी पीछे छोड़ते हुए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज बन गए। उनके नाम अब 128 छक्के हैं। पूरन अब 500 टी-20 छक्के (502) पूरे करने वाले छठे बल्लेबाज भी बन गए। वह गेल (1,056), कीरोन पोलार्ड (860), आंद्रे रसेल (686), कॉलिन मुनरो (548) और रोहित शर्मा (514) की सूची में शामिल हुए। पूरन ने टी-20 विश्व कप की एक पारी में तीसरे सबसे ज्यादा छक्के (8) लगाए।

वेस्टइंडीज ने बनाया रिकॉर्ड स्कोर

पूरन और चार्ल्स की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में 92/1 का स्कोर बना लिया था। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। इससे पहले ये रिकॉर्ड आयरलैंड (91/1 बनाम नीदरलैंड, 2014) के नाम पर दर्ज था। कुल मिलाकर यह टी-20 इतिहास का चौथा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इसके अलावा यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज के लिए दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर भी है।

यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप

फ्रांस ने ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराया एमबापे की नाक में लगी चोट

एजेंसी ▶▶| डसेलडोर्फ

मैक्सिमिलियन वोबर के आत्मघाती गोल की मदद से फ्रांस ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में ऑस्ट्रिया को 1-0 से पराजित किया लेकिन इस मैच में उसके स्टार स्ट्राइकर काइलिन एमबापे की नाक में चोट लग गई और उनका टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध है। एमबापे ग्रुप डी के इस मैच के अंतिम क्षणों में गेंद पर नियंत्रण बनाने के प्रयास में ऑस्ट्रिया के केविन डांसो से टकरा गए। इससे उनकी नाक से खून बहने लगा और वह सूज गई। एमबापे को इस कारण मैदान छोड़ना पड़ा।

चोटिल होने के बावजूद दिलाई जीत

चोटिल होने से पहले एमबापे पर सभी की निगाह टिकी थी। ऑस्ट्रिया ने उन्हें खुलकर नहीं खेलने दिया, लेकिन टीम को जीत दिलाने में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई।। वोबर ने 38वें मिनट में एमबापे का शॉट रोकने के प्रयास में ही आत्मघाती गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे डेसचैम्प्स ने फ्रांस का कोच रहते हुए जीत का शतक भी पूरा किया।

फ्रांस को खिताब का इंतजार

फ्रांस ने अभी तक दो बार यूरोपीय चैंपियनशिप जीती है लेकिन उसे 2000 के बाद अपने पहले खिताब का इंतजार है। रोमानिया इस ग्रुप में शीर्ष पर है। उसने एक अन्य मैच में यूक्रेन को 3-0 से हराया जो उसकी यूरोपीय चैंपियनशिप में पिछले 24 वर्षों में पहली जीत है।

महिला क्रिकेट

द. अफ्रीका पर अजेय बढ़त बनाने आज उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आज बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी।

भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी। मैच दोपहर 1.30 बजे शुरू होगा। पहला मैच में बल्लेबाजी में दिखीं खामियां इस तरह से भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता। बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आई। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है। पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई। उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है।

मंधाना से उम्मीद, हरमन व जेमिमा भी रहीं नाकाम

कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है। पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए। चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रही। इन सभी को मंधाना से सीख लेने की जरूरत है जिन्होंने वनडे में छठा शतक लगाया। यह बाएं हाथ की बल्लेबाज अच्छी लय में है।

आशा रहीं सफल गेंदबाज, पूजा को लेकर चिंता

गेंदबाजों में अपना पहला मैच खेल रही लेग स्पिनर आशा शोभना ने 21 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन टीम प्रबंधन तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर की फिटनेस को लेकर चिंतित होगा जो दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान 18वें ओवर में मैदान छोड़कर चली गई थी। उनके नहीं खेलने पर अरुंधति रेड्डी को टीम में लिया जा सकता है। पिछले मैच में भारतीय स्पिनरों आशा, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने मिलकर सात विकेट लिए थे।

विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा ने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत की जीत के साथ

बर्लिन। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की। पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की। चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था।

दूसरे दौर में अन्ना से मुकाबला : वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिन्सकाया से भिड़ेंगी। पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी। उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्युर को 6-4, 6-4 से हराया था।

तोंडाइमन, राजेश्वरी ओलंपिक के लिए पांच सदस्यीय भारतीय शॉटगन टीम में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीनियर ट्रैप निशानेबाज पृथ्वीराज तोंडाइमन आगामी पेरिस ओलंपिक में भारतीय शॉटगन टीम की अगुवाई करेंगे। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने मंगलवार को खेलों के महाकुंभ के लिए घोषित पांच सदस्यीय टीम में जगह दी जिसके सभी खिलाड़ी पहली बार इन खेलों में हिस्सा लेंगे। पेरिस खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे।

टोंडाइमन ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में जगह बनाई है जबकि राजेश्वरी कुमारी महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में निशाना साधेंगी। अनंतजीत सिंह नरुका भारत के एकमात्र पुरुष स्कीट निशानेबाज होंगे जबकि रायजा ढिल्लों और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में उन पांच कोटा स्थानों को पूरा करेंगी जो शॉटगन टीम ने क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान हासिल किए थे। महेश्वरी और अनंतजीत स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में एकमात्र भारतीय जोड़ी के रूप में भी भाग लेंगे। यह स्पर्धा पेरिस खेलों में पहली बार हो रही है। भारत के पांचों शॉटगन निशानेबाज अपने पहले ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत का अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से होना है मुकाबला

ट्रॉफी का सूखा खत्म करना चाहेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2024 का ग्रुप स्टेज खत्म हो गया है। अब सुपर-8 राउंड के मुकाबले आज 19 जून से खेले जाएंगे। भारत का पहला मैच 20 जून को अफगानिस्तान से है। भारत को इसके बाद बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से भी दो-दो हाथ करना है। हालांकि, सुपर-8 का इम्तिहान पास होने के लिए भारत को अपनी 3 परेशानियों का हल ढूंढना होगा। वर्ना खिताब का सपना दूर की कौड़ी साबित होगा।

अभी तक उतार-चढ़ाव वाले मैचों में जीत हासिल करने वाली रोहित शर्मा एंड कंपनी को जीत के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ेगा। भारत के लिए परेशानी की बात ये है कि कई खिलाड़ी ऐसे हैं, जो ग्रुप स्टेज में हर मैच में उतरे लेकिन या तो उन्हें खेलने का पूरा मौका नहीं मिला या उनके फॉर्म ने दगा दे दिया। ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं विराट कोहली।

विराट का फॉर्म चिंता बढ़ाने वाला

विराट कोहली ग्रुप स्टेज के तीनों ही मैचों में नाकाम रहे और सिर्फ 5 रन ही बना पाए। ओपनिंग करते हुए कोहली टी20 विश्व कप में सिर्फ 10 गेंद ही खेल पाए हैं।

रवींद्र जडेजा का फीका प्रदर्शन

जडेजा टीम इंडिया के नंबर-1 ऑलराउंडर हैं लेकिन, टी20 विश्व कप के ग्रुप स्टेज में वो न तो गेंद और न ही बल्ले से कुछ खास कर पाए। जडेजा का तीनों मैच में न बल्लेबाजी में और न ही गेंदबाजी में खाता तक नहीं खुला। ऐसे में जडेजा को लेकर टीम मैनेजमेंट को कोई निर्णय लेना होगा। जडेजा और अक्षर पटेल दोनों में से किसी एक को बाहर करके कुलदीप यादव को धाकड़ स्पिनर के रूप में जोड़ा जा सकता है।

कप्तान-उपकप्तान को दिखाना होगा दम

रोहित शर्मा का आयरलैंड के खिलाफ अर्धशतक छोड़ दें तो बाकी दो मैच में वो फ्लॉप रहे। हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी जरूरी अच्छी की है लेकिन, बल्लेबाजी में वो पाकिस्तान के खिलाफ वो नाकाम रहे थे। बाकी दो मैच में उनकी बल्लेबाजी नहीं आई। पंड्या ने ग्रुप स्टेज में 3 मैच में 7 विकेट लिए थे। यानी अब कप्तान और उपकप्तान दोनों को एक और एक ग्यारह की तर्ज पर विरोधी टीम पर बरसना होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम डिजिटल लाइब्रेरी और बाजार से सुसज्जित होगा गोलघर

सालों बाद भी भोपाली रियासत के रंग में हूबहू देखने को मिल रहा गोलघर, बन रहा पर्यटन का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के इतिहास में चार चांद लगाने वाले गोलघर को लोगों के लिए दोबारा इस तरह तैयार किया गया है कि जहां सालों से खंडहर हो रहा था अब वहां लोगों को जमावड़ा लगने लगा है। हम बात कर रहे हैं शहाजहांनाबाद स्थित परी बाजार के पास गोलघर की। मप्र पुरातत्व विभाग के संरक्षित गोलकर पर पर्यटन विकास निगम के माध्यम से अनुरक्षण एवं विकास कार्य किया गया।

जिसमें टिकट घर, प्रसाधन व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, पार्किंग, पाथवे एवं ड्रेनेज, लैंड स्केपिंग वर्क, आंतरिक एवं बाह्य विद्युतीकरण, साईनेजेस, फ़सा‍ड लाईटिंग, बाऊंड्रीवॉल, संग्रहालय में प्रदर्शन व्यवस्था का कार्य करते हुए दर्शकों के लिए सुविधाएं विकसित की गई है। साथ ही मरम्मत और रंग-रोगन कर बीती 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों लोगों के लिए दोबारा चालू कर दिया है।

फिर भी गोलघर में अभी काम चालू है जिसमें सभागार, फव्वारा, बगीचा, मार्केट, डिजिटल लाइब्रेरी, आदि का विकास होगा।

सोने-चांदी के धागे से पक्षी बनाया करते थे घोंसले

पहले इसमें शाहजहां बेगम का कार्यालय स्थापित रहा, फिर चिड़ियाघर के रूप में इसका उपयोग किया गया। जिसमें विभिन्न पक्षियों का संग्रह हुआ करता था। कहा जाता है कि नवाब शाहजहां बेगम के काल में इस कक्ष में सोने-चांदी के धागे रखे जाते थे, जिन्हें चुनकर पक्षी घोंसला बनाते थे। इसे नवाब शाहजहां बेगम द्वारा महारानी विक्टोरिया को भेंट किया गया था। यहां मनोरंजन के लिए नवाबकालीन बैंड द्वारा रोज शाम को संगीत बजाया जाता था। कालांतर में गोलघर का उपयोग नवाब वंशजों ने अपने कार्यालय के रूप में किया है। इसके बाद शासकीय रेल्वे पुलिस ने अपने कार्यालय के रूप में इसका उपयोग किया। भोपाल नवाब शासकों के समय के सामाजिक, सांस्कृतिक, परिदृश्य की झलक को गोलघर में प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया है।

44 गेट, 46 फोटो, 4 शोकेस, 10 कुर्सी और लग्जरी झूमर से तैयार है नया गोलघर

इसके रिनोवेशन के कार्य में करीब एक साल का वक्त लगा है। इसकी खासियत यही है कि इसको पुराने गोलघर की तरह हुबहू ही रखा गया है। गोलघर में 36 दरवाजे हैं जिनकी खूबसूरती देखते ही बनती है। इसके अलावा इसके अंदर दो और गोले हैं जिनमें 4-4 गेट हैं जिनको मिला कर इसमें कुल 44 दरवाजे हो जाते हैं। इसका रंग पुराने ही गोलघर की तरह किया गया है।

परी पार्क भवन स्थित गोलघर का पुराना नाम था गुलशन-ए-आलम

भोपाल शहर के शाहजहांनाबाद में परीपार्क भवन स्थित गोलघर को भोपाल रियासत के जमाने में गुलशन-ए-आलम के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण नवाब शाहजहां बेगम द्वारा 1868-1901 के शासन में हुआ था। यह गोलाकार भवन तीन दर्जन दरवाजों से युक्त है। स्तंभ गोल व दरवाजे अलंकृत है। गुम्बद में बैंगनी, पीली, नारंगी, लाल, भूरा व हरे रंगों के उपयोग से चित्रकारी की गई है।

इस तरह दोबारा लोगों के लिए देखने लायक बना गोलघर

करीब 120 साल पुराने गोलघर को दोबारा रीनिवेशन करने में करीब 400.53 लाख राशि का खर्चा आया है। जिससे पूरे गोलघर को दोबारा नया किया गया है। ये पूरी राशि इसके दोबारा मरम्मत, रंग रोगन और नए प्रस्तावित सभागार आदि के लिए खर्च की जाएगी।

दिन में सूरज की किरणों और रात में लाइट से जगमगाता है

इसमें सालों पुराने पेड़ भी लगे हुए है जो लोगों को गर्मी में राहत देने का काम करते हैं। गोलघर की खूबसूरती उसमें लगे शीशों से भी हो रही है जिनके कारण दिन में भी वहां लाइट की जरूरत नहीं है सूरज की किरनों से गोलघर में लाइट पूरे समय रहती है। वहीं जब रात में लाइट जलती है तो चांद की चांदनी की तरह पूरा गोलघर रोशनी से जगमगाता है।

गोलघर के रंग और मरम्मत में लगा एक साल का वक्त, अभी भी काम है चालू

गोलघर को दोबारा तैयार करने में करीब एक साल का वक्त लगा। इस दौरान गोलघर के रंग और मरम्मत पर काम किया गया। इसके बाद भी अभी भी गोलघर में मरम्मत का काम जारी है। फिलहाल लोगों के लिए गोलघर को ओपन कर दिया गया है, लेकिन उसके बाद भी यहां लगातार मरम्मत और सुंदरता का कार्य चल रहा है।

गोलघर बनेगा पर्यटन केंद्र का सेंटर स्टॉल, दुकानें, एक्जीबिशन लगेंगी

जिला पर्यटन काउंसिल के सचिव और जिला पंचायत के सीईओ ऋतुराज सिंह ने बताया कि गोलघर को पर्यटन केंद्र का एक सेंटर बनाया जा रहा है। जिसमें भोपाल आर्ट और क्राफ्ट के स्टॉल लगेंगे, कई दुकानें खोली जाएंगी। विदेशी पर्यटकों के लिए ये खास स्थान होगा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एग्जीबिशन लगेंगी। ओपन ऑडिटोरियम होगा एवं गोलघर के अंदर भोपाल रियासत की फोटो एग्जीबिशन लगी है जिससे भोपाल रियासत को समझा और जाना जा सकता है।

बिना किसी प्रॉप्स के प्रयोग से मंचित नाटकों में समाज के ज्वलंत मुद्दों पर की कड़ी चोट

नवागत नाट्य समारोह 2024 में 'पार्क' और 'होली' के मंचन ने खूब गुदगुदाया

'पार्क' और 'होली'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लल्ला की लग गई, पहले प्यार जता फिर बैंड बज गई...., साथ हैं सभी होली जल चुकी..... रंग और उल्लास के त्यौहार होली की बात ही अलग है। खासकर होरी गीतों पर नृत्य और भांग की झूमते युवाओं की अटखेलियां देखते ही बनती हैं। होली के इन्हीं गीतों पर नाचते गाते युवा देखने को मिले मंगलवार शाम जनजातीय संग्रहालय में जारी 'नवागत नाट्य समारोह 2024' के दूसरे दिन, जिसमें प्रदेश के युवा डायरेक्टर्स के निर्देशन में दो नाटकों का मंचन किया गया। पहली प्रस्तुति आकाश विश्वकर्मा के निर्देशन में 'होली' की थी, वहीं दूसरी प्रस्तुति आयुषि जीना के निर्देशन में तैयार नाटक 'पार्क' की रही। बिना किसी प्राप्स और नॉर्मल सेट में होली नाट्य प्रस्तुति खास रहीं। वहीं पार्क की प्रस्तुति में भी साधारण बैंच का ही प्रयोग किया, लेकिन दोनों ही प्रस्तुतियों ने समाज के ज्वलंत मुद्दों पर कड़ी चोट की।

रैगिंग की पीड़ा दर्शाता है नाटक

होली नाटक कॉलेज के छात्रों के जीवन पर आधारित है, जिसमें दिखाया गया कि कॉलेज के छात्र किस तरह कॉलेज के छात्रावास में रहते हैं और होली की छुट्टी ना मिलने पर अतिथि की निन्दा करते हैं, लेकिन एक भोला सा छात्र प्रिंसिपल को निंदक छात्रों के नाम बता देता है और प्रिंसिपल सभी को रस्टीकेट कर देते हैं। साथ ही नाम बताने वाले छात्र की सीनियर्स द्वारा रैगिंग ली जाती है। सभी छात्र उसे बहुत परेशान करते है। उसके व्यक्तिगत जीवन को सबके सामने ला देते हैं और वो आत्महत्या कर लेता है।

हास्य और व्यंग्य से भरपूर रही 'पार्क' की प्रस्तुति

वहीं दूसरी नाट्य प्रस्तुति पार्क की रही। नाटक की कहानी एक पार्क से शुरू होती है, जहां तीन आदमी समय बिताने आते हैं। पार्क में खाली बेंच के एक हिस्से पर छाया है। जहां तीनों बैठने की कोशिश करते हैं, बैठने को लेकर हुई इस बहस में तीनों बेंच के इतिहास और अतीत के विषय पर पहुंच जाते हैं और इस तरह हास्य और व्यंग्य के साथ उनकी बातचीत राष्ट्रीय हो जाती है और अंतर्राष्ट्रीय समाचारों तक पहुंच जाती है। यह अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों की ओर पहुंचती है। किरदारों की बातचीत के जरिए देश में व्याप्त नक्सलवाद, कश्मीर समस्या और आदिवासियों के विस्थापन जैसे कई मुद्दे सामने आते हैं।

क्षमता विकास व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला आयोजित

आगंतुकों व समुदाय प्रबंधन को बेहतर बनाना जरूरी: डॉ. शाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा मंगलवार को क्षमता विकास व्यक्तित्व विकास संग्रहालय प्रबंधन कौशल पर कार्यशाला का आयोजन शैलकला धरोहर भवन में किया गया। इस कार्यशाला को गोवा प्रशिक्षण एवं अध्ययन संस्थान गोवा के निदेशक डॉ. अतुल शाह एवं डॉ. किरण शाह ने अपने दो सहयोगियों के साथ प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डॉ. अतुल शाह ने अधिकारियों और कर्मचारियों की आत्म-विकास की क्षमताओं को उन्नत करने और संग्रहालय प्रबंधन में क्षमता विकास किस तरह होता है उसका एहसास दिलाया।

मुख्यधारा से जुड़ने में सक्षम होंगे

इस अवसर पर सहायक क्यूरेटर डॉ. सोमा कीरो ने कहा कि इस कार्यशाला के प्रशिक्षण से प्रतिभागी अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में बेहतर मूल्यांकन करने, जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए और संग्रहालय में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को मुख्यधारा में लाने में सक्षम होंगे। प्रशासनिक अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने कहा कि इस प्रशिक्षण से सभी प्रतिभागियों में संचार और सामुदायिक सहभागिता नेतृत्व कौशल पर व्यापक समझ प्राप्त हुई है।

पीजीपी इनगुरल एंड ऑरेंटेंशन प्रोगाम बैच आयोजित

स्टूडेंट्स और पेरेन्ट्स के विचार

एशिया का सबसे अच्छा संस्थान लगता है आईआईएफएम भोपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

किसी ने कहा कि बच्चे का सपना था आईआईएफएम में प्रवेश लेना तो किसी ने कहा एशिया का सबसे अच्छा संस्थान लगता है आईआईएफएम ये कहना था भोपाल स्थित प्रमुख केंद्रीय संस्थान भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में नए शैक्षणिक सत्र 2024-26 के लिए अपने प्रमुख एमबीए कार्यक्रम वानिकी प्रबंधन एवं सतत पोषणीयता प्रबंधन में करीब 200 नवीन छात्रों को प्रवेश दिलाने आए उनके माता-पिता का।

केरल की निस्सा का सपना था

आईआईएफएम के पीजीडीएफएम में प्रवेश लेने वाली निस्सा मरियम अब्राहम कि मां अन्नम अब्राहम ने बताया कि उनकी बेटी का आईआईएफएम में दाखिला लेने का सपना था, जो पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि हम केरल के रहने वाले हैं।

अगले दो वर्षों में आप देश के अधिक मांग वाले पेशेवरों में से एक होंगे

कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव उपस्थित रहे। वहीं वशिष्ठ अतिथि के रूप में एलुमनाई राजाराम शंकर, निकेश कुमार सिन्हा एवं प्रो. आर श्रीनिवासन उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन भाषण में भारतीय वन प्रबंध संस्थान के निदेशक डॉ. के. रविचंद्रन ने कहा कि अगले दो वर्षों में जब आप स्नातक होंगे, तो आपकी मांग बढ़ जाएगी। यह दो वर्ष छात्रों की व्यवहारिक, कार्यात्मक और डोमेन विशेषज्ञता को बढ़ाता है।

शुभांगी का ड्रीम था आईआईएफएम में प्रवेश

आईआईएफएम के पीजीडीएफएम में बनारस से भोपाल प्रवेश लेने आईं शुभांगी सिंह के पिता कन्हैया सिंह ने बताया कि ये संस्थान जितना अच्छा है उतना ही अच्छा इस शहर का वातावरण लगा। इसलिए ये शहर बच्चों के पढ़ने के लिए एक बेहतर स्थान है।

आईआईएफएम के पीजीडीएफएम में दाखिला लेने वाली अनविता तिवारी के पिता सुभाष तिवारी ने बताया कि वे देहरादून से आए हैं। ये संस्थान एशिया के सबसे अच्छे संस्थानों में आता है।

हिंदी भवन में मराठी से अनुदित पुस्तकों का लोकार्पण आज

भोपाल। साहित्यकार डॉ. प्रतिभा गुर्जर की मराठी से अनुदित दो पुस्तकों का लोकार्पण बुधवार 19 जून को हिंदी भवन में शाम 5 बजे होने जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा किया जा रहा है। प्राणवीर महाराणा प्रताप एवं हिन्दू संस्कृति का वैश्विक इतिहास शीर्षक पुस्तकों के लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल(रि.) नरेशचंद्र मारवाह होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे तथा अक्षरा के प्रधान संपादक मनोज श्रीवास्तव उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सुखदेव प्रसाद दुबे करेंगे। समिति के मंत्री संचालक कैलाशचंद्र पंत तथा सहमंत्री डॉ. संजय सक्सेना ने शहर के साहित्यकारों से कार्यक्रम में पधारने का आग्रह किया है।

करियर कॉलेज में 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस' के आयोजन का समापन

भोपाल। करियर कॉलेज के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा 'ग्लोबल एडवांसमेंट इन कंप्लाएंस विद जी-20 रेजोल्यूशंस' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस के दूसरे दिन कीनोट स्पीकर रही डॉक्टर स्मिता शर्मा मनिपाल यूनिवर्सिटी से, सीएस योगेश खाकरे डॉ मनीष शर्मा का स्वागत अध्यक्ष मनीष राजोरिया द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। प्रोफेसर बी एम एस भदौरिया, एस एस विजयवर्गीय सेमिनार के तृतीय टेक्निकल सेशन की चेयर को-चेअर रहे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930